राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जागरण मोर्चा

www.jagranmorchadaily.com लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद में प्रसारित जन जन की आवाज़

सार संक्षेप

केसी वेणुगोपाल का पीएम मोदी पर निशाना

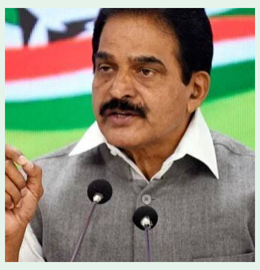

गांधी स्मृति में कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि महात्मा गांधी देश की आत्मा हैं। भारत में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। नरेंद्र मोदी लोकतंत्र और छात्रों के भविष्य को खत्म कर रहे हैं। यह वह जगह है जहां हमें प्रार्थना करनी चाहिए। महात्मा गांधी ने हमें राह दिखाई और देश को दिशा दी। इसलिए, हम यहां प्रतीकात्मक रूप से यह संकल्प लेने आए हैं कि हम छात्रों और सही मकसद के साथ खड़े रहेंगे।

रेणुका चौधरी ने याद किया महात्मा गांधी को, भाजपा पर साधा निशाना

कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने कहा कि कभी-कभी, उन्हें महात्मा गांधी को भी याद करना चाहिए, जिन्होंने इस देश की आजादी की नींव रखी थी। ये कायर लोग पूरे देश से पुलिस बल बुला रहे हैं। उन्होंने कनॉट प्लेस में जबरन दुकानें बंद करा दीं।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल का 26वां दिन

गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक की हालत स्थिर है। लेकिन अभी भी भूख हड़ताल पर हैं और आज उनकी भूख हड़काल का 26वां दिन है।

हम छात्रों के साथ खड़े हैं: राहुल गांधी

गांधी स्मृति पहुंचने पर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमारे नेता महात्मा गांधी की हत्या यहीं हुई थी। आज मोदी सरकार भारत में लोकतंत्र की हत्या कर रही है, छात्रों का दमन कर रही है और उनकी पिटाई कर रही है। विपक्ष इसे स्वीकार नहीं करेगा। हम छात्रों के साथ खड़े हैं, और नरेंद्र मोदी को शिक्षा मंत्री को हटाना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।

सांसद बसों से पहुंचे गांधी स्मृति

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी समेत विपक्षी दलों के सांसद बसों से गांधी स्मृति पहुंच गए हैं।

लॉकेट चटर्जी का विपक्ष पर हमला

भाजपा नेता लॉकेट चटर्जी ने पेपर लीक मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक कोर्ट की पीएम मोदी की घोषणा पर कहा, बच्चों के आंदोलन में विपक्ष क्यों आएगा? इसमें राजनीति क्यों होगी? कांग्रेस की सरकार के समय में बहुत कुछ हुआ था। तब पेपर लीक हुए, तब कुछ नहीं हुआ, जांच नहीं हुआ। हमारी सरकार ने नीट को कैंसिल किया और फिर से परीक्षा कराई और परिणाम भी आए। पीएम मोदी ने कहा है कि फास्ट ट्रैक कोर्ट में इसकी जांच होगी।

छात्रों से बातचीत को तैयार सरकार

जेपी नड्डा बोले- आवास या कार्यालय में हो सकती है बैठक

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों से बातचीत के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सरकार की ओर से फिर पहल की है। नड्डा ने कहा कि वार्ता उनके आवास या कार्यालय में हो सकती है, जबकि प्रदर्शनकारी संगठन कॉजपा जंतर-मंतर या किसी तटस्थ स्थान पर ही बातचीत की मांग पर अड़ा हुआ है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर जंतर-मंतर पर जारी छात्रों के आंदोलन के बीच केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को कहा कि सरकार प्रदर्शनकारी युवाओं के साथ बातचीत के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वार्ता उनके आवास या कार्यालय में हो सकती है।

संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान नड्डा से जब पूछा गया कि क्या सरकार छात्रों के संगठन कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के साथ दूसरे दौर की बातचीत को तैयार है, तो उन्होंने कहा, "हां, हम तैयार हैं।" बैठक के स्थान पर उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारी उनके आवास या कार्यालय में आ सकते हैं।

सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को नड्डा की ओर से कॉजपा को बातचीत का निमंत्रण भेजा गया था, लेकिन संगठन के नेताओं ने इसे स्वीकार नहीं किया। इससे पहले बुधवार को भी सरकार की ओर से वार्ता का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे कॉजपा ने यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि बातचीत किसी तटस्थ स्थान या जंतर-मंतर पर ही होनी चाहिए।

'जनता की अदालत यहीं लगी है'

कॉजपा के मुख्य प्रवक्ता सौरभ दास ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पुलिस ने उन्हें गुरुवार सुबह नड्डा की ओर से आवास पर चर्चा के लिए आमंत्रण मिलने की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा, "हम किसी के घर या दफ्तर नहीं जाएंगे। जनता की अदालत यहीं लगी है। मंत्रियों को जनता के बीच आना चाहिए। यदि बातचीत करनी है तो जंतर-मंतर पर होनी चाहिए।" हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संगठन बातचीत के खिलाफ नहीं है। यदि सुरक्षा संबंधी कोई चिंता हो तो प्रदर्शन स्थल के पास किसी तटस्थ स्थान पर वार्ता के प्रस्ताव पर विचार किया जा सकता है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

कॉजपा पिछले महीने से जंतर-मंतर पर NEET प्रश्नपत्र लीक मामले में जवाबदेही तय करने और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर धरना दे रही है। सोमवार को संगठन के दो प्रतिनिधियों ने नड्डा के आवास पर पहले दौर की बातचीत भी की थी, जिसमें उन्होंने अपनी मांगें सरकार के सामने रखी थीं।

'छात्र सड़क पर हैं तो हम भी उनके साथ': राहुल गांधी

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर सियासी तापमान और बढ़ गया है। गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसद एकजुट होकर गांधी स्मृति पहुंचे। राहुल गांधी अपने सरकारी आवास से विपक्षी नेताओं के साथ एक बस में सवार होकर निकले। इस दौरान कांग्रेस, आरजेडी, सीपीआई(एम) समेत कई विपक्षी दलों के सांसद उनके साथ मौजूद रहे। हालांकि, यात्रा शुरू होने से पहले कुछ देर के लिए तनाव की स्थिति बन गई। राहुल गांधी के आवास के बाहर दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर दी और बस को आगे बढ़ने से रोक दिया। कुछ मिनट तक चली बातचीत के बाद पुलिस ने रास्ता खोल दिया, जिसके बाद विपक्षी नेताओं का काफिला गांधी स्मृति के लिए रवाना हो गया। रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्र अपने भविष्य को लेकर सड़कों पर संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे में विपक्ष का कर्तव्य है कि वह उनके साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा, 'हम पहले इंडिया गेट जाना चाहते थे, लेकिन हमें अनुमति नहीं दी गई। इसके बाद हमने गांधी स्मृति जाने का फैसला किया, वहां भी हमें कुछ देर रोका गया। हमारा सबसे बड़ा संदेश देश के छात्रों के लिए है कि हम आपके साथ हैं और आपकी आवाज संसद से लेकर सड़क तक उठाएंगे।' गांधी स्मृति मार्च से पहले राहुल गांधी ने अपने आवास पर विपक्षी सांसदों की बैठक बुलाई थी। बैठक में नीट पेपर लीक, संसद में सरकार को घेरने की रणनीति और छात्रों के समर्थन में संयुक्त कार्यक्रम पर चर्चा हुई।

सलमान ने की छात्रों से घर वापस लौटने की अपील

सोनम वांगचुक से बोले- घर का खाना भिजवाऊं क्या?

एजेंसी न्यूज

मुंबई। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे सीजेपी प्रोटेस्ट में जुटे छात्रों से बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने एक खास अपील की है। सलमान ने बुधवार के बाद गुरुवार को एक बार फिर नीट पेपर लीक मामले से जुड़ा ट्वीट किया।

इस ट्वीट में अभिनेता ने छात्रों और सोनम वांगचुक से खास अपील की। सलमान ने छात्रों से कहा कि वो निश्चिंत होकर घर वापस लौट जाएं, वहीं सोनम वांगचुक से अपील की कि वो अपना अनशन तोड़ दें।

गुरुवार रात सलमान ने ट्वीट कर लिखा, 'पढ़ाई और सुरक्षा, दोनों ही मामलों में छात्र हमारी पहली प्राथमिकता हैं इसलिए उन्हें और उनके माता-पिता को चिंता करने की जरूरत नहीं है। माननीय प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया है और मुझे यकीन है कि वे इस पेपर लीक के लिए सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। इसलिए छात्रों, प्लीज अपने माता-पिता के पास अपने घर लौट जाइए।'

वहीं अपने ट्वीट में सलमान ने आगे लिखा, 'और सोनम, बस हो गया। इसे और आगे मत खींचो। अगर जरूरत पड़ी तो इस जज्बे को किसी और दिन के लिए बचाकर रखना (हालांकि मुझे नहीं लगता कि जरूरत पड़ेगी) और कुछ खा-पी लो। अगर चाहो तो मैं घर से खाना भेज दूंगा।'

मुख्तार की पत्नी सहित तीन पर प्राथमिकी दर्ज, जानिए क्या है मामला; आफ्शा अंसारी पर दर्ज हैं कुल 13 मामले

एजेंसी न्यूज

गाजीपुर। मुख्तार अंसारी की पत्नी व 50 हजार की इनामी आफ्शा अंसारी सहित तीन पर पुलिस ने क्रय-विक्रय की गई रिवाल्वर की पत्रावली अभिलेखागार से गायब कराने के आरोप में बृहस्पतिवार को प्राथमिकी दर्ज कर ली। इसमें एक आरोपी तत्काल पटल सहायक बृजनारायण राम का निधन हो चुका है। पुलिस के मुताबिक, वर्ष 1995 में आफ्शा अंसारी को शस्त्र लाइसेंस जारी हुआ था। इस पर पहली बार रिवाल्वर खरीदी गई थी, इसके बाद उसकी बिक्री कर दूसरा शस्त्र लाइसेंस पर खरीदा गया था। ऐसे में पहली बार खरीद और बिक्री की गई रिवाल्वर की पत्रावली अभिलेखागार से गायब है। मुख्तार अंसारी के रिश्तेदारों, परिजनों एवं उनके गिरोह आईएस-191 के सदस्यों व सहयोगियों की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। पुलिस शस्त्रों का दुरुपयोग करने वालों पर लगातार शिकंजा कसती जा रही है। एसपी सिटी डॉ. राकेश मिश्रा ने बताया कि मुख्तार अंसारी एवं उसके परिजनों द्वारा लिए गए शस्त्रों की वर्तमान स्थिति, गैंग आईएस 191 के सदस्यो एवं सहयोगियों द्वारा लिए गए 51 शस्त्र लाइसेंसों पर क्रय विक्रय किये गए विभिन्न शस्त्रों की भौतिक सत्यापन एवं जांच कराई जा रही है।

हिंसा करने वालों की पहचान कर रही दिल्ली पुलिस, क्या अब उपद्रवियों के पासपोर्ट होंगे रद्द?

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस सख्त कार्रवाई की तैयारी में है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उपद्रवियों की पहचान की जा रही है। हिंसा में सक्रिय भूमिका पाए जाने वालों के पासपोर्ट लागू कानूनी प्रावधानों के तहत रद्द किए जा सकते हैं।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि चल रहे सीजेपी प्रदर्शन के दौरान हिंसा में सीधे तौर पर शामिल पाए जाने वाले लोगों के पासपोर्ट रद्द किए जा सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उन लोगों की पहचान शुरू कर दी है, जो प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा और दंगों में सीधे तौर पर शामिल थे।

सूत्रों ने बताया कि हिंसा में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों के खिलाफ लागू कानूनी प्रावधानों के तहत पासपोर्ट रद्द करने की कार्रवाई शुरू की जा सकती है।

कनॉट प्लेस की सभी दुकानें, दफ्तर और रेस्तरां शाम साढ़े छह बजे तक बंद

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र कनॉट प्लेस (सीपी) में बिगड़ते हालात को देखते हुए गुरुवार को सभी दुकानों, कार्यालयों और रेस्तरां को शाम 6:30 बजे तक बंद करने के निर्देश जारी किए गए हैं।

इस संबंध में नई दिल्ली ट्रेडर्स एसोसिएशन (एनडीटीए) के अध्यक्ष अतुल भार्गव की ओर से एक अत्यावश्यक सलाह (एडवाइजरी सर्कुलर) जारी किया गया। एडवाइजरी के अनुसार, नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) के चेयरमैन और वाइस चेयरमैन के टेलीफोन पर दिए गए निर्देशों के बाद यह फैसला लिया गया है।

एडवाइजरी में कहा गया है कि कनॉट प्लेस के आसपास की गंभीर और संवेदनशील स्थिति को देखते हुए 23 जुलाई को सभी दुकानें, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, कार्यालय और रेस्तरां शाम 6:30 बजे तक अनिवार्य रूप से बंद कर दिए जाएं।

कनॉट प्लेस में सभी दुकानें और रेस्तरां बंद रखने के निर्देश

एजेंसी न्यूज

दिल्ली। कनॉट प्लेस में गंभीर स्थिति के चलते एनडीएमसी ने गुरुवार शाम 6:30 बजे तक दुकानें बंद करने के निर्देश दिए। अरविंद केजरीवाल ने इसे जंतर-मंतर पर हमले की तैयारी बताया।

कनॉट प्लेस में मौजूदा स्थिति को देखते हुए एनडीएमसी ने एहतियातन सभी दुकानें, कार्यालय और रेस्तरां बंद रखने के निर्देश दिए हैं। एनडीएमसी ने गुरुवार शाम 6:30 बजे तक प्रतिष्ठान बंद रखने को कहा है। एनडीएमसी ने सभी प्रतिष्ठान मालिकों और कब्जाधारकों से अपील की है कि वे आदेश का कड़ाई से पालन करें।

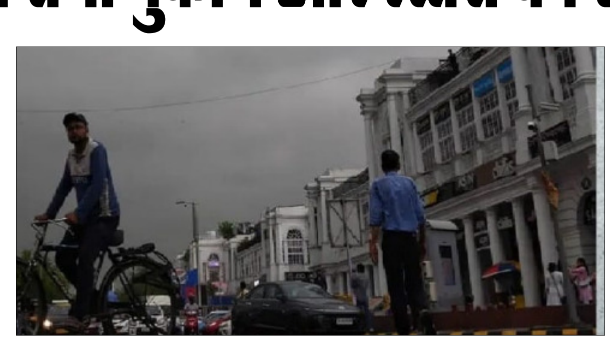

एनडीएमसी के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने कनॉट प्लेस में सभी दुकानों और प्रतिष्ठानों को बंद करने का निर्देश दिया है। यह निर्देश टेलीफोन के माध्यम से जारी किया गया। कनॉट प्लेस के आसपास बनी गंभीर स्थिति को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। प्रतिष्ठान मालिकों और कब्जाधारियों से सहयोग करने की अपील की गई है। उन्हें इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। ऐसा किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए किया जा रहा है। इससे संपत्ति के नुकसान और लोगों को चोट से भी बचाया जा सकेगा।

यूपी: प्रदेश के 12 हजार उच्च शिक्षकों का अटका वेतन, नाराजगी के बाद छह अरब का बजट हुआ जारी

लखनऊ। प्रदेश में उच्च शिक्षा विभाग के अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) महाविद्यालयों के 12 हजारों शिक्षकों को अभी तक जून का वेतन नहीं मिला है। उच्च शिक्षा विभाग की ओर से वेतन जारी करने से संबंधित ड्राइंग डिस्परिंग ऑफीसर (डीडीओ) में किए गए बदलाव की वजह से वेतन बाधित हुआ है। इससे शिक्षकों में काफी नाराजगी है।

उच्च शिक्षा विभाग की ओर से एडेड महाविद्यालयों के शिक्षकों के वेतन के लिए डीडीओ कोड व अधिकार क्षेत्रीय अधिकारियों के पास था। शासन की ओर से इसे अकेंद्रीयकृत करते हुए पिछले दिनों बदल कर कॉलेज के प्रधानाचार्य को डीडीओ कोड दिया जा रहा था। इसे देखते हुए उच्च शिक्षा निदेशक ने भी कहा

था कि दिक्कत होगी।

इस बीच वेतन जारी करने का समय आ गया। किंतु डीडीओ को लेकर चल रही ऊहापोह में एडेड के शिक्षकों का वेतन नहीं जारी हो सका। बाद में फिर से डीडीओ कोड के लिए क्षेत्रीय शिक्षा अधिकारियों को ही अधिकृत किया गया। इस बीच वित्त विभाग के अधिकारी के तबादले की वजह से कुछ दिन बजट नहीं जारी हो सका। अब बुधवार को जून से अगस्त तक के लिए छह अरब 66 करोड़ का बजट जारी किया गया है।

अब शासन की ओर से निदेशालय व निदेशायल क्षेत्रीय को और क्षेत्रीय कॉलेजों को वेतन का बजट जारी करेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय सहयुक्त महाविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडेय व महामंत्री डॉ. अंशू केडिया ने बताया कि शासन स्तर से अकेंद्रीकृत व्यवस्था करने की वजह से वेतन जारी होने में दिक्कत हुई है। इसके लिए शासन स्तर पर वार्ता करके सभी चीजें पूरी करा दी गई हैं। उम्मीद है कि एक-दो दिन में वेतन शिक्षकों के खाते में पहुंच जाएगा।

पेपर लीक: अब राजस्थान के बांसवाड़ा में बवाल, कलेक्ट्रेट में घुसने की कोशिश पर पुलिस ने किया लाठीचार्ज

एजेंसी न्यूज

बांसवाड़ा। नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर गुरुवार को कांग्रेस और भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के कार्यकर्ताओं ने बांसवाड़ा में प्रदर्शन किया। कलेक्ट्रेट परिसर में जबरन प्रवेश करने की कोशिश के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया, जिससे प्रदर्शनकारी तितर-बितर हो गए।

कांग्रेस, बीएपी और छात्र संगठनों से जुड़े युवा पहले कुशलबाग में एकत्रित हुए। इसके बाद वे रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन में कांग्रेस के सरपंच सुभाष निनामा, अरविंद डामोर तथा बीएपी के हेमंत राणा सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था का हवाला देते हुए सभी प्रदर्शनकारियों को एक साथ परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी। अधिकारियों ने कहा कि केवल पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को ज्ञापन सौंपने के लिए अंदर जाने दिया जाएगा। हालांकि, प्रदर्शनकारी सभी कार्यकताओं के साथ कलेक्ट्रेट में प्रवेश कर ज्ञापन सौंपने की मांग पर अड़े रहे और मुख्य द्वार पर धरने पर बैठ गए।

कुछ देर तक पुलिस अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के बीच समझाइश का दौर चला, लेकिन सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद कुछ प्रदर्शनकारी मुख्य गेट की ओर बढ़े और धक्का देकर गेट खोलने का प्रयास किया। पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन स्थिति बिगड़ने लगी। हालात तनावपूर्ण होते देख पुलिस ने भीड़ को पीछे हटाने के लिए लाठीचार्ज किया। इसके बाद

प्रदर्शनकारी मौके से हट गए और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो गई।

घटना के दौरान डीएसपी मनीष चारण, कोतवाली थाना प्रभारी नागेंद्र सिंह सहित कोतवाली और राजतालाब थाना पुलिस का भारी जाब्ता तैनात रहा।

कम जगह बन रही अंडरपास की राह में रोड़ा

बहेड़ी। नगर के मोहल्ला कानून गोयान से होकर मोहल्ला न ई बस्ती, गाँव अकबराबाद तथा सीकरी आदि गांवों को जोड़ने वाला मार्ग रेलवे विभाग द्वारा पटरी के दोनों छोरों पर गार्डर लगाकर बंद कर दिए जाने से लोगों को काफी दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। मुंडिया रेलवे फाटक से होकर काफी दूरी तय करके लोगों को आना जाना पड़ रहा है। मार्ग अवरूद्ध करने के बाद रेलवे ने लाइन के नजदीक कंकरीट मार्ग विकल्प के तौर पर बनाया था जो कुछ ही समय बाद अपना अस्तित्व खो बैठा। अनदेखी के चलते सड़क नीचे धंस गई और अब हर समय वहाँ जलभराव रहता है। इन सभी समस्याओं से जूझ रहे लोगों ने बीते दिनों क्षेत्रीय सांसद तथा केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को पत्र भेजकर अंडरपास बनाए जाने की मांग की थी जिसको लेकर रेल विभाग ने स्र्वे कराया? इस संबंध में जानकारी किए जाने पर रेल पथ निरीक्षक श्री जायसवाल ने बताया कि उक्त मार्ग पर रेलवे लाइन के दोनों ओर जगह कम पड़ रही है। भविष्य में रेल लाइन का दोहरीकरण होने की स्थिति बन सकती है ।

कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर कैबिनेट मंत्री ने की समीक्षा, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

एसडीएम समेत तहसील के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह

- श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता व चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्थाओं पर हुई चर्चा
- विकास कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश

आंवला। उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने गुरुवार को आंवला कस्बा स्थित कैंप कार्यालय पर उपजिलाधिकारी सुशील कुमार मिश्र, क्षेत्राधिकारी हेमंत कुमार उपाध्याय एवं तहसील के अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आगामी कांवड़ यात्रा को सकुशल एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए की जा रही तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई। मंत्री ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा चिकित्सा सुविधाओं सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए तथा श्रद्धालुओं को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

बैठक में क्षेत्र में संचालित सड़क निर्माण कार्यों एवं अन्य विकास परियोजनाओं की प्रगति का भी गहनता से अवलोकन किया गया। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किए जाएं। जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए अधिकारी समन्वय एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। मंत्री ने अधिकारियों से जनहित के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का भी आह्वान किया।

पांचवे दिन भी नहीं सुधरा आधार कार्ड बनाने का सिस्टम

बहेड़ी। स्थानीय डाकघर का भवन जर्जर हालत में होने के चलते छतों से टपके पानी में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में पानी भर गया। इस वजह से आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया ठप्प हो गई थी। आधार कार्ड बनवाने के लिए रोजाना ही तमाम लोग डाकघर पहुँच रहे हैं पर सिस्टम में खराबी के कारण वे बैरंग वापस होने को मजबूर हैं। गुरूवार को भी तमाम लोग डाकघर पहुंचे और फिर गड़बड़ी ठीक न हो पाने की बात सुनकर वापस लौट गये। सिस्टम में खराबी कब तक ठीक होगी, इसका जबाब भी कोई डाक कर्मी नहीं दे पा रहा है। आधार कार्ड बनवाने के लिए लोग खंड विकास कार्यालय परिसर स्थित एक निजी आधार कार्ड सेंटर पर पैसे खर्च करने को मजबूर हैं।

108वें उर्से आला हज़रत में चप्पे–चप्पे पर रहेंगे वालंटियर्स

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। 108वें उर्से आला हजरत की तैयारियों को लेकर दरगाह ताजुश्शरिया परिसर में उर्स प्रभारी सलमान हसन खान (सलमान मिया) वा राष्ट्रीय महासचिव फ़रमान हसन ख़ान (फरमान मिया)की अध्यक्षता में वालंटियर्स की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मीटिंग में शहर भर की तमाम ब्रांचों से आए वालंटियर्स लीडर्स एवं कार्यकर्ता शामिल हुए । इस मौके पर उर्स की तैयारियों का जायज़ा लिया गया तथा वालंटियर्स से उनके मशवरे लिए। मदरसा मथुरापुर उर्स प्रभारी ने वालंटियर्स को ज़िम्मेदारियों के साथ काम करने, ज़ायरीन की बेहतर से बेहतर खिदमत करने और व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। खासतौर पर ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस के साथ वालंटियर्स की टीमें बनाकर काम करने और उन्हें पूरा सहयोग प्रदान करने पर जोर दिया गया, ताकि ज़ायरीन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

जमात रज़ा-ए-मुस्तफा महासचिव फरमान हसन खान (फरमान मिया) की निगरानी में विस्तार से चर्चा की गई बैठक में व्यवस्थाओं पर विशेष रूप से ध्यान दिया गया उन्होंने बताया कि उर्स के दौरान बड़ी संख्या में ज़ायरीन तशरीफ़ लाते हे इसके लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया जाएगा और साफ-सफाई की ज़िम्मेदारी संभालेंगी साथ ही, खाद्य सामग्री स्वच्छता और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मीटिंग में मौजूद मौलाना शम्स रज़ा, मौलाना ज़ैद पाशा के अलावा उर्स कोर कमेटी के मोईन ख़ान,शमीम अहमद, हाफ़िज़ इकराम, अब्दुल्लाह रज़ा खां, समरान खान, आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

तीन के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज

बहेड़ी। मामा के खेत से अपने घर लौट रहे एक युवक को रास्ते में घेरकर तीन लोगों द्वारा मारपीट किए जाने के मामले में पीड़ित की माँ की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर में मोहल्ला लाइन पार, शाहजी नगर निवासी नाजिया पत्नी रफीक अहमद का कहना था कि बीती 18 तारीख की रात करीब आठ बजे उसका बेटा कैफ अपने मामा के खेत से घर लौट रहा था। वापसी मे रास्ते में एक परचून की दुकान के निकट आजम, अरमान और अखलाक उर्फ सूखा ने उसे घेर लिया। आरोप है कि तीनो ने पहले कैफ से गालीगलौज की, विरोध किया तो सबने मिलकर लात घूँसों से पिटाई कर दी। साथ ही जान से मार देने को धमकाया। मामला दर्ज करने के बाद पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

केसर शुगर मिल का सौदा अटका, बकाया भुगतान को लेकर किसान हलकान

बहेड़ी। करोड़ों के बकाया गन्ना मूल्य भुगतान को लेकर क्षेत्र के किसान परेशान हैं। विभिन्न संगठनों के द्वारा ज्ञापन के माध्यम से प्रशासनिक अधिकारियों से बकाया भुगतान दिलाए जाने की मांग की जा रही है पर मिल प्रबंधन के हाथ अभी कोई ऐसा हथियार नहीं लग पा रहा है जिसके आधार पर किसानों के आंसुओं को पोंछा जा सके।

बीते दिनों मिल प्रबंधन ने मिल की एक सम्पत्ति की नीलामी कराई थी, कतिपय कारणों के चलते वह भी अधर में लटक ग ई। नीलामी प्रक्रिया असफल रही तो मिल का एक और सौदा निरस्त हो गया। बताया जाता है कि केसर शुगर मिल की सरस्वती चीनी मिल के साथ कुछ डील चल रही थी जो कि रद्द हो गई बताई जाती है। इन सब चर्चाओं से गन्ना किसानों में भुगतान को लेकर बेचैनी है कि आखिर कब तक उनके हाथ रीते ही रहेंगे। हालांकि मिल के सी ई ओ शरत मिश्रा का कहना है कि एक सौदा रद्द होने से आगे के रास्ते बंद नहीं हो जाते। उनका प्रयास लगातार जारी है। जानकारी में आया है कि गन्ना किसानों के भुगतान संबंधित मामले को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मिल प्रबंधन और गन्ना विभाग की बेठक बुलाई है। देखना होगा कि इस बैठक के बाद किसानों को कितनी राहत मिल सकेगी?

सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने को आयोजित हुआ भाजपा का बूथ अध्यक्ष सम्मेलन

जागरण मोर्चा

फरीदपुर (बरेली)। संगठन की मजबूती और आगामी चुनावी रणनीति को लेकर भाजपा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का हुआ आयोजन। पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल, जिलाध्यक्ष आदेश प्रताप सिंह , जिला प्रभारी दोदराम कुशवाह एवं फरीदपुर विधायक के पुत्र ईशान ग्वाल की मौजूदगी में आयोजित बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में नेताओं ने कार्यकर्ताओं को सरकार की उपलब्धियों को जन–जन तक पहुंचाने का मंत्र दिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजेश्वर सिंह ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बूथ अध्यक्षों को संगठन की नीतियों, केंद्र व प्रदेश सरकार की जन–कल्याणकारी योजनाओं और चुनावी रणनीति से अवगत कराना है ताकि कार्यकर्ता अपने–अपने बूथों पर पार्टी को और अधिक सशक्त बना सकें। पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि बूथ अध्यक्षों की भूमिका केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सरकार की योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और हर वर्ग से संवाद स्थापित करने के मुख्य सेतु हैं।

श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को लेकर बदायूं रोड का किया निरीक्षण

गड्ढामुक्त सड़क, पेयजल, प्रकाश और यातायात व्यवस्था समय से दुरुस्त करने के निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं रोड का निरीक्षण करते डीएम बरेली समेत अन्य अधिकारी

आंवला। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा को लेकर जिलाधिकारी बरेली अविनाश सिंह ने गुरुवार को बदायूं रोड का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को कांवड़ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। साथ ही यात्रा मार्ग पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी करने को कहा। जिलाधिकारी ने बताया कि बरेली के अधिकांश कांवड़ यात्री बदायूं के कछला घाट से गंगाजल लेकर आते हैं और विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं। वर्तमान में इस मार्ग पर सड़क चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है, जिसके मद्देनजर विशेष रूप से निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सड़क पर बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराने, जलभराव की समस्या का निस्तारण करने तथा यात्रा मार्ग पर नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा पर्याप्त पेयजल, समुचित प्रकाश व्यवस्था और सुचारु यातायात प्रबंधन की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं और उनकी नियमित निगरानी भी की जाए। साथ ही तैयारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूर्णिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) देश दीपक सिंह, पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक, खंड विकास अधिकारी क्यारा, लोक निर्माण विभाग तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

दो रात बंद रहेगा किला फाटक, वैकल्पिक मार्ग से गुजरेंगे वाहन

जागरण मोर्चा कार्यालय

दो रात बंद रहेगा किला फाटक

- रेलवे ट्रैक अनुरक्षण कार्य के चलते 24 और 25 जुलाई की रात यातायात रहेगा प्रभावित

बरेली। इज्जतनगर मंडल के इज्जतनगर और बरेली सिटी रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित किला फाटक (समपार संख्या 246/स्पेशल) पर ट्रैक अनुरक्षण कार्य के चलते दो दिनों तक रात्रिकालीन समय में सड़क यातायात पूरी तरह बंद रहेगा। रेलवे प्रशासन ने आम लोगों से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, 24 जुलाई की रात 10 बजे से 25 जुलाई की सुबह 6 बजे तक तथा 25 जुलाई की रात 10 बजे से 26 जुलाई की सुबह 6 बजे तक समपार फाटक पर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा अनुरक्षण कार्य कराया जाएगा। इस दौरान फाटक से किसी भी प्रकार के वाहन का आवागमन नहीं हो सकेगा।

यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेलवे ने किला उपरिगामी पुल (ओवरब्रिज) और कटघर फाटक स्थित समपार संख्या 247/बी को वैकल्पिक मार्ग के रूप में निर्धारित किया है। इन मार्गों से होकर वाहन चालक अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे।

रेल प्रशासन ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि निर्धारित अवधि के दौरान यात्रा की योजना बनाते समय वैकल्पिक मार्गों का ही इस्तेमाल करें, ताकि अनावश्यक परेशानी से बचा जा सके। रेलवे ने असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हुए लोगों से सहयोग की अपील की है।

भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं को बांटा गया शरबत और शीतल जल

जागरण मोर्चा कार्यालय

आंवला। कस्बे के प्राचीन राय सती देवी मंदिर में आषाढ़ माह की दूसरी जात पर गुरुवार को भव्य मेले का आयोजन हुआ। सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। आंवला सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने मां राय सती देवी के दर्शन-पूजन कर प्रसाद अर्पित किया। दिनभर मेला परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार रहा। भीषण गर्मी को देखते हुए नगर पालिका परिषद की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शरबत और शीतल पेयजल वितरण शिविर लगाया गया। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने भी मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल की व्यवस्था की। मेला आयोजकों ने बताया कि तीसरी और अंतिम जात का मेला आषाढी पूर्णिमा के दिन आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि मंदिर से जुड़ी मान्यता के अनुसार राय सती देवी के मेले में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करने से चर्म रोग, फोड़े-फुंसी सहित त्वचा संबंधी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इसी आस्था के चलते दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। नगर पालिका परिषद की ओर से लगाए गए शिविर में पालिकाध्यक्ष सैय्यद आबिद अली, बॉबी अग्रवाल, रामवीर प्रजापति, रामबहादुर प्रजापति, जय सिंह लोधी, सुनील श्रीवास्तव, संजय सक्सेना सहित पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

राय सती देवी मेले में दूसरी जात पर उमड़ा आस्था का सैलाब

भीषण गर्मी में श्रद्धालुओं को बांटा गया शरबत और शीतल जल, पूर्णिमा पर लगेगी तीसरी जात

जागरण मोर्चा कार्यालय

आंवला। कस्बे के प्राचीन राय सती देवी मंदिर में आषाढ़ माह की दूसरी जात पर गुरुवार को भव्य मेले का आयोजन हुआ। सुबह चार बजे से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। आंवला सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने मां राय सती देवी के दर्शन-पूजन कर प्रसाद अर्पित किया। दिनभर मेला परिसर श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार रहा। भीषण गर्मी को देखते हुए नगर पालिका परिषद की ओर से श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शरबत और शीतल पेयजल वितरण शिविर लगाया गया। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों और समाजसेवियों ने भी मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए शीतल जल की व्यवस्था की। मेला आयोजकों ने बताया कि तीसरी और अंतिम जात का मेला आषाढी पूर्णिमा के दिन आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि मंदिर से जुड़ी मान्यता के अनुसार राय सती देवी के मेले में श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना करने से चर्म रोग, फोड़े-फुंसी सहित त्वचा संबंधी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इसी आस्था के चलते दूर-दराज से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं। नगर पालिका परिषद की ओर से लगाए गए शिविर में पालिकाध्यक्ष सैय्यद आबिद अली, बॉबी अग्रवाल, रामवीर प्रजापति, रामबहादुर प्रजापति, जय सिंह लोधी, सुनील श्रीवास्तव, संजय सक्सेना सहित पालिका के कर्मचारी मौजूद रहे।

श्री नाथ नगरी सेवा समिति की नई कार्यकारिणी गठित

जागरण मोर्चा कार्यालय

श्रीनाथ नागरी सेवा समिति

- शोभित अग्रवाल सर्वसम्मति से प्रदेशअध्यक्ष, बंटी ठाकुर को प्रदेश महामंत्री निर्वाचित किया गया
- श्रावण मास में भव्य कांवड़ सेवा शिविर की तैयारियों पर मंथन

बरेली। श्री नाथ नगरी सेवा समिति की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को बाबा अलखनाथ मंदिर परिसर में संपन्न हुई। बैठक में आगामी श्रावण मास में आयोजित होने वाले विशाल कांवड़ सेवा शिविर की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई और सेवा कार्यों को अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से शोभित अग्रवाल को समिति का नया अध्यक्ष, बंटी ठाकुर को महामंत्री निर्वाचित किया गया। घोषणा के उपरांत सभी सदस्यों ने पुष्पमाला पहनाकर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। बैठक में नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया - पं. सुधीर श्रोत्रिय एवं योगेंद्र गंगवार को उपाध्यक्ष, बंटी ठाकुर को महामंत्री, पं. केसरी नंदन कौशिक एवं अशोक देवल को मंत्री, सचिन सक्सेना, निहाल किशोर एवं ऋजु रस्तोगी को संगठन मंत्री, अंकुश रस्तोगी को कोषाध्यक्ष, मुदित गोयल को सह-कोषाध्यक्ष, धीरज कुमार को मीडिया प्रभारी, विशाल चंद्रा को सह मीडिया प्रभारी, सोनू सैनी को प्रचार मंत्री तथा एडवोकेट राहुल भसीन को विधि सलाहकार मनोनीत किया गया। इसके अतिरिक्त 25 सदस्यीय कार्यकारिणी का भी सर्वसम्मति से गठन किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष शोभित अग्रवाल ने कहा, ''श्री नाथ नगरी सेवा समिति पिछले 18 वर्षों से श्रावण मास में निरंतर कांवड़ सेवा शिविर का आयोजन कर रही है। समिति कांवड़ यात्रियों की सेवा के साथ-साथ रक्तदान शिविर, गौ सेवा, सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं राष्ट्रसेवा जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती रही है। आगामी श्रावण मास में कांवड़ यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सेवा के लिए पूरी निष्ठा एवं समर्पण से कार्य किया जाएगा। महामंत्री बंटी ठाकुर ने कहा कि समिति का प्रत्येक कार्यकर्ता सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संगठन की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाएगा। बैठक में संस्थापक सोनू भैया, संरक्षक श्रवण गुप्ता, देव शर्मा, सुधीर कुमार सिंह, ज्ञान प्रकाश रस्तोगी आदि लोगो ने सभी को मनोनीत किया बड़ी संख्या में वरिष्ठ सदस्य एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सहायता की उम्मीद लेकर आयी किडनी मरीज की मदद के लिए बढ़ाया हाथ

जागरण मोर्चा कार्यालय

जिला अधिकारी ने सुनवाई में सहायता की उम्मीद

बरेली। जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अविनाश सिंह के समक्ष एक किडनी रोग से पीड़ित आर्थिक रूप से कमजोर महिला कंचन सिंह पत्नी महेंद्र सिंह निवासी निकट लाल फाटक,बरेली ने उपचार हेतु आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। पीड़िता ने बताया कि वह लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रही है तथा उपचार का खर्च वहन करने में असमर्थ है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल संवेदनशीलता का परिचय देते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए साथ ही अपनी ओर से पीड़ित को 50 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान भी दी , जिससे उसके उपचार में सहयोग मिल सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।जिलाधिकारी की इस मानवीय एवं संवेदनशील कदम की उपस्थित लोगों ने सराहना की और इसे जरूरतमंदों के प्रति प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का उदाहरण बताया।

आवारा गोवंशीय को लेकर नहीं हैं कोई इंतजाम

फरीदपुर (बरेली)। आवारा गोवंशों के नेशनल हाईवे व नगर में व्यस्त बाजारों में बैठने की समस्या सभी को दृष्टिगोचर है लेकिन इसको लेकर कोई समाधान नहीं निकाला जा रहा है। बुधवार को फरीदपुर में बाईपास पर भुता रोड के पास एक गोवंश सड़क के बीचों–बीच बैठा दिखाई दिया। तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि गोवंश हाईवे की लेन के बीच बैठा है, जबकि पीछे से कारें और ट्रक तेज रफ्तार से आ–जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके में घूमते गोवंश के कारण आए दिन इस तरह के हालात बनते हैं। शाम के समय विजिबिलिटी कम होने पर हादसे का खतरा और बढ़ जाता है। हाईवे पर अचानक गोवंश आ जाने से तेज रफ्तार वाहन चालकों को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिलता है और बीच सड़क पर बैठने से गोवंश खुद भी दुर्घटना का शिकार हो जाते हैं। वहीं कस्बे के अंदर भी यही हालात हैं नगर वासियों का कहना है कि व्यस्त बाजारों और प्रमुख चौराहों पर इनका जमावड़ा यातायात व्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है। बेसहारा गोवंशों के अचानक सड़क पर आ जाने और आपस में भिड़ने से हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। कुछ दिनों पूर्व गोवंश से टकराकर गंभीर रूप से घायल हुए एक बाइक एजेंसी के कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। हाल ही में हुई एक घटना में आवारा पशु आपस में लड़ते हुए सड़क किनारे खड़ी एक कार से टकरा गए। इस हादसे में कार के शीशे टूट गए और वाहन को काफी नुकसान पहुंचा।

ड्यूटी में लापरवाही के चलते सात पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

एसएसपी की बड़ी कार्रवाई बोले अनुशासनहीनता नहीं होंगी बर्दाश्त

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। पुलिस विभाग में अनुशासन बनाए रखने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने कड़ा रुख अपनाते हुए सात पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। इनमें रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात एक सिपाही पर बिना विभागीय अनुमति जनप्रतिनिधि का पॉडकास्ट तैयार कर सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप है। वहीं, अन्य पुलिसकर्मियों पर ड्यूटी में लापरवाही और विभागीय आदेशों की अनदेखी के आरोप लगे हैं। सभी मामलों में विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

बिना अनुमति पॉडकास्ट बना सोशल

रिजर्व पुलिस लाइन में तैनात सिपाही अजय कुमार पर आरोप है कि उन्होंने बरेली के मेयर उमेश गौतम का पॉडकास्ट और साक्षात्कार रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर साझा किया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्य विभाग की पूर्व अनुमति के बिना किया गया, जो उत्तर प्रदेश पुलिस की सोशल मीडिया नीति-2023 के विपरीत है। इसी आधार पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। इसके अलावा रिक्रूट आरक्षी पीयूष मोहन (थाना क्योलड़िया), अनिल कुमार (थाना मीरगंज), सगुन कुमार (यूपी-112) और विवेक धामा (थाना इज्जतनगर) छुट्टी पूरी होने के बाद भी बिना अनुमति ड्यूटी पर वापस नहीं लौटे। लगातार गैरहाजिर रहने के कारण चारों के खिलाफ भी निलंबन की कार्रवाई की गई। इसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन के आरक्षी सौरभ कुमार के निर्धारित ड्यूटी से अनुपस्थित रहने तथा कुक विक्की कश्यप के ड्यूटी के लिए बुलाने के बावजूद उपस्थित न होने के मामले में भी कार्रवाई करते हुए दोनों को निलंबित कर विभागीय जांच के दायरे में लाया गया। एसएसपी अनुराग आर्य ने स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग में अनुशासन से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ड्यूटी में लापरवाही, विभागीय निर्देशों की अवहेलना और सोशल मीडिया नीति का उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

छात्रा आत्महत्या प्रकरण में हिंदू संगठनों ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। वीडियो वायरल होने के बाद आत्महत्या करने वाली नाबालिग छात्रा के मामले में दर्ज मुकदमे को लेकर नया विवाद सामने आया है। मुकदमे में नामजद तीन युवकों ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताते हुए पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। वहीं हिंदू जागरण मंच सहित कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर पूरे मामले की निष्पक्ष और साक्ष्य आधारित जांच कराने की मांग की है। मामले में नामजद निर्दोष राठौर ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में दावा किया कि वह और उसके साथी केवल सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे थे तथा उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी देने का काम किया। उनका कहना है कि किसी युवती की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई और सोशल मीडिया पर केवल पुलिस कार्रवाई से जुड़ा वीडियो साझा किया गया था। उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे को दुर्भावनापूर्ण बताते

छात्र आत्महत्या प्रकरण में

- एफआईआर को बताया एकतरफा, एसएसपी को ज्ञापन सौंपकर साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की मांग

हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। निर्दोष राठौर ने यह भी आरोप लगाया कि वह पहले भी विभिन्न मामलों में प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते रहे हैं, जिसके कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि उनके खिलाफ कार्रवाई होती है तो इससे सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं में भय का माहौल पैदा होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वह अपने सामाजिक कार्य जारी रखेंगे। इधर, गुरुवार को हिंदू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार फौजी के नेतृत्व में विभिन्न हिंदू संगठनों के पदाधिकारी और कार्यकर्ता एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर थाना बिथरी चैनपुर में दर्ज मुकदमे में हिमांशु पटेल, देवेंद्र पटेल और निर्दोष राठौर को बिना पर्याप्त साक्ष्यों के नामजद किए जाने का आरोप लगाया। ज्ञापन में दावा किया गया कि घटना के समय देवेंद्र पटेल अपने घर पर मौजूद थे, जबकि निर्दोष राठौर और हिमांशु पटेल पुलिस के पहुंचने के बाद मौके पर पहुंचे थे। संगठन का कहना है कि तीनों की किसी युवती से मुलाकात नहीं हुई और न ही किसी ने उसका वीडियो बनाया या उसकी पहचान सार्वजनिक की। संगठनों ने यह भी कहा कि एफआईआर में लगाए गए आरोपों के समर्थन में प्रत्यक्षदर्शी, सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल या अन्य तकनीकी साक्ष्यों का उल्लेख नहीं है। जिलाध्यक्ष अरुण कुमार फौजी ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यों पर आधारित जांच कराई जाए, ताकि वास्तविक स्थिति सामने आ सके।

सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर युवक ने लगाया मौत को गले

बहेड़ी जागरण मोर्चा कार्यालय। मां से किसी मामले को लेकर खिन्न एक युवक ने सोशल मीडिया पर पहले अपने द्वारा सुसाइड करने की बात कहकर और फिर इसकी सूचना परिजनों को दे देने के आग्रह कू साथ पोस्ट डाली और फिर उत्तराखण्ड सीमा से सटे टोल प्लाजा के कुछ आगे जाकर कोई जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। शव पड़े होने की सूचना पाकर पहुची पुलिस शव को सरकारी अस्पताल लेकर आई और फिर पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम हाउस भिजवाया कोतवाली अंतर्गत नरायन नगला चौकी के हल्के के गाँव नवायल निवासी राजीव गंगवार उर्फ राजू (36) पुत्र कड़े राम शायद किसी बात पर अपनी माँ से खिन्न चल रहा था। दोपहर के समय सोशल मीडिया पर उसने एक खबर पोस्ट की कि उसकी माँ उसे कुछ नहीं समझती है और न ही कोई बात मानती है। वह परिवार के लिए अपनी जान दे रहा है। यह भी बताया कि मुंडिया टोल प्लाजा के आगे उसका शव मिल जाएगा। इसके बाद उसने कोई जहरीला पदार्थ खाकर अपनी इहलीला समाप्त कर ली। मृतक के मुंह के नीचे मामूली चोट का निशान मिला। प्रथम दृष्टया मौत किसी जहरीले पदार्थ के खाने से लग रही है। पोस्टमार्टम में ही सही कारण का पता लग सकेगा। दिनेश कुमार शर्मा, इंस्पेक्टर बहेड़ी

संक्षेप

दो दिन पहले मायके से लौटी,सोते वक़्त जर्जर मकान की छत ढही मलबे में दबकर महिला की मौत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। शाही थाना क्षेत्र के ग्राम केरा में बुधवार रात एक दर्दनाक हादसे में जर्जर मकान की छत गिरने से 32 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब वह कमरे में आराम कर रही थी। छत अचानक भरभराकर गिर पड़ी और महिला मलबे के नीचे दब गई। परिजन उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार डायल-112 पर सूचना मिली कि ग्राम केरा में एक मकान की छत गिरने से महिला मलबे में दब गई है। सूचना

दो दिन पहले मायके से लौटी सोते वक्त

मिलते ही शाही थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि गांव निवासी गोविंद राम की पत्नी मुन्नी देवी कमरे में सो रही थीं। इसी दौरान जर्जर छत अचानक ढह गई और वह मलबे में दब गईं।

हादसे के बाद परिजन और ग्रामीणों ने तत्काल मलबा हटाकर मुन्नी देवी को बाहर निकाला और उपचार के लिए बरेली के अस्पताल ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतका के जेठ जयवीर ने बताया कि घटना के समय गोविंद राम किसी काम से मीरगंज गए हुए थे। छत गिरने की आवाज सुनकर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो कमरे में रखा बेड भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था। उन्होंने बताया कि मुन्नी देवी दो दिन पहले ही अपने मायके से वापस ससुराल आई थीं। उनकी कोई संतान नहीं थी।

थानाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

दिल्ली कूच से पहले एनएसयूआई जिलाध्यक्ष मो. नदीम सिद्दीकी हाउस अरेस्ट

छात्रों की आवाज़ नहीं दबेगी

जागरण मोर्चा कार्यालय

छात्रों की आवाज नहीं लगेगी

बरेली। राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के आह्वान पर दिल्ली में प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे एनएसयूआई बरेली के जिलाध्यक्ष एवं अधिवक्ता मो. नदीम सिद्दीकी को गुरुवार को बरेली पुलिस ने उनके आवास पर ही रोकते हुए हाउस अरेस्ट कर लिया। इस कार्रवाई के बाद जिले में छात्र राजनीति को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

एनएसयूआई के अनुसार दिल्ली में आयोजित विरोध-प्रदर्शन नीट परीक्षा पेपर लीक प्रकरण, शिक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग, शांतिपूर्ण मार्च निकाल रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई तथा विपक्षी नेताओं के साथ हुए व्यवहार के विरोध में आयोजित किया गया था। हाउस अरेस्ट किए जाने के बाद मो. नदीम सिद्दीकी ने कहा कि लोकतंत्र में छात्रों और युवाओं को अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से रखने का संवैधानिक अधिकार है। यदि शांतिपूर्ण विरोध करने वालों को उनके घरों में ही रोक दिया जाता है, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा पेपर लीक जैसे गंभीर मामले में जवाबदेही तय करने के बजाय सरकार छात्रों की आवाज़ दबाने का प्रयास कर रही है। शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन विरोध करने वालों पर प्रतिबंध लगाना लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप नहीं है।

मो. नदीम सिद्दीकी ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपना पक्ष स्पष्ट करना चाहिए। छात्रों के भविष्य से जुड़े मुद्दों पर सरकार को संवाद और पारदर्शिता का रास्ता अपनाना चाहिए, न कि असहमति की आवाज़ों को रोकने का। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई छात्रों के अधिकारों, निष्पक्ष परीक्षाओं और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में अपनी लड़ाई आगे भी जारी रखेगी।

नेता प्रतिपक्ष बोले- शिक्षा संस्थान को राजनीतिक कारणों से बनाया जा रहा निशाना

जौहर यूनिवर्सिटी पर कार्रवाई के विरोध में उतरी सपा, जांच और कार्रवाई पर उठाए सवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। रामपुर स्थित जौहर यूनिवर्सिटी पर प्रस्तावित कार्रवाई को लेकर समाजवादी पार्टी ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है। गुरुवार को बरेली सर्किट हाउस में आयोजित प्रेस वार्ता में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे ने आरोप लगाया कि राजनीतिक विरोध के चलते विश्वविद्यालय को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने कार्रवाई पर पुनर्विचार नहीं किया तो विपक्ष राज्यपाल से मुलाकात करने के साथ ही न्यायालय का भी रुख करेगा। माता प्रसाद पांडे ने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी की स्थापना शिक्षा के विस्तार और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई थी। उनका दावा था कि जिस समय विश्वविद्यालय परिसर का निर्माण हुआ, उस दौरान संबंधित क्षेत्र किसी

नेता प्रतिपक्ष बोले शिक्षा

नगर निकाय या जिला पंचायत की सीमा में शामिल नहीं था। बाद में वर्ष 2024 में परिसीमन के बाद गांवों को स्थानीय निकाय में जोड़ा गया। ऐसे में नक्शा स्वीकृत न होने को कार्रवाई का आधार बनाना न्यायसंगत नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मंत्री आजम खान के खिलाफ लगातार राजनीतिक भावना से प्रेरित कार्रवाई की गई और अब उनके द्वारा स्थापित शैक्षणिक संस्थान को भी उसी सोच के तहत नुकसान पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। उनके अनुसार सरकार शिक्षा और छात्रों के हितों की अनदेखी कर रही है। प्रेस वार्ता के दौरान नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश में प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक के मुद्दे को भी उठाया। उन्होंने कहा कि लगातार हो रही अनियमितताओं से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उनका आरोप था कि सरकार निष्पक्ष परीक्षाएं कराने में विफल रही है, जिसके कारण छात्र आंदोलन करने को मजबूर हैं। उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि आंदोलन कर रहे विद्यार्थियों के साथ कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया। उनका कहना था कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में छात्रों की मांगों को सुनना सरकार की जिम्मेदारी है। संविधान और राष्ट्रगीत के मुद्दे पर भी उन्होंने अपनी पार्टी का पक्ष रखते हुए भाजपा पर राजनीतिक लाभ के लिए अनावश्यक विवाद खड़ा करने का आरोप लगाया। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की नीतियां आम जनता, किसानों और युवाओं की अपेक्षा बड़े उद्योगपतियों के हितों को अधिक प्राथमिकता दे रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय बड़े कारोबारी घरानों को राहत दी जा रही है, जिससे आम लोगों में असंतोष बढ़ रहा है। प्रेस वार्ता में विधायक कमाल अख्तर, विधायक शाहिद मंजूर, विधायक एवं प्रदेश महासचिव अताउर्रहमान, अजय सागर, रामपुर के जिलाध्यक्ष नसीर अहमद खान, नवाब जान सहित समाजवादी पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रेस वार्ता के बाद नेता प्रतिपक्ष रामपुर के लिए रवाना हो गए।

नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। बरेली ट्रेड यूनियन्स फ़ेडरेशन से जुड़े विभिन्न संगठनों ने गुरुवार को राष्ट्रपति के नाम संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजकर नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर केंद्र सरकार से कई महत्वपूर्ण मांगें उठाईं। संगठन ने कहा कि पेपर लीक जैसी घटनाओं से देश के लाखों विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हुआ है, इसलिए इस मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। ज्ञापन में मांग की गई कि नीट पेपर लीक की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को तत्काल पद से हटाया जाए। साथ ही, पेपर लीक के कारण मानसिक तनाव में आकर जान गंवाने वाले छात्रों के मामलों की निष्पक्ष जांच कर प्रत्येक पात्र परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। फ़ेडरेशन ने 20 जुलाई को दिल्ली में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुए लाठीचार्ज की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की भी

- केंद्र सरकार से सार्वजनिक रूप से मांगे माफी नहीं तो होगा शीघ्र आंदोलन
- बरेली ट्रेड यूनियन्स फ़ेडरेशन ने राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, छात्रों के लिए न्याय और लाठीचार्ज की जांच की उठाई मांग

मांग की। इसके अलावा छात्रों के उत्पीड़न के लिए केंद्र सरकार से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग भी उठाई गई। ज्ञापन पर बरेली ट्रेड यूनियन्स फ़ेडरेशन के जिलाध्यक्ष हरीशंकर एवं महामंत्री संजीव मेहरोत्रा सहित अन्य पदाधिकारियों के हस्ताक्षर हैं। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

युवक ने फंदा लगाकर जान गंवाई

जागरण मोर्चा कार्यालय

पारिवारिक विवाद के बाद युवक ने

शराब पीने को लेकर पति-पत्नी में हुआ था विवाद, पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शुरू की जांच

बरेली। एक युवक घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना फतेहगंज पूर्वी थाना क्षेत्र के भदपुरा गांव की है जानकारी मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतक भदपुरा निवासी 38 वर्षीय पप्पू पुत्र होरीलाल है। परिजनों ने बताया कि पप्पू को शराब पीने की लत थी। इसी वजह से घर में अक्सर पति-पत्नी के बीच कहासुनी होती रहती थी। सुबह भी शराब पीने के मुद्दे पर उसकी पत्नी गंगा देवी से विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि विवाद के बाद पप्पू घर के एक कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर लिया। कुछ समय बाद जब परिवार के अन्य सदस्य लौटे तो काफी आवाज लगाने के बावजूद दरवाजा नहीं खुला। किसी तरह कमरे का दरवाजा खोला गया तो पप्पू फंदे से लटका मिला। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही थाना फतेहगंज पूर्वी पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों से भी पूछताछ की। थाना प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला ने सोशल मीडिया पर उत्पीड़न का लगाया आरोप, मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र की एक महिला ने मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर अपने पति और उससे जुड़े कुछ लोगों पर सोशल मीडिया के माध्यम से मानसिक प्रताड़ना देने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उसके खिलाफ लगातार आपत्तिजनक टिप्पणियां और संदेश प्रसारित कर उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की गई है।

नवादा जोगियान निवासी हिना अल्वी ने शिकायत में कहा है कि उनका अपने पति जावेद हुसैन से पारिवारिक विवाद चल रहा है। इसी सिलसिले में उन्होंने पहले ही दहेज उत्पीड़न सहित अन्य आरोपों में थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज कराया था, जिसकी सुनवाई न्यायालय में विचाराधीन है। इसके अलावा उन्होंने अपने और दोनों बच्चों के भरण-पोषण के लिए पारिवारिक न्यायालय में भी वाद दायर किया है।

महिला का आरोप है कि ससुराल से अलग रहने के बाद से उसे लगातार सोशल मीडिया के जरिए परेशान किया जा रहा है। शिकायत के अनुसार, न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने और उसकी छवि धूमिल करने के उद्देश्य से पति अपने परिचितों के माध्यम से इंस्टाग्राम पर अभद्र टिप्पणियां और आपत्तिजनक संदेश

महिला ने सोशल मीडिया पर उत्पीड़न का लगाया

- पति समेत अन्य लोगों पर छवि खराब करने की साजिश रचने का आरोप

प्रसारित करा रहे हैं।

शिकायती पत्र में उल्लेख किया गया है कि 5 जुलाई से ''वलील खान'' नाम की एक इंस्टाग्राम आईडी से लगातार आपत्तिजनक संदेश भेजे जा रहे हैं। महिला का यह भी आरोप है कि उसी आईडी से उसके ममेरे भाई तालिब को भी अशोभनीय संदेश भेजे गए। अपने दावों के समर्थन में उन्होंने कथित चैट और स्क्रीनशॉट भी शिकायत के साथ संलग्न किए हैं।

महिला ने मुख्यमंत्री से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, संबंधित इंस्टाग्राम अकाउंट का वास्तविक संचालन करने वाले व्यक्ति की पहचान कराने तथा जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई सुनिश्चित कराने की मांग की है।

राशन की बोरियों को लेकर बढ़ा विवाद, वितरण केंद्र पर चले हाथ

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। फतेहगंज पूर्वी नई कॉलोनी स्थित सरकारी राशन वितरण केंद्र पर बुधवार शाम उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब राशन की बोरियों में निर्धारित मात्रा से कम अनाज होने का आरोप लगाते हुए कोटेदार पक्ष ने आपत्ति जता दी। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट हो गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए दोनों पक्षों को थाने बुलाकर पूछताछ शुरू कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फरीदपुर से सरकारी खाद्यान्न लेकर एक वितरण ठेकेदार नई कॉलोनी स्थित उचित दर विक्रेता श्यामा चरण की दुकान पर पहुंचा था। राशन की बोरियों की जांच के दौरान कोटेदार के पुत्र

राजन की बोरियों को लेकर पड़ा विवाद

आकाश ने आरोप लगाया कि कई बोरियों में निर्धारित वजन से कम अनाज है। इस पर ठेकेदार ने आरोपों से इनकार किया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। कुछ ही देर में कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया और दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। सूचना मिलते ही थाना फतेहगंज पूर्वी पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर हालात सामान्य कराए।

जंतर मंतर जाने के आरोप में सेवा समाप्ति पर असिस्टेंट प्रोफ़ेसर ने उठाए सवाल, डीएम को सौंपा शिकायती पत्र

नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और बहाली की मांग

जागरण मोर्चा कार्यालय

बरेली। बहेड़ी के गन्ना उत्पादक (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय में कार्यरत रहे असिस्टेंट प्रोफ़ेसर (कॉमर्स) डॉ. मोहित भारद्वाज ने अपनी सेवा समाप्त किए जाने के मामले में जिलाधिकारी से हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया कि कॉलेज प्रशासन ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना उनकी नौकरी समाप्त कर दी। उनका कहना है कि यह कार्रवाई दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित एक धरने में उनकी भागीदारी के बाद की गई। डॉ. मोहित भारद्वाज के अनुसार उनकी नियुक्ति 20 जून 2024 को महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड

नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री को

विश्वविद्यालय की स्वीकृति के बाद हुई थी और उन्होंने 11 जुलाई 2024 को कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि कॉलेज की ओर से उन्हें 30 जून 2027 तक वैध पहचान पत्र जारी किया गया था। इसके अलावा 20 मई 2026 को उनके कार्य, व्यवहार और सेवाओं को संतोषजनक बताते हुए चरित्र प्रमाणपत्र भी दिया गया था। शिकायत में उन्होंने कहा है कि सेवा समाप्त करने से पहले उन्हें न कोई कारण बताओ नोटिस दिया गया, न विभागीय जांच कराई गई और न ही अपना पक्ष रखने का अवसर मिला। उनका दावा है कि यह कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और उच्च शिक्षा विभाग की निर्धारित नियमावली के विपरीत है। डॉ. भारद्वाज का कहना है कि वह युवाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित धरने में शामिल हुए थे। उनका आरोप है कि धरने से लौटने के अगले ही दिन कॉलेज प्रबंधन ने उन्हें सेवा समाप्ति का पत्र सौंप दिया, जबकि इसके पीछे कोई स्पष्ट और लिखित कारण नहीं बताया गया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ आज तक कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई है और न ही किसी जांच में कोई आरोप सिद्ध हुआ है। उन्होंने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराने, सेवा समाप्ति आदेश पर रोक लगाने, सेवा बहाल कराने, बकाया वेतन व अन्य सेवा लाभ दिलाने तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से भी न्याय दिलाने की अपील की है।(समाचार डॉ. मोहित भारद्वाज द्वारा जिलाधिकारी को दिए गए शिकायती पत्र में लगाए गए आरोपों पर आधारित है। महाविद्यालय प्रबंधन का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

कांग्रेस नेता के पिता की मालगाड़ी की चपेट में आकर मौत

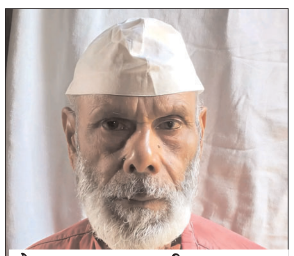
मोहम्मद अहमद की फाइल

शाहजहांपुर। सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला मामूड़ी निवासी 70 वर्षीय मोहम्मद अहमद की बुधवार को मोहनगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास मालगाड़ी के इंजन की चपेट में आने से मौत हो गई। वह कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष फुरकान अहमद कुरैशी के पिता थे। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मोहम्मद अहमद बुधवार सुबह रेलवे क्रॉसिंग के पास लगने वाली सब्जी मंडी में खरीदारी करने गए थे। इसी दौरान रेलवे क्रॉसिंग के समीप मालगाड़ी के इंजन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना लोको पायलट ने रेलवे अधिकारियों को दी, जिसके बाद जीआरपी और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। सूचना मिलते ही फुरकान अहमद कुरैशी परिजनों और समर्थकों के साथ घटनास्थल पहुंचे। गंभीर हालत में घायल मोहम्मद अहमद को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान दोपहर करीब ढाई बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पंचनामा भरने समेत आवश्यक कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया। फुरकान अहमद कुरैशी ने बताया कि करीब दो माह पहले उनके पिता पर एक सांड़ ने हमला कर दिया था, जिससे वह घायल हो गए थे। उनकी माता का पहले ही निधन हो चुका है। मोहम्मद अहमद के निधन की सूचना मिलते ही कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता, जिला महामंत्री गौरव त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष तकवीम हसन खां सहित कई नेताओं ने उनके आवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की और परिजनों को ढांढस बंधाया।

कार्यकर्ताओं के दम पर फहराएंगे विजय पताका : पुष्पेंद्र शर्मा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पुवायां (शाहजहांपुर)। नगर स्थित कैंब्रिज कॉन्वेंट स्कूल में भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर जनसंपर्क अभियान को गति देने तथा आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि पूर्व महानगर अध्यक्ष (बरेली) पुष्पेंद्र शर्मा ने बूथ अध्यक्षों को पार्टी की सबसे मजबूत कड़ी बताते हुए कहा कि ''भाजपा की प्रत्येक जीत की नींव बूथ पर खड़े समर्पित कार्यकर्ता रखते हैं।''

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ अध्यक्ष का दायित्व है कि वह सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाए और संगठन को गांव-गांव, घर-घर तक मजबूत बनाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरे उत्साह, अनुशासन और समर्पण के साथ संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

पुवायां कार्यकर्ता बूथ सम्मेलन में मौजूद भाजपा नेता

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुष्पेंद्र शर्मा का कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं से जोरदार स्वागत किया। सम्मेलन के दौरान संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन, सदस्यता अभियान, जनसंपर्क और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष विनायक अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष प्रशांत पटेल, जिला मंत्री बिपिन शुक्ला, जिला मंत्री सुखदेव सिंह, बंडा ब्लॉक प्रमुख ओमप्रकाश, जिला मंत्री मंजू आनंद, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष दिनेश अवस्थी, गन्ना समिति चेयरमैन महेंद्र पाल, भूमि विकास बैंक अध्यक्ष सत्यपाल सिंह तथा क्षेत्रीय संयोजक पंचायत प्रकोष्ठ मुनेश मिश्रा सहित अनेक पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में बूथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सम्मेलन का समापन संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने तथा आगामी चुनावों में ऐतिहासिक सफलता सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ हुआ

धन्योरा नहर पुलिया से गुलरिया मोड़ तक जर्जर सड़क, सफर जोखिम भरा

धनोरा से गुलरिया नहर तक का क्षतिग्रस्त मार्ग

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। बंथरा डिपो से धन्योरा पुलिया तक सड़क का निर्माण अभी जल्द मे ही होने से लोगों को काफी राहत मिली है और आवागमन सुगम हुआ है। लेकिन धन्योरा नहर पुलिया से गुलरिया मोड़ तक सड़क की हालत बेहद खराब है। जगह-जगह गहरे गड्ढे और उखड़ी हुई सड़क के कारण वाहन चालकों व राहगीरों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नहर पुलिया से धन्योरा गांव की ओर जाने वाली सड़क मे भी गहरे गढ्ढे हैं तथा धन्योरा गांव की पुलिया भी क्षतिग्रस्त अवस्था में है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नहर पुलिया से निगोही और तिलहर क्षेत्र को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, इसलिए इसकी मरम्मत और पुनर्निर्माण बेहद आवश्यक है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बंथरा डिपो से धन्योरा नहर पुलिया तक सड़क निर्माण की तरह ही धन्योरा नहर पुलिया से गुलरिया मोड़ तक के जर्जर हिस्से का भी शीघ्र निर्माण कराया जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

संक्षेप

डिप्टी सीएम को काले झंडे दिखाने पर 9 पर मुकदमा

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के शाहजहांपुर दौरे के दौरान उनके काफिले को काले झंडे दिखाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार नामजद और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। यह कार्रवाई बुधवार दोपहर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद की गई। पुलिस के अनुसार, उपमुख्यमंत्री का काफिला जलालाबाद से मिर्जापुर की ओर जा रहा था। इसी दौरान कुछ लोगों ने सड़क किनारे एकत्र होकर काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने का प्रयास किया। इस मामले में चार नामजद तथा पांच अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस अज्ञात आरोपितों की पहचान के लिए मौके पर मौजूद वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, घटना के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस सतर्क रही और पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया।

राजमिस्त्री व मोची ट्रेड में आवेदन की अंतिम तिथि 26 जुलाई,

शाहजहाँपुर। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, शाहजहाँपुर ने राजमिस्त्री एवं मोची ट्रेड में निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कम आवेदन प्राप्त होने के कारण पात्र अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 26 जुलाई 2026 निर्धारित की है। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित समय सीमा के भीतर आवेदन कर योजना का लाभ उठा सकते हैं। विभाग के अनुसार आवेदन करने वाले अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश के मूल निवासी होने चाहिए तथा उनकी न्यूनतम आयु 18 वर्ष होनी चाहिए। आयु की गणना आवेदन की तिथि के आधार पर की जाएगी। योजना का लाभ पारंपरिक कारीगरों जैसे नाई, बढ़ई, दर्जी, कुम्हार, लोहार, राजमिस्त्री, हलवाई, मोची और धोबी सहित अन्य हस्तशिल्प एवं पारंपरिक व्यवसाय से जुड़े लोगों को मिलेगा।

योजना के लिए किसी प्रकार की शैक्षिक योग्यता अनिवार्य नहीं है। एक परिवार से केवल एक सदस्य ही आवेदन का पात्र होगा। केवल जाति के आधार पर पात्रता नहीं मिलेगी, बल्कि आवेदक का पारंपरिक कारीगरी से जुड़ा होना आवश्यक है। इसके लिए ग्राम प्रधान, नगर पंचायत अध्यक्ष, नगर पालिका या नगर निगम के संबंधित वार्ड सदस्य द्वारा जारी प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। हालांकि हस्तशिल्पी पहचान पत्र धारक परिवारों को यह प्रमाण पत्र देने की आवश्यकता नहीं होगी।

बेटियों के सशक्तिकरण से बदले का समाज, मिशन शक्ति संवाद में 18 महिलाओं को किया सम्मानित

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। मिशन शक्ति अभियान के तहत गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित बिस्मिल सभागार में आयोजित संवाद कार्यक्रम में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण पर व्यापक चर्चा हुई। कार्यक्रम में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित, मुख्य विकास अधिकारी उत्कर्ष द्विवेदी, नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी तथा एडीएम प्रशासन रजनीश कुमार मिश्र मौजूद रहे। इस दौरान महिला सुरक्षा और समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए कार्य करने वाली 18 महिलाओं को सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मिशन शक्ति केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि समाज में महिलाओं और बेटियों के प्रति सम्मान और सुरक्षा की भावना विकसित करने का जन आंदोलन है। उन्होंने कहा कि जब समाज की सोच बदलेगी, तभी बेटियां और महिलाएं वास्तव में अधिक सुरक्षित होंगी। उन्होंने मीडिया की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि समाचार माध्यम सामाजिक जागरूकता बढ़ाने और सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने कहा कि वर्ष 2019 से शुरू हुए मिशन शक्ति अभियान ने महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव लाया है। अभियान के कारण पुलिस की कार्यशैली अधिक संवेदनशील हुई है और महिलाओं का भरोसा भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में महिला पुलिसकर्मियों की नियुक्ति से महिलाओं से जुड़े मामलों के निस्तारण में तेजी आई है। उन्होंने सम्मानित महिला पुलिसकर्मियों से और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। नगर आयुक्त सौम्या गुरुरानी ने कहा कि किसी भी सरकारी योजना की सफलता जनसहभागिता पर निर्भर करती है। समाज, स्वयंसेवी संस्थाओं और जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी से ही मिशन शक्ति का उद्देश्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान के लिए सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति 40 से 45 बालिकाओं का समूह तैयार करता है तो प्रशासन विशेष शिविर लगाकर टीकाकरण की व्यवस्था करेगा।

मिशन शक्ति कार्यक्रम में डीएम और एसपी/कार्यक्रम में सम्मानित की गई महिलाएं

जंतर मंतर पहुंचे जयेश, कॉकरोच आंदोलन को दिया समर्थन

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी जयेश प्रसाद पुलिस की निगरानी को चकमा देकर दिल्ली के जंतर-मंतर पहुंचे और आंदोलनरत छात्र-छात्राओं को अपना समर्थन दिया। उन्होंने छात्रों की मांगों को जायज बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। दिल्ली में पूर्व एमएलसी ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छात्र आंदोलन के दौरान हुई गिरफ्तारियों पर चिंता जताते हुए पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। साथ ही आगे की रणनीति को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष से आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए। जयेश प्रसाद ने कहा कि छात्रों की समस्याओं का समाधान संवाद और सकारात्मक पहल के माध्यम से होना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई उचित नहीं है। पूर्व एमएलसी के जंतर-मंतर पहुंचने की जानकारी मिलने के बाद समर्थकों में उत्साह देखा गया। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक भी मौजूद रहे।

दिल्ली जंतर मंतर पर छात्र आंदोलन को समर्थन देने पहुंचे पूर्व एमएलसी जयेश प्रसाद और सपा कार्यकर्ता

मुख्यमंत्री आवास योजना से बदली लीलावती की जिंदगी,

शाहजहांपुर, । मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने जनपद शाहजहांपुर की श्रीमती लीलावती के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। विकास खंड पुवायां की ग्राम पंचायत जटियापुर बुजुर्ग निवासी श्रीमती लीलावती, पत्नी स्वर्गीय केशवलाल, कभी जर्जर और कच्चे मकान में रहने को मजबूर थीं। बरसात के दिनों में उनके घर की छत टपकती थी, जिससे परिवार को हर मौसम में कठिनाइयों और असुरक्षा का सामना करना पड़ता था।
आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके लिए पक्का मकान बनवाना संभव नहीं था। ऐसे में मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत पात्र पाए जाने पर उन्हें 1.20 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई। इस सहायता से उन्होंने अपना पक्का और सुरक्षित घर बनवाया।
नया आवास बनने के बाद परिवार को सुरक्षित रहने की सुविधा के साथ-साथ बिजली, स्वच्छ पेयजल, रसोई गैस और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी लाभ मिला। अब उनका परिवार सम्मानजनक और सुरक्षित वातावरण में जीवन यापन कर रहा है तथा बरसात और अन्य मौसम संबंधी परेशानियों से काफी हद तक राहत मिल गई है।
श्रीमती लीलावती ने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि अब वे अपने पक्के घर में सम्मान और आत्मविश्वास के साथ रह रही हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है और हजारों जरूरतमंद परिवारों के अपने घर का सपना पूरा कर रही है।

कार्यकर्ता ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत -खन्ना

जागरण मोर्चा कार्यालय

शाहजहांपुर। भारतीय जनता पार्टी की ओर से गांधी भवन में आयोजित नगर विधानसभा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन (डिजिटल लर्निंग प्रोग्राम) में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आगामी अभियानों की रणनीति पर मंथन किया गया। सम्मेलन में बूथ अध्यक्षों को डिजिटल प्रशिक्षण देने के साथ सदस्यता विस्तार, मतदाता संपर्क, सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग और केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन तथा भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने की। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री सुभाषिनी जायसवाल और विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य हरि सिंह ढिल्लों रहे। संचालन महानगर उपाध्यक्ष अभिषेक यादव और महानगर महामंत्री अंशुल चौहान ने किया। मुख्य अतिथि सुभाषिनी जायसवाल ने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का अभियान है। उन्होंने बूथ अध्यक्षों को संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए नए मतदाताओं को जोड़ने और सरकार की उपलब्धियां जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। एमएलसी हरि सिंह ढिल्लों ने कहा कि चुनाव मंचों के भाषणों से नहीं, बल्कि बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की मेहनत से जीते जाते हैं। उन्होंने बूथ अध्यक्षों को पार्टी की रीढ़ बताते हुए पूरी निष्ठा से कार्य करने की अपील की। भाजपा महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता ने कहा कि मजबूत बूथ संगठन ही चुनावी सफलता की कुंजी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अनुशासन, सेवा और समर्पण की भावना के साथ जनसमस्याओं के समाधान और संगठन विस्तार पर विशेष ध्यान देने को कहा।अध्यक्षीय संबोधन में सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन है और इसकी सबसे बड़ी शक्ति समर्पित कार्यकर्ता तथा बूथ अध्यक्ष हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से ‍मेरा बूथ, सबसे मजबूत के संकल्प के साथ प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। सम्मेलन में विधानसभा प्रभारी डॉ. सुधीर गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक आशीष शुक्ला, भाजपा जिला अध्यक्ष केसी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, महापौर अर्चना वर्मा, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष डीपीएस राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष उपेंद्र पाल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, पार्षद, मंडल अध्यक्ष और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। सम्मेलन में सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। अंत में भारत माता की जय, वंदे मातरम् और मेरा बूथ, सबसे मजबूत के नारों के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गुरुनानक हॉस्पिटल में मरीज की मौत के बाद हंगामा

शाहजहांपुर। शहर के कच्चा कटरा मोड़ के आगे स्थित गुरुनानक हॉस्पिटल में ऑपरेशन के बाद एक मरीज की मौत हो जाने से गुरुवार को हड़कंप मच गया। गुस्साए परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। परिजनों का आरोप है कि मरीज के शरीर पर निकले दाने और छाले दिखाने के लिए उसे अस्पताल लाया गया था। चिकित्सक ने इसे संक्रमण बताते हुए ऑपरेशन कराने की सलाह दी। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद मरीज की हालत अचानक बिगड़ गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में परिजन और परिचित अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मरीज की मौत के वास्तविक कारणों का पता जांच और चिकित्सकीय अभिलेखों के परीक्षण के बाद ही चल सकेगा। वहीं, परिजनों द्वारा लगाए गए लापरवाही के आरोपों की भी जांच की जाएगी। समाचार लिखे जाने तक अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था।

फायरिंग का वांछित बाल अपचारी पुलिस ने पकड़ा

तिलहर /शाहजहाँपुर

तिलहर पुलिस ने छेड़छाड़, मारपीट और फायरिंग के गंभीर मामले में वांछित एक बाल अपचारी को कार्रवाई करते हुए पुलिस अभिरक्षा में ले लिया। पुलिस के अनुसार, उसके कब्जे से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आयुध अधिनियम की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं।
पुलिस के मुताबिक, 21 जुलाई 2026 को दर्ज मुकदमे में आरोप है कि कुछ लोगों ने वादी की पत्नी के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर वादी के साथ चाकू से हमला, मारपीट और जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर करने का आरोप लगाया गया था।
इसी मामले में वांछित बाल अपचारी को 23 जुलाई को मुखबिर की सूचना पर गैसरा रोड स्थित जागेश्वर धाम के पास ब्रह्म स्थान के निकट पुलिस ने दोपहर करीब 12:05 बजे पुलिस अभिरक्षा में लिया। उसके पास से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद होने पर मुकदमे में धारा आयुध अधिनियम की बढ़ोतरी की गई।
पुलिस ने बताया कि बाल अपचारी को आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है।

धरने पर बैठे व्यापारी व रामलीला कमेटी के पदाधिकारी, खुदागंज का बाजार रहा बंद

खुदागंज - रामलीला कमेटी की बाउंड्री बाल तोड़े जाने के विरोध में व्यापारी व हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया बड़ी संख्या में व्यापारी व मेला कमेटी के पदाधिकारी रामलीला ग्राउंड में ही अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए बताते चलें बुधवार को रामलीला मेले की बाउंड्री बाल कुछ लोगों द्वारा तोड़ दी गई थी और उसका मलवा भी ट्रालियों में भर ले गए थे दीवार तोड़े जाने की सूचना के बाद मेला कमेटी के लोगों व व्यापारियों में आक्रोश फैल गया व्यापारियों ने बाजार बंद कर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया बताया जाता है कि उक्त बाउंड्री 300 वर्ष पुरानी थी जहां पिछले कई दशकों से रामलीला मेले का आयोजन किया जा रहा था दूर दराज के लोग बड़ी संख्या में रामलीला मेले में सम्मिलित होने के लिए आते थे परंतु बाउंड्री बाल तोड़े जाने से सभी में आक्रोश है धरना स्थल पर मुन्ना सिंह नवादा ब सुरभि सत्यभान सिंह अपने समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे देर शाम नायब तहसीलदार धरना स्थल पर पहुंचे और धरना दे रहे लोगों से वार्ता की और धरना दे रहे लोगों को आश्वत किया इस दौरान पूर्व चेयरमैन सुधीर सिंह व्यापार मंडल के अध्यक्ष कृपा शंकर रस्तोगी संजय गुप्ता बलिस्टर सिंह सौरभ गुप्ता राजीव गुप्ता विश्व मोहन बंसल सियाराम नायक वेदराम राठौर बालकृष्ण राठौड़ प्रकाश राठौड़ शिवम सिंह गुरपाल सिंह राजीव कश्यप अंशु जैन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे

फोटो खुदागंज रामलीला प्रांगण में धरने पर बैठे व्यापारी बा ग्रामीण

जंतर मंतर आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस ने निकाला रूट मार्च

तिलहर शाहजहांपुर नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डा. जाने आलम की अगुवाई में नगर कांग्रेस कमेटी ने नगर में एक पैदल मार्च निकाला । जिसमें नीट परीक्षा में गड़बड़ी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए अंबेडकर पार्क पर अपना मार्च समाप्त किया ।कार्यकर्ता केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए लाठी चार्ज के आरोपियों को सजा देने की मांग कर रहे थे ।अंबेडकर पार्क में मार्च के समापन के बाद नीट परीक्षा में धांधली के बाद अपनी जान कमाने वाले छात्रों और दिल्ली में जंतर मंतर पर लाठी चार्ज और बर्बरता का शिकार होने के बाद शहीद हुई छात्र की आत्मा की शांति के लिए मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई ।इस दौरान डॉक्टर जाने आलम चांद अंसारी संजय शर्मा सहित दर्जनों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे

तिलहर में दिल्ली के छात्र आंदोलन के समर्थन में कांग्रेस कार्यकर्ता मार्च के बाद श्रद्धांजलि देते हुए

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

तिलहर शाहजहांपुर । गुरुवार को बंथरा ओवरब्रिज के पास थाना तिलहर क्षेत्र के अंतर्गत ट्रक व बाइक के मध्य टक्कर होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होते ही फायर सर्विस यूनिट,सदर घटना स्थल हेतु रवाना हुई। तथा शीघ्र ही मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताया गया कि बरेली की तरफ से आ रहे ट्रक और वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज से दवाई लेकर निकले बाइक सवार के मध्य टक्कर हुई जिससे बाइक ट्रक के अंदर चली गई और उसमें आग लग गई बाइक के आग लगने के कारण ट्रक के 02 टायरों में भी आग लग गई जिसे मौके पर पहुंची फायर सर्विस यूनिट सदर शाहजहांपुर द्वारा फायर सर्विस की गाड़ी की मदद से पंपिंग कर पूर्णरूप से बुझा दिया गया एवं घायल बाइक चालक सत्यम शुक्ला को आवश्यक उपचार हेतु तत्काल अस्पताल भिजवाया गया ।जिस की इलाज के दौरान मौत हो गया ।

तालाब में डूबने से 15 वर्षीय किशोर की मौत, परिवार में मचा कोहराम

खुटार (शाहजहांपुर)।थाना क्षेत्र के गांव पिपरिया वीरसिंहपुर में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में 15 वर्षीय किशोर की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना से परिवार में मातम छा गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

चांद पर ठहरने का सपना होगा पूरा

अगर आपके कमरे की खिड़की से चाँद का नज़ारा दिखे तो कैसा लगेगा? यह बात सुनने में किसी साइंस फिक्शन फ़िल्म के जैसी लग सकती है, लेकिन अब यह हकीकत बनने की ओर है। अमेरिका की एक कंपनी जल्द ही लोगों को चंद्रमा पर होटल रूम बुक करने का मौका देने जा रही है। कैलिफोर्निया की कंपनी श्क्रस्थ्रड्डुष्ट् ने चाँद पर होटल बनाने की योजना का ऐलान किया है। शुरुआत में यहां चार मेहमानों को ठहराया जाएगा, जबकि भविष्य में तकनीक और लॉजिस्टिक्स के विकास के साथ इसकी क्षमता बढ़ाई जाएगी। कंपनी ने अडवांस बुकिंग भी शुरू कर दी है. गुरु स्पेश ने दावा किया है कि वह दुनिया का पहला स्थायी 'मून होटल' बनाने की योजना पर काम कर रही है. यदि यह परियोजना सफल होती है, तो यह धरती के बाहर लंबे समय तक उपयोग के लिए बनाई गई पहली मानव-डिज़ाइन संरचना होगी। कंपनी के मुताबिक, होटल में मेहमानों का स्वागत 2032 तक शुरू हो सकता है. आइए जानते हैं इस अनोखी योजना से जुड़ी पूरी जानकारी। **चाँद पर होटलकी योजना-** कैलिफ़ोर्निया आधारित स्टार्ट-अप ने 2032 तक चंद्रमा पर दुनिया का पहला होटल खोलने की योजना घोषित की है. खास बात यह है कि कंपनी ने भविष्य के मेहमानों से आवेदन भी स्वीकार करने शुरू कर दिए हैं. यह होटल, धरती पर बने इन्फ्लेटेबल (फुलाए जाने वाले) लिविंग मॉड्यूल्स और एक स्वचालित तकनीक का मिश्रण होगा, जो चंद्रमा की मिट्टी को ईंट जैसे पदार्थ में बदलकर होटल की बाहरी संरचना तैयार करेगी. इससे पृथ्वी से भारी निर्माण सामग्री ले जाने की जरूरत कम होगी, जो अंतरिक्ष इंजीनियरिंग की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। **कौन कर सकेगा बुकिंग?** शुरुआत में केवल वही यात्री इस होटल में ठहर सकेंगे, जिन्हें पहले से कमर्शियल स्पेसफ्लाइट का अनुभव हो. इसके बाद धीरे-धीरे आम लेकिन बेहद खास यूनिवर्स में एक बार मिलने वाली छुट्टी की चाह रखने वालों के लिए भी दरवाज़े खोले जाएंगे। इस कंपनी की स्थापना 2025 में 22 वर्षीय स्कायलर चान ने की थी, जो यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, बर्कले से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस के स्नातक हैं। यह मून होटल प्रोजेक्ट स्टार्ट-अप एक्सेलेरेटर का भी हिस्सा रहा है स्कायलर चान के अनुसार, उन्हें इस प्रोजेक्ट के लिए ऑटोनॉमस डिफेंस सिस्टम विकसित करने वाली कंपनी से जुड़े निवेशकों का समर्थन मिला है। चान ने कहा, 'मैं बचपन से ही अंतरिक्ष को लेकर जुनूनी रहा हूं. मेरा हमेशा से अंतरिक्ष यात्री बनने का सपना था और आज अपने जीवन के सबसे बड़े काम पर काम कर पाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।' उनका मानना है कि आने वाले समय में इंसान अंतरग्रहीय जीवन की ओर बढ़ेगा और चाँद और मंगल पर मानव सभ्यताएं बसेंगी। इस कंपनी का लक्ष्य स्पेस टूरिज़्म के जरिये चंद्रमा पर एक स्थायी अर्थव्यवस्था को खड़ा करना है। **महंगा लेकिन अनोखा अनुभव-** हालांकि इस सपने की एक बड़ी कीमत भी है। गुरु स्पेश के मुताबिक शुरुआती बुकिंग के लिए इच्छुक यात्रियों को 10 लाख डॉलर (करीब 9.16 करोड़ रुपये) की डिपॉज़िट राशि और 1,000 डॉलर (लगभग 91,620 रुपये) की नॉन-रिफंडेबल आवेदन फीस देनी होगी जो कि वापस नहीं होगी. हालांकि अंतिम कीमत अभी तय नहीं हुई है लेकिन अनुमान है कि यहां एक कमरे की कुल लागत 1 करोड़ डॉलर (करीब 91.62 करोड़ रुपये) से ज्यादा की हो सकती है। इसके अलावा, मेहमानों को चंद्रमा यात्रा के लिए अपनी मेडिकल, पर्सनल और फाइनेंशियल फिटनेस से जुड़े दस्तावेज़ भी जमा करने पड़ सकते हैं। **निर्माण से पहले होंगे टेस्ट-** गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, गुरु स्पेस नासा के सहयोग से 2029 में चंद्रमा पर निर्माण से जुड़े परीक्षण शुरू करने की योजना बना रही है। सबसे पहले एक छोटा इन्फ्लेटेबल लगाया जाएगा, जिससे टिकाऊपन और पर्यावरणीय परिस्थितियों का अध्ययन किया जाएगा। यदि ये परीक्षण सफल रहते हैं, तो कंपनी, चंद्रमा की एक प्राकृतिक गड्ढेनुमा संरचना (लूनर पिट) में बड़े ढांचे का निर्माण करेगी. यह जगह चंद्र सतह की तुलना में थोड़ा अधिक स्थिर और अपेक्षाकृत गर्म माना जाता है। इसके साथ ही, चंद्रमा की धूल से ईंटें बनाने की तकनीक का भी परीक्षण होगा।

अपनी जिंदगी

राधा - कृष्ण

राधा और कृष्ण के प्रेम के बारे में कौन नहीं जानता है। कहते हैं कि कृष्ण और राधा का विवाह नहीं हो पाया था, लेकिन दोनों में इतना प्रेम था कि आज भी दोनों का नाम एक साथ लिया जाता है। श्री कृष्ण का राधा के लिए प्रेम और राधा का श्री कृष्ण के लिए समर्पण देखते ही बनता था। शायद इसलिए अपने आपको सबसे बड़ा भक्त कहने वाले नारद मुनी को राधा से जलन होने लगी थी। यह बात श्री कृष्ण अच्छी तरह से जानते थे। एक दिन राधा के बारे में बात करने के लिए नारद मुनी श्री कृष्ण के पास आए। यह बात श्री कृष्ण को पता चल गई थी। जैसे ही नारद मुनी वहां पहुंचे, तो श्री कृष्ण उन्हें देखकर अपना सिर पकड़ कर बैठ गए। नादर मुनी ने श्री कृष्ण से पूछा कि क्या हुआ प्रभु आप ऐसे अपने सिर को पकड़ कर क्यों बैठे हैं। श्री कृष्ण ने कहा, हे नारद मुनी, मेरा सिर दर्द कर रहा है। नारद मुनी ने पूछा, प्रभु इसको दूर करने का उपाय क्या है? तब श्री कृष्ण ने कहा, अगर मैं अपने सबसे बड़े भक्त का चरणामृत पी लूं, तो इसे दूर किया जा सकता है। तब नारद मुनी सोचने लगे कि सबसे बड़ा भक्त तो मैं हूं, लेकिन अगर मैं अपना चरणामृत दूंगा, तो मुझे नरक जाने जितना पाप लगेगा। मैं प्रभु को अपना चरणामृत नहीं दे सकता। कुछ देर सोचने के बाद उनके मन में राधा का विचार आया और वे सोचने लगे कि लोग राधा को भी तो श्री कृष्ण का सबसे बड़ा भक्त मानते हैं, इसलिए क्यों न उनके पास जाकर पूछा जाए। ऐसा सोचकर वह राधा के पास गए और उन्हें सारी बात बता दी। राधा ने जैसे ही सुना एक बर्तन में अपने पैर धोकर चरणामृत नारद मुनी को देते हुए कहा, हे मुनीराज मुझे नहीं पता कि मैं उनकी कितनी बड़ी भक्ति हूं, लेकिन मुझे यह पता है कि श्री कृष्ण को अपना चरणामृत देने से मुझे नरक में जाने जितना पाप लगेगा और मुझे नरक जितनी यातना सहन करनी पड़ेगी। मुनीवर वह सब मैं सहन कर सकती हूं, लेकिन अपने स्वामी को पीड़ा में नहीं देख सकती। यह चरणामृत ले जाकर आप उन्हें दे दें। राधा की बात सुनकर नारद मुनी का सारा घमंड चूर-चूर हो गया और उनको पता चल गया कि राधा ही सबसे बड़ी भक्त हैं और श्री कृष्ण ने यह लीला मुझे समझाने के लिए ही रची थी। जब नारद मुनी राधा के पास से वापस आ रहे थे, तो उनके मुख से केवल राधा के नाम की ही धुन सुनाई दे रही थी। जब वे श्री कृष्ण के पास पहुंचे, तो देखा कि श्री कृष्ण उनको देखकर केवल मुस्कुराए जा रहे हैं और नारद मुनी ने भी सारी बात को समझ कर उन्हें प्रणाम करते हुए कहा राधे-राधे।

सुशांत सिंह राजपूत की याद में बड़ी पहल

बॉलीवुड फिल्म 'छिछोरे' से खास पहचान बनाने वाले एक्टर सुशांत सिंह राजपूत को दुनिया से गुजरे छह साल हो गए हैं, लेकिन उनकी यादें आज भी फैंस के दिलों में जिंदा हैं। 21 जनवरी को सुशांत की बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर उनके परिवार की ओर से एक अहम और भावनात्मक घोषणा की गई है। एक्टर की याद में जल्द ही 'सुशांत सिंह राजपूत मेमोरियल क्लब एंड फिल्म डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट' की स्थापना की जाएगी। इस संस्थान की पहल खुद सुशांत सिंह राजपूत के पिता कृष्णा कुमार सिंह ने की है। उनका कहना है कि यह इंस्टीट्यूट सुशांत की क्रिएटिव सोच, सीखने की जिज्ञासा और उनके अधूरे सपनों से प्रेरित है। इस पहल के जरिए वे उन युवाओं को मंच देना चाहते हैं, जो कला, संस्कृति और सिनेमा के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं। इस इंस्टीट्यूट का उद्देश्य एक्टिंग, डायरेक्शन, राइटिंग और फिल्म से जुड़े तकनीकी क्षेत्रों में रुचि रखने वाले युवाओं को प्रोफेशनल ट्रेनिंग देना है। यहां वर्कशॉप्स, ट्रेनिंग सेशंस और क्रिएटिव प्रोग्राम्स आयोजित किए जाएंगे, ताकि नए टैलेंट को सही दिशा और मार्गदर्शन मिल सके। इस संस्थान का कार्यालय बिहार की राजधानी पटना के कंकड़बाग हाउसिंग कॉलोनी में स्थित होगा। यहीं से सभी शैक्षणिक और क्रिएटिव गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। इंस्टीट्यूट के फाउंडिंग मेंबर्स में कृष्णा कुमार सिंह के अलावा प्रमोद कुमार सिंह, प्रो. बीएन सिंह, अरुण सिंह, डॉ. सुनील चंद चुनी, शैलेंद्र कुमार सिंह, चंद्र शेखर सिंह और राजेश्वरी सिंह शामिल हैं। गौरतलब है कि सुशांत सिंह राजपूत का निधन 14 जून 2020 को मुंबई स्थित उनके आवास पर हुआ था। उनकी अचानक हुई मौत ने पूरे देश को गहरे सदमे में डाल दिया था।

इंसानों को हटाकर रोबोट बना ट्रैफिक पुलिस

दुनिया में जैसे-जैसे तकनीक का विकास हो रहा है, वैसे-वैसे इंसान तरक्की करता जा रहा है. इंसानी तरीक्की का एक ताजा नमूना चीन में देखने को मिला जिसे टेक्नोलॉजी की दुनिया का किंग माना जाता है, वो इसलिए क्योंकि चीन ने हमेशा से अपनी टेक्नोलॉजी के दम पर दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। अबकी चीन ने कुछ ऐसा कर दिया है, जो हैरान करने वाला है और साथ में काम को आसान करने वाला भी है। चीन ने सड़कों पर ट्रैफिक पुलिस के तौर पर इंसानों को हटाकर रोबोट को खड़ा कर दिया है। चीन का ये चमत्कार लोगों को आश्चर्यचकित कर रहा है. चीन में अब रोबोट्स ट्रैफिक संभाल रहे हैं. चीन के शहर वूहु के लोगों पर अब ये टेक्नोलॉजी टेस्ट की जा रही है। यहां आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले रोबोट्स को सड़क पर ट्रैफिक पुलिस के तौर पर खड़ा किया गया है. ये रोड के बीच में खड़े होकर ट्रैफिक संभाल रहे हैं। शहर के भीड़भाड़ वाले चौराहों पर खड़े होकर ये रोबोट्स कार या साइकिल चलाने वालों को चेतावनी दे रहे हैं कि वो गाड़ी ठीक से चलाएं। अधिकारी इस नई तकनीक का स्वागत कर रहे हैं. उनका मानना है कि इस तकनीक से पीक ऑवर्स में ट्रैफिक को मैनेज करना आसान हो जाएगा। लोकल मीडिया आउटलेट, पीपल के अनुसार इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोट शहर के चौराहों पर खड़े होकर ट्रैफिक को नियंत्रित करते नजर आते हैं। उन्हें एक पहिए लगे प्लैटफॉर्म पर खड़ा किया जाता है, जहां से वो ट्रैफिक को सिग्नल देते हैं। मोटरसाइकिल और साइकिल चलाने वालों को रोबोट ये भी बताते हैं कि उन्हें किस दिशा में जाना है या कैसे ड्राइव करना है।

पेट फूलना और वजन घटना नहीं है नॉर्मल बात

यह सच है कि अक्सर हम अपने शरीर में छोटे-छोटे बदलावों को 'कुछ नहीं' मानकर अनदेखा कर देते हैं लेकिन (कैंसर विशेषज्ञ) कहते हैं कि ये छोटे-बदलाव कभी-कभी 'चुपके में' गंभीर रोग, जैसे कैंसर का पहला संकेत हो सकते हैं। आइए जानते हैं क्यों ये बदलाव महत्वपूर्ण हैं और किन संकेतों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। **क्यों यह इतना महत्वपूर्ण है-** कैंसर अक्सर शुरुआत में दर्द नहीं देता, या सामान्य गलती-गलतफहमी वाला लक्षण दिखाता है इसलिए लोग देर कर देते हैं। जब बीमारी पहले-पहले पकड़ी जाए, तो इलाज के परिणाम बहुत बेहतर होते हैं। समय रहते लक्षण दिखने पर चिकित्सक से मिलना फायदेमंद होता है। इसलिए 'कुछ बदल गया है' यह सोचकर चुप न रहें, अपने शरीर, आदतों, बदलावों पर ध्यान देना जरूरी है। **किन संकेतों पर ध्यान देना चाहिए-** अगर नीचे दिए गए में से कोई लक्षण आपके साथ लगातार हो रहा है, तो उसे अनदेखा नहीं करना चाहिए और चिकित्सक से बात करनी चाहिए। **अनजाने वजन का गिरना:** बिना किसी खास कोशिश के अचानक वजन कम होना यह पेट, फेफड़े, अन्न-नाल आदि कैंसर का संकेत हो सकता है। **लगातार थकावट महसूस होना:** पर्याप्त आराम के बाद भी थकान बनी रहना खासकर जब यह दिन-दिन बढ़ती हो खून-से संबंधित या कोलन-कैंसर आदि में भी दिख सकती है। **गांठ या सूजन-सा कुछ दिखाई देना या महसूस होना:** स्तन, गर्दन, बगल, जांघ आदि में सूजन-गांठ जो ठीक नहीं हो रही हो इसे हल्के में न लें। **त्वचा-परिवर्तन, मोल्स का बदलना:** नए मोल्स, पुराने का रंग-परिवर्तन, घाव जो बंद नहीं हो रहा हो, त्वचा का पीलापन ये संकेत हो सकते हैं। **मूत्र, मल आदतों में बदलाव:** लंबे समय तक कब्ज, दस्त, मल में खून, मूत्र में खून या अचानक अधिक-कम जाना- ये संकेत हो सकते हैं कोलन, मूत्राशय, प्रोस्टेट कैंसर के। **अनियमित रक्तस्राव या डिस्चार्ज:** जैसे कि मासिक धर्म चक्र में बदलाव, गर्भाशय के बाद रक्तस्राव, स्तन से डिस्चार्ज आदि महिलाओं में विशेष-होकर देखा जाना चाहिए। **कुछ बातें याद रखें-** ये लक्षण जरूरी नहीं कि हर मामले में कैंसर हों लेकिन अगर दो-तीन हफ्ते से ज्यादा बने हुए हों या बढ़ते हों, तो चिकित्सक से मिलना बेहतर है।

भगवान पर भी लागू होता है कर्म का नियम

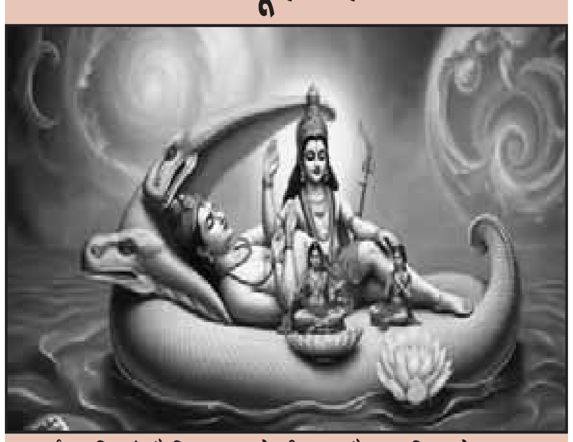

कर्म का सिद्धांत है कि मनुष्य जो भी करता है, एक दिन उसे उसका फल जरूर भोगना पड़ता है, चाहे वो अच्छा हो या बुरा। गीता में भगवान् श्रीकृष्ण ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति कुछ नहीं भी कर रहा होता है, तो भी वो मानसिक या किसी न किसी अन्य रूप में कर्म कर रहा होता है। इसलिए, ये तो तय है कि मनुष्य कर्मों से नहीं बच सकता और ना ही उसके परिणामों से। मनुष्य की आत्मा का विश्लेषण ही कर्मों के आधार पर होता है। लेकिन कई जिज्ञासुओं के मन में ये भी सवाल आता है कि क्या भगवान् को भी कर्मों का फल भोगना होता है? क्या वो भी कर्मों के नियम से बंधे हैं? गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं -न मां कर्माणि लिम्पन्ति न मे कर्मफले स्पृहा। अर्थात मुझे कर्म बाँधते नहीं हैं क्योंकि मुझे कर्मफल की इच्छा नहीं है। कर्म का नियम उनपर लागू होता है, जो कर्मफल की इच्छा रखते हैं। ईश्वर ना तो कर्ता हैं और ना ही कर्मफल की उन्हें आवश्यकता है। वे अकर्ता हैं, इसलिए भोक्ता नहीं हैं। भगवान जीवों के कर्मों के साक्षी जरूर हैं, लेकिन वे स्वयं कर्म के बंधन में नहीं बंधते। जीव इच्छा से कर्म करता है और कर्मफल की अपेक्षा रखता है। जब तक जीव इस भौतिक संसार में है, खुद को जीवित रखने के लिए किसी न किसी रूप में कर्म करने के लिए बाध्य है और उसका फल भोगने के लिए भी। कर्म का नियम जीवों को संतुलन और न्याय देने के लिए है। इसलिए तो, गीता में यह भी कहा गया है कि कर्म करो लेकिन फल की चिंता मत करो। आप खुद को कर्म करने से नहीं रोक सकते लेकिन आप खुद को निष्काम कर्म करने के लिए जरूर तैयार कर सकते हैं, ताकि एक दिन आपको भी मोक्ष मिल जाए और इस कर्म के चक्र से मुक्ति भी। क्या भगवान् के अवतार भी कर्मों के नियम में नहीं बंधे हैं? जब भगवान राम और कृष्ण के रूप में अवतार लेते हैं, तो वे मानव रूप में कर्म करते दिखते हैं। वे मानव रूप में वो सारे दु:ख और सुख उठाते हैं, जो एक जीव को कर्म के परिणाम के रूप में भुगतना पड़ता है। उनका ये अवतार असाधारण होते हुए भी मानव जाति को कर्म का महत्व सिखाने के लिए कर्मों का परिणाम भुगतता है। वे भले ही ईश्वर हैं और लीलाएं कर सकते हैं लेकिन फिर भी कर्म के नियम के अनुसार आचरण करते हैं। जैसे भगवान् श्रीराम ने राजधर्म के लिए वनवास स्वीकार किया, वहीं श्रीकृष्ण ने युद्ध में कर्मयोग सिखाया। कर्म का नियम भले ईश्वर ने बनाया है लेकिन ईश्वर स्वयं उसका बंधन नहीं हैं। ये अलग बात है कि जब ईश्वर मानव रूप में आते हैं, तो वे भी कर्म का नियम नहीं तोड़ते बल्कि उसका सम्मान करते हैं। ईश्वर कर्म के नियम से ऊपर हैं, पर कर्म के नियम के विरुद्ध नहीं।

पैरों में मकड़ी के जाले जैसी नसें दिख रही हैं? जानिये क्यों होती है ये समस्या?

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपनी सेहत पर कम ध्यान देते हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना, चलना-फिरना कम होना, गलत खानपान और बढ़ता वजन धीरे-धीरे शरीर को नुकसान पहुँचाते हैं। शरीर समय-समय पर हमें संकेत देता है और पैरों पर दिखने वाली मकड़ी के जाले जैसी नसें भी ऐसा ही एक संकेत हो सकती हैं। **स्पाइडर वेन्स क्या होती हैं?** स्पाइडर वेन्स स्किन की ऊपरी सतह के नीचे दिखाई देने वाली बहुत बारीक नसें होती हैं। ये आमतौर पर लाल, नीले या बैंगनी रंग की होती हैं और देखने में मकड़ी के जाले जैसी लगती हैं। ये ज्यादातर पैरों, टखनों या जांघों पर दिखाई देती हैं। शुरुआत में इनमें दर्द नहीं होता, इसलिए लोग इन्हें मामूली समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन समय के साथ यही समस्या बढ़कर दर्द, सूजन और चलने-फिरने में परेशानी का कारण बन सकती है। **स्पाइडर वेन्स क्यों होती हैं?** डॉक्टरों के मुताबिक, हमारे पैरों की नसों में छोटे-छोटे वाल्व होते हैं, जो खून को पैरों से दिल की ओर ऊपर ले जाने का काम करते हैं। जब ये वाल्व कमजोर हो जाते हैं, तो खून पैरों में ही जमा होने लगता है। इससे नसें फैल जाती हैं और स्किन पर जाल की तरह दिखने लगती हैं। **स्पाइडर वेन्स होने के मुख्य कारण- खराब ब्लड सर्कुलेशन:** लंबे समय तक एक ही जगह बैठना या खड़े रहना, **फिजिकल एक्टिविटी की कमी:** चलना-फिरना या एक्सरसाइज न करना, **हार्मोनल बदलाव:** प्रेगनेंसी, मेनोपॉज या किशोरावस्था में, **जेनेटिक कारण:** अगर परिवार में किसी को पहले से यह समस्या रही हो, **मोटापा:** ज्यादा वजन नसों पर दबाव डालता है, **लिवर से जुड़ी समस्या:** कुछ मामलों में जिगर की गड़बड़ी से भी नसें उभरती हैं, **ज्यादा धूप में रहना:** इससे स्किन के नीचे की नसें कमजोर हो सकती हैं। **विटामिन बी12 की कमी से भी बढ़ सकता है खतरा-** कई मामलों में स्पाइडर वेन्स का कारण विटामिन बी12 की कमी भी हो सकती है। यह विटामिन नसों को मजबूत रखने और ब्लड सर्कुलेशन को सही बनाए रखने में मदद करता है। जब शरीर में इसकी कमी हो जाती है, तो नसें कमजोर हो जाती हैं और खून का बहाव ठीक से नहीं हो पाता, जिसका असर स्किन पर दिखने लगता है। **कब बन जाती है समस्या गंभीर?** अगर स्पाइडर वेन्स को लंबे समय तक नजरअंदाज किया जाए, तो यह वैरिकोज वेन्स में बदल सकती हैं। इस स्थिति में नसें ज्यादा मोटी और उभरी हुई दिखने लगती हैं और दर्द भी होने लगता है। वैरिकोज वेन्स के लक्षण हो सकते हैं, पैरों में दर्द, जलन या ऐंठन, पैरों में भारीपन महसूस होना, सूजन या लालिमा, स्किन का रंग बदलना, घाव का देर से भरना, लंबे समय तक खड़े रहने में परेशानी। कुछ गंभीर मामलों में आगे चलकर खून के थक्के (ब्लड क्लॉट) बनने का खतरा भी बढ़ सकता है। **कैसे करें बचाव?** रोजाना थोड़ा-बहुत चलना या एक्सरसाइज करें। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में न बैठें। वजन को कंट्रोल में रखें। हेल्दी और संतुलित आहार लें। विटामिन बी12 की कमी हो तो डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट लें। ज्यादा समस्या होने पर डॉक्टर से जरूर सलाह लें पैरों पर दिखने वाली मकड़ी के जाले जैसी नसें सिर्फ सुंदरता की समस्या नहीं हैं, बल्कि ये शरीर के अंदर चल रही गड़बड़ी का संकेत भी हो सकती हैं। समय रहते ध्यान दिया जाए, तो इस समस्या को बढ़ने से रोका जा सकता है और पैरों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

रंग-संसार

शाहिद ने की तृप्ति डिमरी की तारीफ

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर जल्द फिल्म 'ओ रोमियो' में नजर आएंगे। इस फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी के साथ दिखाई देगी। हाल ही में बातचीत के दौरान शाहिद कपूर ने तृप्ति के साथ काम करने के अनुभव को लेकर बात की और उनकी जमकर तारीफ की। शाहिद ने कहा कि तृप्ति एक बेहद शानदार एक्ट्रेस हैं और फिल्म में उनका किरदार बहुत खूबसूरत तरीके से लिखा गया है। उन्होंने बताया कि फिल्म में उनके और तृप्ति के किरदारों के बीच जो रिश्ता है, उसकी जर्नी काफी यूनीक और इंटरेस्टिंग है। शाहिद के मुताबिक, जब भी दो कलाकार पहली बार साथ काम करते हैं, तो उसमें एक अलग तरह की फ्रेशनेस होती है और अगर वह सही तरह से बैठ जाए, तो उसका असर स्क्रीन पर साफ दिखाई देता है। शाहिद ने आगे कहा मैंने तृप्ति के साथ काम करते हुए बहुत एंजॉय किया। वह अब अपने करियर के उस दौर में हैं, जहां वह लगातार अच्छा काम कर रही हैं। यह रोल उन्हें बहुत सूट करता है और जब दर्शक फिल्म देखेंगे, तो उन्हें यह साफ नजर आएगा। फिल्म 'ओ रोमियो' का निर्देशन विशाल भारद्वाज ने किया है।

बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं तापसी

'फिर आई हसीन दिलरुबा' और 'खेल खेल में' के बाद अब तापसी पन्नू एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। करीब दो साल के लंबे अंतराल के बाद एक्ट्रेस की अगली फिल्म अस्सी का आधिकारिक ऐलान कर दिया गया है। फिल्म की पहली झलक सामने आते ही इसने दर्शकों का ध्यान खींच लिया है और तापसी का दमदार अवतार चर्चा का विषय बन गया है। भले ही तापसी पन्नू पिछले दो सालों से बड़े पर्दे से दूर रही हों, लेकिन इस दौरान वह पर्दे के पीछे लगातार अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स पर काम करती रहीं। अब उनकी अगली फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ चुकी है। 'अस्सी' में तापसी एक ऐसे किरदार में नजर आएंगी, जो इंसाफ के लिए मजबूती से अपनी आवाज उठाता है। फिल्म का विषय गंभीर, संवेदनशील और सामाजिक मुद्दों से जुड़ा हुआ नजर आता है। 23 जनवरी 2026 को फिल्म 'अस्सी' की पहली झलक एक मोशन पोस्टर के रूप में रिलीज की गई। यह मोशन पोस्टर फिल्म की कहानी की झलक देने के साथ-साथ उसके टोन को भी साफ तौर पर दर्शाता है। पोस्टर में तापसी पन्नू का लुक बेहद इंटेंस दिखाई देता है। उनके चेहरे पर खून के छींटे हैं, आंखों में डर और हैरानगी साफ झलक रही है, जो कहानी की गंभीरता को दर्शाता है। मोशन पोस्टर में एक और चौंकाने वाला दृश्य भी दिखाया गया है।

बड़ा हादसा टला: जर्जर सरकारी स्कूल की दीवार गिरी, 50 बच्चे बाल-बाल बचे

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। शहर के जामा मस्जिद मुख्य गेट के सामने स्थित मोहल्ला नागरान हल्का नंबर-1 में गुरुवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां एक जर्जर सरकारी प्राथमिक विद्यालय की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। घटना के समय विद्यालय में करीब 50 बच्चे मौजूद थे। गनीमत रही कि दीवार बच्चों की ओर नहीं गिरी, जिससे सभी छात्र-छात्राएं सुरक्षित बच गए। दीवार गिरने से विद्यालय परिसर के बाहर खड़ी चोला फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी की एक बाइक मलबे की चपेट में आ गई और पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। तेज धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। घटना के बाद विद्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि विद्यालय की इमारत काफी समय से जर्जर हालत में थी और

जर्जर स्कूल की गिरी पड़ी दीवार।

इसकी शिकायत कई बार संबंधित अधिकारियों से की गई थी, लेकिन समय रहते कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। यदि दीवार कुछ देर पहले या दूसरी दिशा में गिरती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों ने जर्जर भवन की तत्काल जांच कराते हुए विद्यालय की मरम्मत या नए भवन के निर्माण की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी गिरफ्तार गोली लगने से बदमाश व सिपाही घायल

नशीला पदार्थ पिलाकर लूट करने वाला शातिर बदमाश मुठभेड़ में दबोचा, 20 एटीएम कार्ड बरामद

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। थाना दातागंज पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। जवाबी फायरिंग में बदमाश और एक सिपाही घायल हो गए। पुलिस ने मौके से अवैध तमंचा, कारतूस, नगदी और 20 एटीएम कार्ड बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 10 मई 2026 को कस्बा दातागंज में एक व्यक्ति को पानी में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया गया था और उसकी जेब से रुपये व एटीएम कार्ड निकाल लिए गए थे। इस मामले में थाना दातागंज पर मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना में शामिल एक आरोपी सन्नी सैनी को पहले ही 3 जुलाई को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि मुख्य आरोपी अजय उर्फ बबलू फरार चल रहा था, जिस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश

मुठभेड़ में घायल बदमाश को लाती दातागंज पुलिस।

पर चलाए जा रहे अभियान के तहत दातागंज पुलिस ने चेकिंग के दौरान समरेर रोड के पास आरोपी अजय उर्फ बबलू को घेर लिया। पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरता देख आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें सिपाही राहुल गौतम के हाथ में गोली लग गई। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा (315 बोर), दो जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, 2400 रुपये नगद और 20 एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। घायल सिपाही और आरोपी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूछताछ में आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पर चोरी, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में दर्जनभर से अधिक मुकदमे विभिन्न जिलों में दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है और उसे स्वस्थ होने के बाद न्यायालय में पेश किया जाएगा।

संक्षेप समाचार

रोटेरियन सुभाष चंद्र अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

सम्मान पाते हुए रोटेरियन सुभाष चंद्र अग्रवाल। –जागरण मोर्चा

बिसौली। रोटरी क्लब बिसौली के वरिष्ठतम चार्टर सदस्य रोटेरियन सुभाष चंद्र अग्रवाल को बरेली में आयोजित रोटरी मंडल 311 के यशोत्सव समारोह में मंडल का सर्वोच्च सम्मान 'लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' प्रदान किया गया। यह सम्मान मंडलाध्यक्ष रोटेरियन राजेन विद्यार्थी ने उन्हें भेंट किया। रोटेरियन सुभाष चंद्र अग्रवाल को यह प्रतिष्ठित अवॉर्ड रोटरी के प्रति उनके विशेष समर्पण, दूरदर्शी नेतृत्व और निस्वार्थ समाज सेवा के लिए दिया गया। कार्यक्रम में मंडल के विभिन्न शहरों से आए लगभग 400 रोटेरियनों ने सहभागिता की और समारोह को भव्य बनाया। इस उपलब्धि पर रोटरी क्लब बिसौली में खुशी का माहौल है। क्लब के अध्यक्ष संजय गर्ग, सचिव मुदित अग्रवाल सहित रवि प्रकाश अग्रवाल, आलोक गर्ग, विनय शर्मा, डॉ. मनोज माहेश्वरी, विजय अग्रवाल, डॉ. प्रवीण शर्मा, संदीप रस्तोगी और देवेंद्र चौहान समेत अन्य सदस्यों ने सुभाष चंद्र अग्रवाल को बधाई देते हुए इसे पूरे क्लब के लिए गौरव का क्षण बताया।

तमंचा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

बदायूं। थाना कादरचौक पुलिस ने गुरुवार को अभियान चलाकर एक अभियुक्त को अवैध शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार आनन्द पुत्र हेमकरन निवासी ग्राम खिरिया रहलू, थाना अलापुर को एक नाजायज तमंचा .315 बोर व एक जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा गया। इस संबंध में थाना कादरचौक पर मुकदमा आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया गया है। पुलिस द्वारा क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने को अभियान लगातार जारी है।

श्रावण माह से पहले शहर में पुलिस ने की पैदल गश्त

शहर के छह सड़का पर पैदल गस्त करते पुलिस अधिकारी। –जागरण मोर्चा

बदायूं। आगामी श्रावण माह को देखते हुए शहर में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में बुधवार को अपर पुलिस अधीक्षक नगर अभिषेक कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर राहुल पाण्डेय ने संयुक्त रूप से शहर के प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने मय पुलिस बल के साथ शहर के व्यस्ततम बाजारों में भ्रमण करते हुए आमजन से संवाद भी किया और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की। गश्त के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ ही दुकानदारों और राहगीरों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनी गईं। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक सिविल लाइंस हरेन्द्र सिंह समेत अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारियों को निर्देश दिए कि श्रावण माह के दौरान विशेष सतर्कता बरती जाए और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर नियमित गश्त सुनिश्चित की जाए। पुलिस प्रशासन का कहना है कि श्रावण माह में धार्मिक गतिविधियों और भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं, ताकि आमजन को सुरक्षित माहौल मिल सके।

नौ साल में 70,520 परिवारों को मिला अपना घर

बदायूं। जनपद बदायूं में बीते नौ वर्षों में आवास योजनाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को अपने घर का सपना पूरा हुआ है। जिलाधिकारी अवनीश राय ने बताया कि अप्रैल 2017 से अब तक सरकार की विभिन्न आवास योजनाओं के तहत कुल 70,520 पात्र लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं, जिन पर 1056.11 करोड़ रुपये खर्च किए गए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जिले की छह विधानसभाओं में कुल 38,220 लाभार्थियों को 458.61 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई। इसमें दातागंज विधानसभा में सबसे अधिक 13,524 लाभार्थियों को 162.28 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि सदर में 5,264, बिल्सी में 4,122, बिसौली में 3,837, सहसवान में 4,098 और शेखूपुर में 7,375 लाभार्थियों को योजना का लाभ मिला। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 1.0 व 2.0) के तहत कुल 25,866 लाभार्थियों को 520.32 करोड़ रुपये वितरित किए गए। इसमें दातागंज में 7,266 लाभार्थियों को 152.41 करोड़ रुपये, बिल्सी में 4,672 को 102.69 करोड़ रुपये, सहसवान में 4,448 को 81.39 करोड़ रुपये, सदर में 3,922 को 80 करोड़ रुपये, बिसौली में 3,461 को 64.61 करोड़ रुपये तथा शेखूपुर में 2,097 लाभार्थियों को 39.22 करोड़ रुपये दिए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री आवास योजना (शहरी व ग्रामीण) के अंतर्गत 6,434 लाभार्थियों को 77.18 करोड़ रुपये की सहायता दी गई। इसमें दातागंज में 2,067, सहसवान में 1,059, शेखूपुर में 1,203, सदर में 887, बिसौली में 610 और बिल्सी में 608 लाभार्थियों को योजना का लाभ मिला।

रजिस्ट्री कार्यालय में शौचालय बदहाल, गंदगी से परेशान कर्मचारी व फरियादी

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। थाना सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित उप निबंधक (रजिस्ट्री) कार्यालय में बुनियादी सुविधाओं का अभाव लगातार बना हुआ है। यहां सबसे गंभीर समस्या शौचालय व्यवस्था की है, जिसकी बदहाली से कर्मचारी और फरियादी दोनों ही परेशान हैं।

कार्यालय में तैनात प्रलेखकों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से शौचालयों की हालत बेहद खराब बनी हुई है। नियमित सफाई न होने और पानी, साबुन जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में शौचालय उपयोग लायक नहीं रह गए हैं। गंदगी और दुर्गंध के कारण लोग वहां जाने से कतराते हैं और मजबूरी में बाहर का सहारा लेते हैं।

समस्या के समाधान के लिए कई बार उच्च अधिकारियों को

बदहाली की कगार पर उप निबंधक सदर कार्यालय। –जागरण मोर्चा

मौखिक और लिखित शिकायतें भी दी गईं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। हालात यह हैं कि सुधार के नाम पर बनाए गए नए शौचालय भी देखरेख के अभाव में कुछ ही समय में बदहाल हो गए और अब उनकी स्थिति भी पुराने शौचालयों जैसी ही हो चुकी है।

उप निबंधक कार्यालय में प्रतिदिन सैकड़ों लोग जमीन, मकान और अन्य दस्तावेजों की रजिस्ट्री कराने पहुंचते हैं। इनमें बुजुर्ग और महिला फरियादी भी शामिल होते हैं, जिन्हें घंटों इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में शौचालय की खराब व्यवस्था उनके लिए बड़ी परेशानी बन गई है। कर्मचारियों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई और रखरखाव की उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो स्थिति और खराब हो सकती है। प्रलेखकों ने मांग की है कि शौचालयों की नियमित सफाई के लिए सफाई कर्मी की तैनाती की जाए और पानी समेत आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। फिलहाल गंदगी से भरे शौचालय और अधिकारियों की उदासीनता के चलते उप निबंधक कार्यालय की छवि भी प्रभावित हो रही है। फरियादियों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर व्यवस्था सुधारने की मांग की है।

दीवार काटकर दो घरों में लाखों की चोरी, पुलिस गश्त पर उठे सवाल

जागरण मोर्चा कार्यालय

आसफपुर। थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के ग्राम सुरैनी पापड़ी में बुधवार रात चोरों ने दीवार काटकर दो घरों में चोरी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। एक ही रात में दो घरों को निशाना बनाए जाने से गांव में दहशत का माहौल है और पुलिस गश्त पर सवाल खड़े हो गए हैं।

गांव निवासी रवि पाल पुत्र श्रीपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 22 जुलाई की रात वह अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। देर रात अज्ञात चोर मकान की पिछली दीवार में सेंध लगाकर घर में घुस गए। इसके बाद उन्होंने कमरे में रखी अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर सामान खंगाल डाला। चोर पत्नी के सोने-चांदी

जानकारी देता पीड़ित। –जागरण मोर्चा

के जेवर, जिनमें पायल, बिछुए, अंगूठी समेत करीब 35 हजार रुपये की नकदी चोरी कर फरार हो गए। सुबह नींद खुलने पर परिवार ने कमरे का सामान बिखरा पाया और जेवरों के खाली डिब्बे चारपाई पर पड़े मिले।

इसी रात गांव के ही महावीर पुत्र सुखवीर के घर को भी चोरों ने निशाना बनाया। चोरों ने दीवार काटकर अंदर प्रवेश किया और वहां से करीब 1600 रुपये की नकदी चोरी कर ली। सुबह दीवार में बड़ी सेंध और बिखरी ईंटें देखकर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई।

ग्रामीणों का कहना है कि चोरों ने बेहद सुनियोजित तरीके से पिछली दीवार काटकर वारदात को अंजाम दिया। एक ही रात में दो घरों में चोरी होने से लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द घटना का खुलासा करने की मांग की है। पीड़ितों ने थाना फैजगंज बेहटा पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और चोरों की तलाश की जा रही है।

सफायर नाइट क्लब का असली चेहरा आया सामने : तीन हजार की इंट्री फीस, रहीशजादे लाखों लुटा बैठे

बदायूं के सिटी मॉल में संचालित हुआ था नाइट क्लब, वीडियो वायरल होने के बाद जांच शुरू, सिटी मजिस्ट्रेट ने दर्ज किए कई लोगों के बयान

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। शहर के सिटी मॉल में संचालित रहे सफायर नाइट क्लब का कथित असली चेहरा एक वायरल वीडियो के बाद सामने आने लगा है। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जांच की जिम्मेदारी सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपी गई है, जो क्लब के संचालन, गतिविधियों और नियमों के पालन की बारीकी से पड़ताल कर रहे हैं। अब तक कई संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं।

अब तक सामने आया है कि क्लब में प्रवेश के लिए प्रति व्यक्ति करीब तीन हजार रुपये की एंट्री फीस ली जाती थी। आरोप है कि

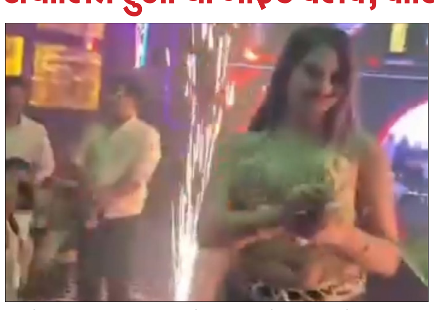
सिटी मॉल के नाइट क्लब की वायरल वीडियो से ली गई तस्वीर। –जागरण मोर्चा

नाइट क्लब में नोटों की वर्षा करते युवा, वायरल वीडियो से ली गई तस्वीर। –जागरण मोर्चा

यहां देर रात तक आयोजित होने वाली पार्टियों में बड़ी संख्या में संपन्न परिवारों के युवक शामिल होते थे और मनोरंजन के नाम पर लाखों रुपये रहीशजादे डांस पर लुटाने का काम कर रहे थे। वायरल वीडियो में कथित तौर पर बार डांसरों के डांस, तेज संगीत और कॉकटेल पार्टी का आयोजन दिखाई दे रहा है। इसी वीडियो के सामने आने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। सूत्रों के अनुसार, जांच टीम यह पता लगाने में जुटी है कि क्लब का संचालन निर्धारित नियमों और लाइसेंस की शर्तों के अनुरूप किया जा रहा था या नहीं। इसके अलावा यह भी जांच का विषय है कि क्लब में परोसी जा रही शराब, मनोरंजन कार्यक्रम और देर रात तक गतिविधियों के लिए आवश्यक प्रशासनिक अनुमति प्राप्त थी या नहीं। यदि किसी प्रकार की अनियमितता या नियमों का उल्लंघन सामने आता है तो संबंधित संचालक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सिटी मजिस्ट्रेट ने जांच के दौरान क्लब प्रबंधन से आवश्यक अभिलेख, लाइसेंस और अन्य दस्तावेज भी तलब किए हैं। इसके साथ ही वायरल वीडियो की सत्यता की भी जांच कराई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि वीडियो के आधार पर ही कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाएगा, बल्कि सभी तथ्यों और साक्ष्यों का परीक्षण करने के बाद ही अंतिम रिपोर्ट तैयार की जाएगी।

मामले के सामने आने के बाद शहर में इस क्लब की गतिविधियों को लेकर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी व्यावसायिक प्रतिष्ठान में नियमों की अनदेखी कर आपत्तिजनक या अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही थीं तो उस पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले किसी भी पक्ष को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा।

प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी तरह निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर की जा रही है। जिन लोगों के बयान आवश्यक हैं, उन्हें बुलाकर पूछताछ की जा रही है। साथ ही क्लब से जुड़े दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों का भी परीक्षण किया जा रहा है। फिलहाल पूरे मामले में प्रशासन की नजर जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई है। अधिकारियों का स्पष्ट कहना है कि यदि जांच में लाइसेंस संबंधी अनियमितता, नियमों का उल्लंघन अथवा किसी अन्य प्रकार की अवैध गतिविधि की पुष्टि होती है तो क्लब संचालक के विरुद्ध विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का वास्तविक स्वरूप स्पष्ट हो सकेगा।

मरम्मत के बाद खुला शहर का एकमात्र ओवरब्रिज

बदायूं। शहर के मुख्य और एकमात्र ओवरब्रिज को मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद गुरुवार को आमजन के लिए खोल दिया गया। करीब एक महीने तक बंद रहने के कारण लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन अब ओवरब्रिज के शुरू होने से शहरवासियों ने राहत की सांस ली है। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग नरेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि संतोख सिंह तिराहा से पुलिस लाइन चौराहा तक स्थित रोड ओवरब्रिज को मरम्मत कार्य के चलते अस्थायी रूप से बंद किया गया था। निर्धारित समय के अनुसार कार्य पूर्ण होने के बाद 23 जुलाई को इसे पुनः आमजन के आवागमन के लिए खोल दिया गया है। यह ओवरब्रिज शहर की यातायात व्यवस्था का प्रमुख हिस्सा है, जो पुलिस लाइन से लेकर आवास विकास कॉलोनी तक की दूरी को जोड़ता है। इसके बंद रहने के दौरान लोगों को वैकल्पिक मार्गों से होकर गुजरना पड़ा, जिससे समय और ईंधन दोनों की खपत बढ़ी। साथ ही कई जगहों पर जाम की स्थिति भी बनी रही। ओवरब्रिज खुलने के बाद अब यातायात सामान्य हो गया है और लोगों को पहले की तरह सुगम आवागमन की सुविधा मिलने लगी है।

28 जुलाई को डीएम की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जनपद के भूतपूर्व सैनिकों एवं दिवंगत सैनिकों की विधवाओं (वीरांगनाओं) की समस्याओं के निराकरण के लिए जिला सैनिक बन्धु की महत्वपूर्ण बैठक 28 जुलाई को आयोजित की जाएगी। यह बैठक जिलाधिकारी की अध्यक्षता में अपरान्ह 1:00 बजे से 2:00 बजे तक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न होगी।

यह जानकारी देते हुए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल संदीप सिंह (अप्रा.) ने बताया कि बैठक का उद्देश्य भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों से संबंधित विभिन्न समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करना है। उन्होंने सभी संबंधितों से अपील की है कि यदि उनकी कोई समस्या लंबित है या किसी प्रकार की शिकायत है, तो वे अपना प्रार्थना-पत्र दो प्रतियों में तैयार कर निर्धारित समय सीमा के भीतर जमा कर दें।

अधिकारी ने बताया कि प्रार्थना-पत्र 27 जुलाई को सायं 5:00 बजे तक जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में जमा किए जा सकते हैं, ताकि उन्हें बैठक में शामिल कर प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि बैठक में प्राप्त प्रार्थना-पत्रों पर गंभीरता से विचार कर संबंधित विभागों के सहयोग से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। ऐसे में सभी भूतपूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं से समय से आवेदन देने और बैठक में सहभागिता करने का अनुरोध किया गया है।

नजरबंदी का आरोप जंतर-मंतर लाठीचार्ज के विरोध में ज्ञापन, प्रशासन ने घर पर ही लिया प्रार्थना पत्र

भाकियू (अराजनैतिक) के युवा जिलाध्यक्ष बोले- किसानों-छात्रों की आवाज दबाने की कोशिश

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के युवा जिलाध्यक्ष रामलखन यादव एडवोकेट ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें और संगठन के पदाधिकारियों को नजरबंद किया गया, ताकि वे किसानों और छात्रों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से न उठा सकें। उन्होंने इसे सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग बताते हुए कहा कि किसानों की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन संगठन इससे पीछे हटने वाला नहीं है।

रामलखन यादव ने कहा कि किसानों और छात्रों के हितों की लड़ाई निरंतर जारी रहेगी और किसी भी दबाव में आंदोलन

इंस्पेक्टर बिसौली को ज्ञापन देते भाकियू के कार्यकर्ता। –जागरण मोर्चा

कमजोर नहीं पड़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर दिल्ली पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और कथित बर्बरता के विरोध में माननीय राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन उपजिलाधिकारी बिसौली को सौंपा जाना था, लेकिन प्रशासन ने उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दिया।

उन्होंने बताया कि ग्राम निजरा स्थित उनके आवास पर ही नायब तहसीलदार बिसौली और कोतवाल बिसौली पहुंचे, जहां ज्ञापन प्राप्त किया गया। युवा जिलाध्यक्ष ने कहा कि छात्र और किसानों का शोषण किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सरकार उनके संवैधानिक अधिकारों का हनन कर रही है, जिसे रोका जाएगा। इस दौरान ज्ञापन देने के समय जिलाउपाध्यक्ष जयपाल, जिलासचिव रामचंद्र सिंह, तहसील अध्यक्ष बिसौली रामचंद्र सिंह, तहसील उपाध्यक्ष अरविंद, ब्लॉक अध्यक्ष आसफपुर महेशपाल सहित ग्राम अध्यक्ष सिरतोला बाबूराम, बीर सिंह, वीरपाल, प्रवेश चंद्र, पाल सिंह, नेकपाल, सुनील यादव, वंटी सिंह, विपिन यादव समेत कई किसान मौजूद रहे।

राजनीति मार: जनता मांगे जवाब, भाजपा सरकार फिर भी क्यों नहीं हुआ विकास

तीन साल से विकास कार्यों को तरस रहा अलापुर नगर, शासन ने अब तक नहीं लिया संज्ञान

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। जनपद की अलापुर नगर पंचायत इन दिनों विकास कार्यों के अभाव को लेकर चर्चा में है। जहां एक ओर जिले की अन्य नगर पंचायतों में सड़कों, नालों, पेयजल और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं पर तेजी से काम हुआ है, वहीं अलापुर नगर पंचायत बीते तीन वर्षों से विकास कार्यों के लिए तरस रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि राजनीतिक खींचतान और प्रशासनिक लापरवाही के चलते यहां की कार्ययोजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह गई हैं।

बताया जा रहा है कि नगर पंचायत अलापुर में पिछले तीन वर्षों के दौरान कई विकास योजनाएं प्रस्तावित हुईं, लेकिन एक भी योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। सबसे हैरानी की बात यह है कि कई योजनाओं के लिए टेंडर प्रक्रिया तक पूरी नहीं हो सकी। इससे साफ जाहिर होता है कि या तो प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता का अभाव है या फिर जानबूझकर विकास कार्यों को रोका जा रहा है।

नगर पंचायत आलापुर के मुख्य बाजार का यह हो रहा है हाल, प्रशासन बेखबर। -जागरण मोर्चा

स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर की प्रमुख समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। जगह-जगह टूटी सड़कें, जाम नालियां, गंदगी का अंबार और पेयजल की किल्लत लोगों के लिए रोजमर्रा की परेशानी बन चुकी है। लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायतें करने के बावजूद न तो नगर पंचायत प्रशासन ने कोई ठोस कदम उठाया और न ही शासन स्तर पर कोई प्रभावी कार्रवाई हुई।

वहीं, राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं तेज हैं। विपक्षी दलों ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि सरकार विकास के दावे तो करती है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। उनका कहना है कि यदि अन्य नगर पंचायतों में विकास कार्य हो सकते हैं, तो अलापुर को इससे वंचित क्यों रखा गया? सूत्रों की मानें तो नगर पंचायत में प्रस्तावित कार्ययोजनाएं लंबे समय से फाइलों में धूल फांक रही हैं। टेंडर प्रक्रिया शुरू न होने के कारण ठेकेदारों की भागीदारी भी नहीं हो सकी, जिससे निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है। यह स्थिति प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाती है। नगर के जागरूक नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने इस पूरे मामले में शासन से हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं कराई गई, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। लोगों ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जो भी अधिकारी या जनप्रतिनिधि इसके लिए जिम्मेदार हों, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि विकास कार्यों में हो रही देरी से न केवल नगर की छवि खराब हो रही है, बल्कि आम जनता का भरोसा भी प्रशासन से उठता जा रहा है। अब देखना यह होगा कि शासन इस गंभीर मुद्दे पर कब तक संज्ञान लेता है और अलापुर की जनता को विकास की राह पर कब तक राहत मिलती है। फिलहाल, अलापुर नगर पंचायत में विकास का पहिया थमा हुआ है और जनता जवाब की प्रतीक्षा में है। जनता का साफ कहना है कि आगामी चुनाव में सरकार को इसका जवाब देना होगा। जनता इसका बदला जरूर लेगी।

कमरे में फंदे से लटकी मिली विवाहिता, ससुराल पक्ष फरार; हत्या का आरोप

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव मुगर्रा में बुधवार दोपहर एक विवाहिता का शव घर के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद से पति समेत ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस के अनुसार गांव मुगरा निवासी 30 वर्षीय अंगूरी पत्नी विजयपाल बुधवार दोपहर करीब एक बजे घर के एक कमरे में फंदे से लटकी मिली। काफी देर तक कमरे से बाहर न निकलने पर परिजनों को संदेह हुआ। दरवाजा खोलकर देखा गया तो वह फंदे पर झूल रही थी। इसके बाद घटना की सूचना मायके पक्ष को दी गई।

पोस्टमार्टम हाउस पर जानकारी देते विवाहिता के परिजन। -जागरण मोर्चा

मृतका का मायका थाना बिसौली क्षेत्र के गांव रायपुर जगमन में है। सूचना मिलते ही मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए और उन्होंने पुलिस को मामले की जानकारी दी। पुलिस टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल भेज दिया।

मृतका के भाई रामखिलाड़ी ने आरोप लगाया कि करीब नौ वर्ष पहले अंगूरी की शादी विजयपाल से हुई थी। उसके दो बच्चे हैं, जिनमें एक बेटा और एक बेटी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि करीब 15 दिन से पति, सास और अन्य ससुरालीजनों के साथ विवाद चल रहा था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान थी। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद से ससुराल पक्ष के सभी लोग घर छोड़कर फरार हो गए हैं, जिससे घटना संदिग्ध प्रतीत होती है। वहीं मायके पक्ष ने हत्या की आशंका जताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष फैजगंज बेहटा सुभाष सिंह ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी, साथ ही फरार ससुराल पक्ष की तलाश जारी है।

स्कूलों में भ्रष्टाचार के खिलाफ भाकियू चढ़ूनी का प्रदर्शन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को मालवीय आवास गृह में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर जनपद के स्कूलों में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद की। इसके बाद संगठन के पदाधिकारियों ने बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) कार्यालय का घेराव कर सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

पंचायत को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सतीश साहू ने कहा कि जनपद में बड़ी संख्या में बिना मान्यता के अवैध स्कूल संचालित हो रहे हैं, जिन पर प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। वहीं सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है और 100 बच्चों पर मात्र दो शिक्षक तैनात हैं, जिससे शिक्षा व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

बीएसए को ज्ञापन सौंपते भाकियू कार्यकर्ता। -जागरण मोर्चा

उन्होंने आरोप लगाया कि निजी स्कूलों में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों से हर साल एडमिशन फीस, महंगी किताबें, ड्रेस, ट्यूशन, बिल्डिंग किराया और अन्य मदों के नाम पर अभिभावकों का शोषण किया जा रहा है। संगठन ने सभी स्कूलों में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू करने की मांग उठाई।

क्षक ने कहा कि उन्होंने अपनी सैलरी व कर्ज लेकर एमडीएम चलाया, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और बकाया भुगतान दिलाने की मांग की।

संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान यार्वेंद्र यादव, अमनदीप, सोनू यादव, विवेक कुमार, अंकुर सिद्धू, पीतम सिंह, अरशद खान, इरशाद खान, अनवर, शराफत खान, महेंद्र पाल, नूरुद्दीन, सर्वेश, शरीफ अब्बासी, भगवानदास सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राकेश निराला को म्याऊं-उसावां तथा लटूर सिंह को मिली बिसौली की कमान

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए म्याऊं और उसावां सहित कई ब्लाकों के बीडीओ का कार्यभार बदला है। इसके तहत मनीष सिंह वर्मा को विकास भवन मुख्यालय से संबद्ध कर राकेश सिंह निराला को म्याऊं और उसावां ब्लाक का नया दायित्व सौंपा गया है।

प्रशासनिक फेरबदल के तहत लटूर सिंह को बिसौली और आसफपुर ब्लाकों की कमान दी गई है, जबकि प्रवीण कुमार को विकास खंड जगत की जिम्मेदारी सौंपी गई है। हाल ही में म्याऊं ब्लाक से जुड़ा एक आडियो वायरल होने के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया था। प्रकरण की जांच के लिए गठित समिति में संशोधन करते हुए संयुक्त मजिस्ट्रेट सदर साई आश्रित शाखमुरी, डीडीओ मनोज कुमार सिंह और डीसी एनआरएलएम रवि प्रकाश सिंह को शामिल किया गया है। जांच समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासनिक हलकों में इन तबादलों को नियमित प्रक्रिया के साथ-साथ विकास कार्यों में तेजी लाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। अब सभी नवनियुक्त अधिकारी अपने-अपने संबंधित ब्लाकों में कार्यभार संभालकर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और क्षेत्रीय विकास को गति देंगे।

24 जुलाई तक बढ़ी हज-2027 आवेदन की अंतिम तिथि, इच्छुक अभ्यर्थी शीघ्र करें आवेदन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। हज-2027 पर जाने के इच्छुक लोगों के लिए राहत भरी खबर है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जुलाई से बढ़ाकर अब 24 जुलाई कर दी है। ऐसे में इच्छुक आवेदक निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी आवेदन प्रक्रिया पूरी कर लें।

उन्होंने बताया कि आवेदक हज कमेटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट www.hajcommittee.gov.in तथा 'हज सुविधा' एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिन लोगों ने रजिस्ट्रेशन तो कर लिया है लेकिन आवेदन पूर्ण नहीं किया है, वे भी अंतिम तिथि से पहले अपना आवेदन पूरा कर लें, अन्यथा वे हज-2027 की प्रक्रिया से वंचित रह जाएंगे।

अधिकारी ने यह भी कहा कि जिन आवेदकों का अंतरराष्ट्रीय पासपोर्ट अभी तक नहीं बना है, वे तत्काल संबंधित पासपोर्ट कार्यालय से संपर्क करें, ताकि समय रहते आवेदन पूर्ण किया जा सके।

हज यात्रियों के चयन के लिए 30 जुलाई को हज हाउस, मुंबई में डिजिटल कुर्रा (रैंडम चयन) किया जाएगा। चयनित यात्रियों की सूची वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी तथा उन्हें एसएमएस के माध्यम से भी सूचना दी जाएगी। चयनित आवेदकों को 10 अगस्त तक 1,52,300 रुपये अग्रिम धनराशि जमा करनी होगी। सीट निरस्त कराने की स्थिति में निर्धारित नियमों के अनुसार धनराशि में कटौती की जाएगी।

आवेदन करते समय पासपोर्ट साइज फोटो, मशीन रीडेबल पासपोर्ट के प्रथम व अंतिम पृष्ठ, पता प्रमाण तथा बैंक पासबुक या निरस्त चेक अपलोड करना अनिवार्य है। आवेदन के बाद उसका प्रिंटआउट लेकर उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति, लखनऊ में जमा करना होगा। अधिक जानकारी के लिए मदरसा शम्सुल उलूम, घंटाघर बदायूँ स्थित हज ई-सुविधा केंद्र पर संपर्क किया जा सकता है। यहां नोडल अधिकारी मुहम्मद इरशाद आलम द्वारा निःशुल्क सहायता प्रदान की जा रही है। साथ ही हेल्पलाइन नंबर 9555584637, 9897573400 और 9456406761 पर भी संपर्क कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

त में लगी घर में आग, नगदी समेत सामान जला

बदायूं। देर रात एक मकान में अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग ने देखते ही देखते पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में नगदी, अनाज, कपड़े और गृहस्थी का सामान जल कर नष्ट हो गया। मामला उसावां थाना क्षेत्र के गांव निरंजन नगला का है। गांव निवासी कृष्णपाल पुत्र इतवारी लाल ने बताया कि देर रात उनके घर में अचानक अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की लपटें उठती देख उन्होंने सबसे पहले अपनी पत्नी और बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मोहल्ले के लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक घर में रखे 50 हजार रुपये, अनाज, कपड़े, बर्तन तथा दैनिक उपयोग का अन्य सामान पूरी तरह नष्ट हो चुका था।

संक्षेप समाचार

परिवार से मारपीट में चार पर प्राथमिकी

बदायूं। बिसौली कोतवाली क्षेत्र के गांव फतेहपुर वीरमपुर निवासी अशोक कुमार शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 19 जुलाई को उसका बेटा कौटिल्य शर्मा मोहल्ले में हो रहे झगड़े का वीडियो बना रहा था। तभी गांव के रामगोपाल ने उसके बेटे से मोबाइल छीनने का प्रयास किया। जिसका उसने विरोध किया। इसके बाद वह और उसका बेटा घर आ गए। पीछे से रामगोपाल, देवराज, बबलू व गेंदनलाल लाठी-डंडे लेकर उसके घर में घुस आए और गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। बचाव करने को आई उसकी बेटी तनु को भी हमलावरों ने जमीन पर गिराकर बुरी तरह मारापीटा। जिसमें सभी को काफी चोटे आई हैं। पुलिस ने चारों आरोपितों पर प्राथमिकी दर्ज की है।

महिला को धमकाने पर चार पर प्राथमिकी

बदायूं। मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मदपुर सुलरा निवासी आरती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पति सतीश व ससुर की मौत हो चुकी है। वह गांव में दुकान चलाकर अपने बच्चों को पाल रही है। उसके घर के सामने रहने वाले वीरपाल, कल्लू, करन व प्रवीन उसे नाजायज रुप से परेशान करते रहते हैं। 18 जुलाई को वह बच्चों के साथ मकान में लेटी थी। इसी दौरान वीरपाल व उसके पुत्र घर पर आ गए और दरवाजा खोलने की बात कहने लगे। जब उसने दरवाजा नहीं खोला तो सभी ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने चारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

सगे भाईयों से मारपीट करने पर चार पर प्राथमिकी

बदायूं। सहसवान कोतवाली क्षेत्र के गांव नदायल निवासी वाहिद खां ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि गांव के ही जुल्फिकार हाजी, मोहम्मद मियां, फारुख, शाहरुख व उसके परिवार की गांव में ही जमीन है। जिसमें उसने यूकेलिप्टस के पेड़ लगा रखे हैं। पेड़ों के पास से यह लोग ट्रैक्टर निकालकर पेंड़ो को नुक्सान पहुंचाते रहते हैं। मना करने के बाद भी वह लोग मानने को तैयार नहीं हैं। 19 जुलाई को उसका पुत्र सैफ व साकिब खेत से लौट रहे थे। रास्ते में सभी लोगों ने दोनों को घेर लिया और लाठी-डंडों से मारपीट की। जिसमें दोनों को काफी चोटे आई हैं। पुलिस ने आरोपितों पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरु कर दी है।

डायट आडिटोरियम में निपुण भारत मिशन के तहत प्रशिक्षण शुरू

बदायूं। शहर के डायट आडिटोरियम में गुरुवार को निपुण भारत मिशन के तहत दूसरे दिन भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जिले के खंड शिक्षा अधिकारियों और चयनित शिक्षकों को ट्रेनिंग दी गई, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को निपुण बनाना है। साथ ही कक्षा एक से तीन के लिए शिक्षण सामग्री का वितरण भी शुरू हो गया है। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कक्षा एक से तीन के लिए हिन्दी व गणित की शिक्षक संदर्शिका तथा सभी शिक्षकों हेतु शिक्षक डायरी का वितरण शुरू कर दिया गया है। राज्य परियोजना कार्यालय ने सामग्री वितरण की पूरी प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस जिला स्तरीय ट्रेनिंग के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद, इसमें भाग लेने वाले सभी प्रतिभागी मास्टर ट्रेनर |के रूप में कार्य करेंगे। ये मास्टर ट्रेनर आगे चलकर ब्लाक स्तर पर जाकर अन्य सभी शिक्षकों को निपुण भारत मिशन की बारीकियों, नई शिक्षण तकनीकों और संदर्शिका के सही उपयोग का प्रशिक्षण प्रदान करेंगे, ताकि निपुण भारत के लक्ष्यों को समय पर हासिल किया जा सके।

स्कूल वैन की टक्कर से कक्षा तीन का छात्र घायल

बिल्सी। स्कूल की छुट्टी के बाद साइकिल से घर लौट रहे तीसरी कक्षा के छात्र को स्कूल वैन ने टक्कर मार दी। हादसे में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। घायल छात्र को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला बिल्सी क्षेत्र के गांव दिधौनी का है। गांव निवासी सलमान पुत्र इकबाल, बिसौली रोड स्थित एक स्कूल में तीसरी कक्षा का छात्र है। बुधवार को छुट्टी के बाद वह साइकिल से घर लौट रहा था। इसी दौरान पीछे से आ रही एक स्कूल वैन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि छात्र साइकिल समेत सड़क किनारे खेत में जा गिरा। हादसे में उसके दाएं हाथ में गंभीर चोट आई, जबकि साइकिल क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर परिजन पहुंचे और घायल छात्र को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक जानकारी जुटाई। सीओ आलोक सिद्धू ने बताया कि स्कूल वैन की टक्कर से छात्र के घायल होने की सूचना मिली है।

बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर सामान समेट ले गए चोर

बदायूं। परिवार के मजदूरी के लिए बाहर जाने के दौरान चोरों ने सूने मकान को निशाना बना लिया। मकान के दोनों कमरों के ताले तोड़कर नकदी, बर्तन, कपड़े, अनाज समेत लाखों रुपये का सामान चोरी कर लिया। पड़ोसियों ने ताले टूटे देखे तो घटना की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को तहरीर दी गई। मामला उसावा थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर का है। गांव निवासी गृहस्वामी कुछ समय पहले अपने पूरे परिवार के साथ मजदूरी करने के लिए हिमाचल प्रदेश चले गए थे। इस दौरान उनका मकान बंद पड़ा था। मंगलवार को पड़ोसियों ने मकान के दोनों कमरों के ताले टूटे देखे तो उन्हें चोरी की आशंका हुई। सूचना मिलने पर गृहस्वामी गांव पहुंचे और घर के अंदर जाकर देखा तो कमरों में रखा बर्तन, कपड़े, अनाज, नकदी समेत घरेलू उपयोग का काफी सामान गायब था। पीड़ित के अनुसार चोर घर में रखा लाखों रुपये का सामान समेट ले गए, जिससे परिवार को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि मेहनत-मजदूरी कर धीरे-धीरे गृहस्थी का सामान जुटाया था, जिसे चोर चोरी कर ले गए। बृहस्पतिवार सुबह उन्होंने थाने पहुंचकर मामले की लिखित तहरीर दी और घटना का जल्द खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने शिकायत मिलने के बाद घटनास्थल की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है। थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि लिखित शिकायत प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लाठीचार्ज के विरोध में सपा का प्रदर्शन, तहसील तक निकाला मार्च

जागरण मोर्चा कार्यालय

बिसौली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्र-छात्राओं पर पुलिस लाठीचार्ज और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को हिरासत में लिए जाने के विरोध में बृहस्पतिवार को बिसौली में सपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने तहसील परिसर तक पैदल मार्च निकालकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई।

अनुसूचित जाति आयोग भारत सरकार के पूर्व प्रदेश कोऑर्डिनेटर सतीश प्रेमी के नेतृत्व में कार्यकर्ता कोतवाली के समीप उनके कैंप कार्यालय पर एकत्रित हुए। यहां से हाथों में तख्तियां लेकर कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षार्थियों की समस्याओं और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर तहसील तक मार्च निकाला। इसके बाद राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार सुरेंद्र कुमार को सौंपा गया। तहसील परिसर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए सतीश प्रेमी ने आरोप लगाया कि छात्रों का समर्थन करने पहुंचे सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को हिरासत में लेना लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। उन्होंने जौहर यूनिवर्सिटी पर हुई कार्रवाई को शिक्षा विरोधी बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की और केंद्र सरकार पर छात्रों के मुद्दों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने इसे तानाशाहीपूर्ण रवैया बताते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग की। इस दौरान क्षेत्र में खाद की समस्या को लेकर भी आक्रोश व्यक्त किया गया। उपजिलाधिकारी को संबोधित एक अन्य ज्ञापन तहसीलदार को सौंपते हुए तीन दिन में पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने की मांग की गई। चेतावनी दी गई कि मांग पूरी न होने पर दोबारा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में राजेश कुमारी यादव, एड. अल्ताफ हुसैन, गजराज सिंह, काजी शाहनवाज खान, मशहूद खां हमदम, कल्याण सिंह यादव, एड. राजीव यादव, शकुन प्रेमी, विकास यादव, गौरव प्रधान, विनोद यादव, सुबोध यादव, पंकज यादव, अवनीश यादव, कपिल देव, हेमेंद्र यादव, रविंद्र यादव, रोहित प्रेमी, राजीव रस्तोगी, गुड्डू खान, राकेश यादव, पाले अली, सुनील यादव खिलाड़ी, शिवम यादव, आसिफ खान, फैसल खान, संजीव सागर, डी.के. यादव, सतीश यादव, रजत यादव, शोभित प्रेमी, प्रकाश प्रजापति, मुकेश यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हंगामा व विरोध प्रदर्शन करते सपा कार्यकर्ता। -जागरण मोर्चा

सुविधा | कासगंज से लखनऊ ऐशबाग एक्सप्रेस का ठहराव बदायूं, बरेली व सीतापुर स्टेशनों पर रहेगा

बदायूं-लखनऊ नई ट्रेन सेवा का समय-सारिणी चार्ट जारी, 26 जुलाई से दैनिक संचालन

जागरण मोर्चा कार्यालय

बदायूं। केन्द्रीय सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा के प्रयासों से बदायूं को आजादी के बाद दिल्ली की सीधी ट्रेन मिलने के बाद अब प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए सीधी रेल सेवा की बड़ी सौगात मिली है। आगामी 26 जुलाई से कासगंज-ऐशबाग लखनऊ एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 15312/15311 का नियमित संचालन शुरू होने जा रहा है। इस नई रेल सेवा के शुरू होने से जिलेवासियों, व्यापारियों, विद्यार्थियों और नौकरीपेशा वर्ग का लखनऊ आवागमन अब बेहद सुगम, सुरक्षित और समयबद्ध हो जाएगा।

केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा।

रेल मंत्रालय द्वारा जारी समय-सारिणी के अनुसार, ट्रेन संख्या 15312 प्रतिदिन सुबह 4:20 बजे कासगंज से प्रस्थान करेगी और सुबह 5:20 बजे बदायूं स्टेशन पहुंचेगी। पांच मिनट के ठहराव के बाद 5:25 बजे रवाना होकर यह ट्रेन बरेली, पीलीभीत, मैलानी और सीतापुर के रास्ते दोपहर 1:00 बजे लखनऊ के ऐशबाग स्टेशन पहुंचेगी। यह ट्रेन पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य उत्तर प्रदेश के बीच सीधे रेल संपर्क को मजबूत करेगी। वापसी मार्ग में, ट्रेन संख्या 15311 दोपहर 2:00 बजे ऐशबाग लखनऊ से प्रस्थान करेगी। सीतापुर, मैलानी, पीलीभीत और बरेली होकर यह ट्रेन रात 9:05 बजे बदायूं पहुंचेगी। इसके बाद रात 10:40 बजे कासगंज पहुंचकर अपनी यात्रा समाप्त करेगी। ।बदायूं से राजधानी लखनऊ तक सीधी ट्रेन न होने के कारण लंबे समय से यात्रियों को बसों या निजी वाहनों के महंगे व कष्टदायक सफर पर निर्भर रहना पड़ता था। इस बहुप्रतीक्षित रेल सेवा की शुरुआत से जहां एक ओर आम यात्रियों को सहूलियत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर बदायूं के व्यापारिक, शैक्षणिक और सामाजिक विकास को भी एक नया आयाम मिलेगा। क्षेत्र के निवासियों ने इस ऐतिहासिक सौगात के लिए केंद्र सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया है।

यात्रियों को बसों के धक्कों से मिली मुक्ति

अब तक बदायूं के नागरिकों को लखनऊ जाने के लिए सीधी ट्रेन सेवा की अनुपलब्धता के कारण निजी वाहनों या रोडवेज बसों का रुख करना पड़ता था। इसमें अधिक समय और पैसा दोनों खर्च होते थे। नई ट्रेन सेवा चालू होने से दैनिक यात्रियों, मरीजों, विद्यार्थियों और व्यापारियों को आरामदायक, सस्ती और सुरक्षित यात्रा का सीधा विकल्प मिल गया है।

गीता सार

भोक्तारं यज्ञतपसां सर्वलोकमहेश्वरम्।
सुहृदं सर्वभूतानां ज्ञात्वा मां शांतिमृच्छति॥

हिंदी अर्थ : मेरा भक्त मुझे सब यज्ञ और तपों का भोगने वाला, सभी लोकों के ईश्वरों का भी ईश्वर और सभी प्राणियों का सुहृद् जानकर शांति को प्राप्त होता है।

खामोश सियासत

उत्तर प्रदेश की राजनीति में इन दिनों 2027 विधानसभा चुनाव के लिए हर पार्टी ने कमर कस ली है। भाजपा संगठन को धार देने में जुटी है। समाजवादी पार्टी 2024 लोकसभा चुनाव की बढ़त को 2027 विधानसभा तक ले जाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस सामाजिक न्याय और संविधान जैसे मुद्दों पर सक्रिय है। लेकिन इन सबके बीच एक सवाल लगातार चर्चा में है कि मायावती आखिर चुप क्यों हैं? बीएसपी का न कोई बड़ा आंदोलन, न लगातार जनसभाएं और न ही पहले जैसी आक्रामक राजनीति अब तक सामने आई है। इसके बावजूद बहुजन समाज पार्टी की ताकत आज भी बरकरार है। उसका अस्तित्व आज भी जिंदा है। इसके पीछे की साफ वजह है-बीएसपी का कोर वोटर। जो अभी भी उसके साथ जुड़ा है। जो कई सीटों पर वोट जीत-हार का अंतर तय कर सकता है। अगर उत्तर प्रदेश की राजनीति में बीएसपी या विधानसभा चुनाव का इतिहास कभी भी लिखा जाएगा तो उसमें 2007 का चुनाव हमेशा याद रखा जाएगा। इसी चुनाव में मायावती ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई। बसपा ने 206 सीटें जीतीं और लगभग 30.4% वोट शेयर हासिल किया था। यह पहली बार था, जब पार्टी ने दलितों के साथ ब्राह्मण और दूसरे वर्गों को जोड़कर "सामाजिक इंजीनियरिंग" का सफल प्रयोग किया। 'बहुजन से सर्वजन' की रणनीति ने मायावती को देश की सबसे ताकतवर क्षेत्रीय नेताओं में शामिल कर दिया। लेकिन सत्ता का यह सफर ज्यादा लंबा नहीं चला। 2012 विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी सत्ता में लौट आई। बसपा 80 सीटों पर सिमट गई, हालांकि उसका वोट शेयर करीब 26% रहा। यानी वोट पूरी तरह खत्म नहीं हुए थे, लेकिन सीटें तेजी से घट गई थीं। यहीं से बसपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती शुरू हुई। पार्टी का संगठन पहले जैसा सक्रिय नहीं दिखा और स्थानीय स्तर पर नेताओं का पलायन बढ़ने लगा। 2017 विधानसभा चुनाव ने उत्तर प्रदेश की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। भाजपा ने 312 सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत हासिल किया। बसपा को सिर्फ 19 सीटें मिलीं। दिलचस्प बात यह रही कि पार्टी का वोट शेयर करीब 22.23% था। यानी हर पांच में से लगभग एक मतदाता ने बसपा को वोट दिया, लेकिन यह समर्थन सीटों में नहीं बदल सका। यही बसपा की सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौती बन गई। 2022 विधानसभा चुनाव बसपा के लिए अब तक का सबसे कठिन चुनाव साबित हुआ। पार्टी सिर्फ एक सीट जीत सकी। वोट शेयर घटकर करीब 12.88% रह गया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी का एक हिस्सा बीजेपी की ओर चला गया जबकि कुछ क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी ने भी बसपा के पारंपरिक वोटों में सेंध लगाई।

युवाओं का आक्रोश

सरकार और सियासत सबक ले

लोकमित्र गौतम

> इतिहास गवाह है कि किसी भी देश की सबसे बड़ी ताकत उसकी सेना, उसकी अर्थव्यवस्था या उसके ऊंचे-ऊंचे भवन नहीं होते। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उसके सपने देखने वाले युवा होते हैं। जब वही युवा सड़कों पर उतर आएं, जब उनकी आंखों में उम्मीद से ज्यादा आक्रोश दिखाई देने लगे और जब उनके हाथों में किताबों की जगह तख्तियां आ जाएं, तब समझ लेना चाहिए कि समस्या केवल किसी एक परीक्षा, किसी एक विश्वविद्यालय या किसी एक मंत्रालय की नहीं रह गई है। वह पूरे समाज की चिंता बन चुकी है।

गुजरी 20 जुलाई 2026 को दिल्ली के जंतर मंतर पर जो दृश्य दिखाई दिए, वे विरोध की एक घटनाभर नहीं थे, वे देश के करोड़ों युवाओं की मनःस्थिति का आईना थे। हजारों छात्र शिक्षा व्यवस्था में सुधार और जवाबदेही की मांग लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाने पहुंचे। बाद में प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा। इस घटना को लेकर अलग-अलग पक्षों ने अलग-अलग दावे किए, लेकिन एक बात निर्विवाद है कि देश का युवा गहरे असंतोष में है। आखिर यह गुस्सा आया कहां से? यह गुस्सा एक दिन में पैदा नहीं हुआ। यह उन वर्षों की निराशा है, जब लाखों युवाओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हुए अपनी जवानी दांव पर लगा दी। यह उन परिवारों की चिंता है जिन्होंने अपनी बचत बच्चों की पढ़ाई पर खर्च कर दी। यह उन युवाओं की पीड़ा है जिन्हें हर परीक्षा के बाद यह डर सताता है कि कहीं फिर कोई विवाद, कोई गड़बड़ी या कोई अनिश्चितता उनके सपनों को अधूरा न छोड़ दे। देश का युवा केवल नौकरी नहीं मांग रहा। वह निष्पक्ष अवसर मांग रहा है। वह ऐसी व्यवस्था चाहता है, जहां उसकी मेहनत का मूल्य हो, जहां उसका भविष्य किसी लापरवाही या अव्यवस्था का शिकार न बने। सबसे बड़ी चिंता यह नहीं कि युवा विरोध कर रहे हैं। लोकतंत्र में विरोध स्वाभाविक है। चिंता तब होती है जब विरोध को सुनने के बजाय उसे केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मान लिया जाता है। सरकारों को याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है। लोकतंत्र संवाद का भी नाम है। जो सरकार अपने युवाओं से संवाद खो देती है, वह धीरे-धीरे भविष्य से भी संवाद खोने लगती है। पुलिस की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुलिस कानून लागू करती है, लेकिन लोकतंत्र में उसका दायित्व केवल भीड़ नियंत्रित करना नहीं, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना भी है। युवाओं के प्रदर्शन को दबाने या कुचलने के लिए पुलिस ने जिस तरह का निर्दय

बल प्रयोग किया वह उसकी कोई तात्कालिक ज्यादती नहीं है, पुलिस की यह स्थाई संवेदनहीनता है। जिसके लिए कोई एक या मौजूदा सरकारभर जिम्मेदार नहीं है,इसके लिए आजादी के बाद निर्मित हुआ देश का सियासी चरित्र जिम्मेदार है। इसलिए राजधानी दिल्ली में पुलिस ने छात्रों-नौजवानों पर जिस तरह का बर्बर बल प्रयोग किया है उसकी निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। साथ ही यदि कहीं प्रदर्शन के दौरान असमाजिक तत्वों ने हिंसा की है और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाई है, तो उसकी भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। लोकतंत्र में कानून सब पर समान रूप से लागू होना चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने मीडिया के सामने भी एक आईना रखा है। किसी भी आंदोलन को केवल राजनीतिक खेमों के चश्मे से देखने के बजाय उसके सामाजिक और शैक्षिक कारणों की गंभीर पड़ताल आवश्यक है। छात्रों की आवाज को केवल ब्रेकिंग न्यूज बनाकर छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। मीडिया का दायित्व सत्ता से प्रश्न पूछना भी है और समाज को तथ्यपरक जानकारी देना भी। जहां तक बात देश के मध्यम वर्ग कि है तो जो मध्यम वर्ग अक्सर चुप रहता है। अपने बच्चों से कहता है- 'मेहनत करो, सब ठीक हो जाएगा।' लेकिन यदि मेहनत के बाद भी व्यवस्था पर भरोसा कमजोर पड़ने लगे, तो सबसे बड़ा संकट केवल युवाओं का नहीं, उस भरोसे का होता है जिस पर पूरा समाज टिका है। आज जंतर मंतर पर खड़ा छात्र किसी और का नहीं, हमारे-आपके घर का बच्चा है। उसकी चिंता को राजनीतिक चश्मे से नहीं, मानवीय दृष्टि से देखने की जरूरत है। केवल सत्तापक्ष ही नहीं सभी राजनीतिक दलों के लिए भी यह घटना एक संदेश है कि युवाओं का इस्तेमाल केवल चुनावी भाषणों और रैलियों तक सीमित नहीं होना चाहिए। यदि युवा केवल वोट बैंक बनकर रह जाएंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा मर जायेगी । देश का भविष्य नारों से नहीं, नीतियों से बनता है; भाषणों से नहीं, भरोसे से बनता है। शिक्षा मंत्री हों या पूरा शिक्षा तंत्र-उनसे प्रश्न पूछना लोकतंत्र विरोधी नहीं है। प्रश्न पूछना नागरिक का अधिकार है। साथ ही यह भी जरुरी है कि इन प्रश्नों के उत्तर तथ्यों, संवाद और संस्थागत प्रक्रिया के माध्यम से दिए जाएं। जवाबदेही किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था को मजबूत करने के लिए होनी चाहिए। भारत आज विश्व की सबसे युवा आबादी वाले देशों में है। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन यदि यही पीढ़ी व्यवस्था से निराश होकर यह महसूस करने लगे कि उसकी आवाज सुनी नहीं जाती, तो यह केवल राजनीतिक चुनौती नहीं, राष्ट्रीय चुनौती बन जाएगी। जंतर मंतर की घटना हमें डराने के लिए नहीं, जगाने के लिए आई है। यह हमें याद दिलाती है कि युवा केवल आंकड़े नहीं होते, वे सपनों का दूसरा नाम होते हैं। उनके कंधों पर देश का आने वाला कल टिका होता है। यदि उन्हीं कंधों पर बार-बार निराशा का बोझ रखा जाएगा, तो राष्ट्र की गति ही धीमी नहीं पड़ेगी उसके सपनों कि अकाल मौत हो जाएगी। इसलिए समय अभी भी है। सरकार संवाद का रास्ता चुने, विपक्ष जिम्मेदार राजनीति करे, मीडिया मुद्दे की गहराई तक जाए, पुलिस संवेदनशीलता और संयम बनाए रखे और समाज अपने युवाओं के साथ खड़ा हो।

इमेज

श्रीरामचरितमानस

सोइ रघुबर सोइ लछिमनु सीता।
देखि सती अति भईं सभीता॥
हृदय कंप तन सुधि कछु नाहीं।
नयन मूदि बैठीं मग माहीं॥

भावार्थ : (सब जगह) वही रघुनाथजी, वही लक्ष्मण और वही सीताजी-सती ऐसा देखकर बहुत ही डर गईं। उनका हृदय कांपने लगा और देह की सारी सुध-बुध जाती रही। वे आंख मूंदकर मार्ग में बैठ गईं॥

घर को तनावमुक्त कैसे बनाएं?

जहां मिले सुकून वही असली घर

नम्रता नदीम

कहा जाता है घर केवल ईंट, सीमेंट और दीवारों का नाम नहीं होता बल्कि जहां दिनभर की भागदौड़ के बाद शांति का एहसास हो यानी सुकून हासिल होता है, वही घर होता है। ऐसा घर भला कौन नहीं चाहता। लेकिन चाहने के बावजूद ज्यादातर लोग ऐसा घर बना नहीं पाते। सवाल है आखिर तनावमुक्त घर कैसे बनाएं?

दिन की शुरुआत का पूरे दिन के वातावरण पर बहुत प्रभाव पड़ता है। अगर दिन की शुरुआत शांत और सकारात्मक हो तो पूरे दिन घर का वातावरण सुकूनदायक रहता है। क्योंकि पूरे दिन का मूड, सुबह का समय ही तय करता है। इसलिए कोशिश करें कि सुबह उठते ही मोबाइल देखने की बजाय कुछ मिनट शांत बैठें, खिड़कियां खोलकर घर में ताजी हवा आने दें और घर में प्राकृतिक रोशनी का स्वागत करें। यदि सुबह के समय घर में हल्का संगीत, भक्ति गीत या प्रार्थना का संगीत बजाया जाए, तो उसका भी हमारे दिल-दिमाग पर सकारात्मक असर पड़ता है। बिखरा हुआ घर अकसर तनाव पैदा करता है, क्योंकि अव्यवस्था को देखकर सबका मन खिन्न होता है। इसलिए घर में सुनिश्चित करें कि हर एक चीज अपनी जगह पर हो। घर साफ-सुथरा हो और व्यवस्थित भी। विशेषज्ञ कहते हैं कि घर में अगर जरूरत से ज्यादा सामान होता है, घर भरा-भरा और फंसा-फंसा सा होता है, तो वहां भी मन को सुकून नहीं मिलता। इसलिए घर की समय-समय पर सफाई करती रहें और अनावश्यक चीजों को घर से हटाती रहें।

आज ज्यादातर घरों में लोग साथ रहते हुए भी एक दूसरे से बातें कम करते हैं। अपने-अपने मोबाइल फोनों में मस्त रहते हैं। इसलिए हर दिन कम से कम 20 से 30 मिनट का समय ऐसा तय करें, जब घर के सभी सदस्य बिना मोबाइल और टीवी के साथ बैठें और दिनभर की बातें साझा करें। संवाद, तनाव कम करने का सबसे सरल और प्रभावी तरीका है। अगर कुछ इंडोर पौधे लगाकर घर में हरियाली को प्रवेश दे सकें, तो यह घर की सिर्फ सुंदरता के लिए अच्छा नहीं होता बल्कि घर की शांति के लिए भी बहुत अच्छा होता है। घर के अंदर हरे-भरे पौधे, मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होते हैं। इसलिए ड्राइंग रूम में मनीप्लांट, तुलसी, स्नेक प्लांट या एरका पॉम के पौधे रखेंगी तो हरियाली भी होगी और घर का वातावरण भी तनावरहित होगा।

तिथि विशेष

लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक

हर वर्ष 23 जुलाई को भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, शिक्षाविद् और प्रखर राष्ट्रवादी नेता लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती मनाई जाती है। उनका जन्म 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था। तिलक ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा और नई ऊर्जा प्रदान की। वे उन नेताओं में थे जिन्होंने सबसे पहले अंग्रेजी शासन के विरुद्ध खुलकर आवाज उठाई और देशवासियों में स्वतंत्रता की भावना जागृत की। लोकमान्य तिलक का सबसे प्रसिद्ध नारा 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूंगा' आज भी प्रत्येक भारतीय के हृदय में देशभक्ति का संचार करता है। उनका मानना था कि स्वतंत्रता किसी भी राष्ट्र का मूल अधिकार है और इसके लिए हर नागरिक को संघर्ष करना चाहिए। उनके विचारों ने लाखों युवाओं को आजादी की लड़ाई में भाग लेने की प्रेरणा दी। तिलक केवल एक राजनेता ही नहीं, बल्कि एक महान शिक्षाविद् और पत्रकार भी थे। उन्होंने शिक्षा के प्रसार के उद्देश्य से डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 'केसरी' (मराठी) और 'द मराठा' (अंग्रेजी) नामक समाचार पत्रों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की नीतियों की निर्भीक आलोचना की और जनता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया। भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए तिलक ने सार्वजनिक गणेशोत्सव और शिवाजी जयंती उत्सव की शुरुआत की। इन आयोजनों ने लोगों को सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट करने का कार्य किया तथा स्वतंत्रता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचार और आदर्श आज भी देशवासियों को प्रेरित करते हैं।

जुनून अपना-अपना

किसी चीज को संग्रह करने का नशा

एन. के. अरोड़ा

> कुछ लोगों में आखिर वस्तुओं के संग्रह का जुनून क्यों होता हैं? आमतौर पर इसका जवाब यह दिया जाता है कि ऐसा इंस्टिंक्ट यानी मनोवृत्ति की वजह से होता है। वैसे संग्रहण सिर्फ मानवों की ही प्रवृत्ति नहीं है। चींटियां जहां अपने लिए भोजन इकट्ठा करती रहती हैं वहीं पैक रैट्स एवं मैगपीस उन वस्तुओं को इकट्ठा करते हैं जो उन्हें पसंद आ जाती है। चिम्पैंजियों में भी कबाड़ को इकट्ठा करने की प्रवृत्ति होती है। यदि हम सिग्मंड फ्रायड की मानें, तो यह हमारी यौनेच्छा के उर्ध्वयातन का प्रतीक होता है। यदि ऐसा है तो पैक रैट्स के पीछे क्या कारण हो सकता है? क्या वह भी मानवों की ही भांति सृष्टि की दुरूह रचना होते हैं? दूसरे मनोविज्ञानियों ने संग्रहण वृत्ति को सत्ता की अतृप्त लालसा माना है। यदि ऐसा है तो फिर इसका क्या उत्तर है कि इतिहास के कुछ बेहद शक्तिशाली लोगों में से ही महानतम संग्रहकर्ता हुए हैं। फिलिपीन के पूर्व तानाशाह मारकोस की पत्नी ईमेल्डा ने 900 जोड़ी जूते इकट्ठा किए। ठीक इसी प्रकार एक जमाने में अभिनेत्री रहीं और फिर तमिलनाडु की मुख्यमंत्री स्व. जयललिता ने भी जूतों, साड़ियों का एक बड़ा संग्रह जोड़ा था।

इमेज

वैसे देखा गया है कि अलग-अलग लोग जुदा-जुदा कारणों से तरह-तरह की वस्तुएं इकट्ठा करते हैं। यह भी कहा जा सकता है कि हम सभी किसी न किसी वस्तु को इकट्ठा करते रहते हैं, भले ही अनजाने में ऐसा हो रहा हो। हम में से कितने हैं, जो रबर बैंड्स, पेपर बैग्स या खराब वस्तुओं या हैंडबैग्स को या फिर बाल पाइंट पेनों को इकट्ठा नहीं करते हैं या सिर्फ एक कफलिंक या बुंदों को इकट्ठा नहीं करते हैं। आमतौर पर पति यह ध्यान नहीं दे पाते हैं उनकी पत्नियां तरह-तरह की खाने-पीने की चीजें इकट्ठा करती रहती हैं। इसी तरह से पतियों की कुछ आदतों को पत्नियां पहचान नहीं पाती हैं। आमतौर पर हमारे सभी के घरों में दोबारा प्रयोग न हो सकने वाले स्वेटर, कपड़े, खिलौने, खेल उपकरण एवं वाद्ययंत्र टांड पर, तहखाने में पड़े रहते हैं। वैसे अब शहरों में रहने की जगह कम होने एवं नए डिजाइनों के चलते पहले की भांति लोग इकट्ठा नहीं कर पाते हैं फिर भी बरसों से इकट्ठा की गई वस्तुओं को निकाल बाहर करने में अति-मानवी हिम्मत की जरूरत होती है। घर में चखचख होती है, परेशानी होती है और जब निर्णय का समय आता है तो भावुकता हावी हो जाती है। क्योंकि हमारी यादें उनसे जुड़ी होती हैं। छोटी-मोटी वस्तुओं के संग्रहण को आर्ट कलेक्टर 'मात्र कबाड़' घोषित कर सकते हैं क्योंकि एक कला, एक धंधे, एक धुन के रूप में संग्रहण हेतु खरीदारी, बिक्री, लेनदेन, नामकरण, कैटलॉग बनाना और अपने जैसों के संपर्क में रहना होता है। इसके बावजूद कहा जा सकता है। ऊपरी तौरपर गैर-जरूरी वस्तुओं से छुटकारा पाना इस विभ्रम से कहीं अधिक होता है कि वह किसी दिन काम आ सकती है। 'यह चीज कबाड़ हो सकती है' यह जानने और मानने के बावजूद हमारे अवचेतन में यह बात बैठी होती है कि एक दिन यही चीज हमारे काम आएगी। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि यह हमारी नासमझी नहीं है बल्कि उस कबाड़ के प्रति भी अगर हम व्योमोहित होते हैं, तो इस कारण से कि हम अपने जैसे यानी इंसानी अतुलनीयता से ही उन तमाम चीजों को भी चिह्नित करने लगते हैं, जो चीजें हमारे संपर्क में होती हैं। इसी कारण हम उनसे अपने आपको अलग नहीं कर पाते। दरअसल कबाड़ को कीमती जानने के अवचेतन के मनोविज्ञान का आधार उस कबाड़ का अतीत भी होता है। आमतौर पर जो चीज आज कबाड़ है एक जमाने में वह बहुत कीमती थी। हम अक्सर चीजों को संग्रह करते समय उनके वर्तमान नहीं बल्कि भूत के मोहपाश में बंधे रहते हैं। जिसे हम पारिभाषिक रूप में 'निशानी' कहते हैं। चूंकि निशानी के जरिए हम अपने आपको अतीत की उस भव्यता से जोड़कर देखते हैं इसलिए भी संग्रह करने की प्रवृत्ति ताकतवर होती है। यही कारण है कि पुराने फोटो या सोवियनर महज व्यक्तिगत कूड़ा नहीं बल्कि हमारी अतीत की जीवंत उपस्थिति होते हैं, इसलिए इन्हें कूड़े से अलग करके देखना होगा। युद्धभूमि में लड़ाई के वक्त किसी खास वस्तु को हथिया लेने की चाह फौजियों में बहुत होती है। रावण के जलने के बाद जब उसका ढांचा गिरता है तो उसकी खपच्चियों को खींचकर घर ले जाने वाले के चेहरे पर विजयभाव देखते ही बनता है। आखिर दर्शक भी तो राम-रावण युद्ध के सक्रिय भागीदार होते हैं। फिर इसी खपच्ची से दीवाली की कंदील बनाई जाती रही है। आजकल बच्चे टैटुओं/फोटुओं को इकट्ठा करते रहते हैं। आखिर क्यों? शायद इन वस्तुओं का होना हमारी याद्दाश्त की कुंजियों की तरह अनिवार्य होती है। बड़े पैमाने पर संग्रहालय एवं अभिलेखागार जो कार्य समाज हेतु करते हैं, छोटे पैमाने पर फोटो एवं सोविनियर वही कार्य सामान्यजन हेतु करते हैं।

वायरल

पिता की सुरक्षा को बेटे ने 55 फीट ऊंचे पेड़ पर लगवाई लोहे की सीढ़ियां

तमिलनाडु में पिता को ढलती उम्र में ऊंची चढ़ाई के खतरे से बचाने के लिए बेटे ने 55 फीट ऊंचा खजूर के पेड़ को बहुमंजिला इमारत के जैसा बना दिया है। यह मामला तमिलनाडु के तूत्तुकुड़ी जिले में स्थित सलाईपुथुर गांव का है। यहां रहने वाले दिनाकर का परिवार पीढ़ियों से खजूर और ताड़ के पेड़ से मिलने वाले रस और उत्पादों के व्यवसाय से जुड़ा है। उनके 70 वर्षीय पिता पिछले कई दशकों से यही काम करते आ रहे हैं। हालांकि, उम्र के इस पड़ाव पर इतने ऊंचे और चिकने पेड़ पर चढ़ना बेहद जोखिम भरा हो गया था। पिता की सुरक्षा और सेहत को ध्यान में रखते हुए दिनाकर ने तय किया कि वह उन्हें यह खतरा नहीं उठाने देंगे और खुद इस समस्या का हल निकालेंगे। दिनाकर ने 55 फीट ऊंचे खजूर के पेड़ के चारों तरफ लोहे की मजबूत और घुमावदार सीढ़ियां लगवा दी हैं। लगभग 60,000 रुपए की लागत से तैयार इस ढांचे की सबसे खास बात यह है कि इसमें पेड़ को कोई नुकसान पहुंचाए बिना और बिना कील ठोके लोहे की पट्टियों से सीढ़ियों को कसा गया है।

X का एक्सरे

> यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कुछ लोग देश के छात्रों और युवाओं का इस्तेमाल अपने राजनीतिक हथियार के रूप में कर रहे हैं। भारत का समझदार युवा इन सभी कोशिशों को अच्छी तरह समझता है और वह विकास तथा राष्ट्र निर्माण का रास्ता ही चुनेगा।

राजनाथ सिंह

> सोनम वांगचुक का जीवन देश के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और उनकी सेहत को देखते हुए अब उन्हें भूख हड़ताल खत्म कर देनी चाहिए। अनशन खत्म होने का मतलब आंदोलन का खत्म होना नहीं होगा। जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा।

अभिजीत दीपके

> यह विषय किसी एक राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि देश के छात्रों और नौजवानों के भविष्य से जुड़ा है। अगर छात्रों की आवाज नहीं सुनी गई तो हम सड़कों पर उतरेंगे। अगर मंत्री सदन में इस्तीफा नहीं देंगे तो सदन के बाहर इस्तीफा ले लेंगे।

अखिलेश यादव

> मनीला में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होकर खुशी हुई। हिंद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति की समीक्षा की और हाल के घटनाक्रमों पर चर्चा की। हम स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्ध हैं और इस क्षेत्र में आसियान की केंद्रीय भूमिका को मान्यता देते हैं।

एस. जयशंकर

अमेरिकी नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 150 करोड़, चार गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। राजधानी में अंतरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर खोलकर साइबर ठगी के गिरोह पॉश व्यावसायिक इलाकों में पनप रहे हैं। 23 दिन के अंदर तीन बड़े मामले सामने आये हैं। विभूतिखंड पुलिस व क्राइम ब्रांच ने बुधवार देर रात साइबर हाइट्स में छापा मारकर साइबर ठगों के गिरोह का खुलासा किया है। गिरोह अमेरिकी बुजुर्ग नागरिकों को डिजिटल अरेस्ट कर पिछले छह माह के अंदर 150 करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुके हैं। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि 35 से पूछताछ कर छोड़ दिया है। यह गिरोह डिजिटल अरेस्ट कर डॉलर में ठगी करता था।

डीसीपी पूर्वी डॉ. दीक्षा शर्मा के मुताबिक, 22 जुलाई की रात साइबर हाइट्स की चौथी मंजिल पर जलवा बार के सामने विभूतिखंड पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने छापा मारा। चौथी मंजिल स्थित फ्लैट नंबर 420ए में विदेशी नागरिकों को ठगने वाले अंतरराष्ट्रीय कॉल सेंटर संचालित होता पाया गया। रात करीब तीन बजे हुई छापेमारी में 40 लोगों को हिरासत में लिया गया। अंदर काफी संख्या में कंप्यूटर पर युवक-युवतियां विदेशों में फोन कर रहे थे। पूछताछ के बाद प्रतापगढ़ निवासी सूरज त्रिपाठी, उसके मामा राहुल त्रिपाठी, बुआ के बेटे विवेक पांडेय और मुंबई निवासी तकनीकी विशेषज्ञ आकाश अरुण दत्ता उर्फ रिक्की को गिरफ्तार किया गया। वहीं, अन्य 35 लोगों के नाम व पते दर्ज कर पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है।

एसीपी विभूतिखंड सौम्या पांडेय ने बताया कि गिरफ्तार सरगना से पूछताछ की गई। सूरज पूरे गिरोह का सरगना था, जबकि आकाश फर्जी वेबसाइट और इंटरनेट आधारित दूरभाष व्यवस्था संभालता था। विवेक और राहुल कर्मचारियों की भर्ती, संचालन और प्रबंधन का काम देखते थे। सूरज त्रिपाठी वर्ष 2012-13 में अहमदाबाद में इसी तरह के कॉल सेंटर में काम कर चुका था।

नौकरी का झांसा दे खाता खुलवा करोड़ों ठगने वाले तीन गिरफ्तार

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। नौकरी का झांसा देकर खाता खुलवाकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा हजरतगंज पुलिस ने किया है। गुरुवार को इस गिरोह के तीन सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी नौकरी दिलाने के नाम पर खाते खुलवाते थे। इसके बाद खाते, एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक और मोबाइल नंबर अपने पास रख लेते थे। आरोपी इन्हीं खातों में साइबर ठगी की रकम मंगाते थे। रकम आते ही त्वरित निकालकर अपने प्रयोग में लेते थे। पुलिस ने ऐसे म्यूल खातों में पांच लाख रुपये फ्रीज कराये हैं। आरोपियों के पास से 23 एटीएम कार्ड, 13 पासबुक, नौ चेकबुक, पांच मोबाइल बरामद किये गये हैं।

एडीसीपी मध्य जितेंद्र दुबे के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों में बदायूं निवासी वरुण कांत शर्मा, फर्रुखाबाद निवासी प्रेम कुमार उर्फ विमल और एक महिला शामिल हैं। पुलिस अब गिरोह के दो अन्य फरार सदस्यों अमित और दिनेश सिंह की तलाश कर रही है। जांच में सामने आया कि गिरोह गांव और कस्बों के बेरोजगार युवाओं को नौकरी का लालच देता था। इसके बाद उनके नाम पर विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाकर एटीएम कार्ड, पासबुक, चेकबुक, इंटरनेट बैंकिंग की जानकारी, सिम कार्ड और अन्य बैंकिंग दस्तावेज अपने कब्जे में ले लेता था। कई मामलों में आधार कार्ड पर पता बदलवाकर नए मोबाइल नंबर के जरिए खाते खुलवाए गए, ताकि पहचान छिपाई जा सके। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने कई सारे खाते खुलवाये हैं। आरोपी खाते खुलते ही सारा डाटा अपने पास रख लेते थे। फिर ठगों को संपर्क कर उन्हें डिटेल देते थे, ताकि वह रकम मंगवा सकें। अबतक गिरोह करोड़ों रुपये खातों में मंगाकर अपना कमीशन ले चुका है।

एसीपी हजरतगंज रजनीश वर्मा के मुताबिक, पूछताछ में प्रेम कुमार ने बताया कि खातों की पूरी जानकारी टेलीग्राम के जरिए विदेशी साइबर ठगों, विशेषकर चीनी नेटवर्क से जुड़े लोगों तक पहुंचाई जाती थी। साइबर ठगी की रकम खातों में आते ही उसे एटीएम या चेक के माध्यम से निकाल लिया जाता था। इसके बाद रकम को यूएसडीटी के माध्यम से विदेशी नेटवर्क तक पहुंचाया जाता था। इस पूरे काम के बदले गिरोह के सदस्यों को कमीशन मिलता था। वरुण कांत शर्मा और महिला आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उन्हें नौकरी दिलाने के नाम पर इस काम में लगाया गया था। दोनों का काम अपने खाते में आये रुपये निकालकर प्रेम कुमार को देना था। इसके बदले उन्हें हर महीने 40 से 45 हजार रुपये दिए जाते थे। एसीपी ने बताया कि गिरोह ठगी के लिए म्यूल खाते तैयार करने का काम करता था। ऐसे खाते साइबर अपराधियों के लिए सबसे अहम कड़ी होते हैं, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से ठगी की रकम इधर-उधर कर जांच एजेंसियों से बचने की कोशिश की जाती है।

संक्षेप समाचार

साइबर ठगी के मामलों में पांच स्थानों की लोकेशन मिली सत्यापन शुरू

सितारगंज। साइबर फ्रॉड के खिलाफ सितारगंज पुलिस ने जागरूकता अभियान चलाया। देश के विभिन्न राज्यों में हुई साइबर ठगी के मामलों में क्षेत्र के पांच स्थानों की लोकेशन मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सत्यापन किया। साथ ही आसपास रहने वाले परिवारों के नाम, पते और मोबाइल नंबर भी दर्ज किए गए। गुरुवार को प्रभारी निरीक्षक सुंदरम शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सिडकुल मार्ग स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के पास, वार्ड संख्या-8, नयागांव, सरकड़ा और सिसौना गांव में ऑल इंडिया साइबर पोर्टल से प्राप्त लोकेशनों का सत्यापन किया। एसएसआई जावेद मलिक ने बताया कि इन स्थानों के आसपास रहने वाले लोगों के नाम, पते और मोबाइल नंबरों की जांच की जाएगी। यदि किसी व्यक्ति या परिवार की साइबर ठगी में संलिप्तता पाई जाती है तो उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा पुलिस टीम ने शक्तिफार्म क्षेत्र में उन खाताधारकों की भी जांच की, जिनके बैंक खातों में साइबर ठगी की रकम ट्रांसफर होने की जानकारी मिली है। एसएसपी अजय गणपति के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान के दौरान लोगों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति भी जागरूक किया गया। टीम में एसआई कैलाश देव, हेड कांस्टेबल मतलूब खान और कांस्टेबल कपिल कुमार शामिल रहे।

सीमा जागरण मंच का 25 व 26 जुलाई को शहीद हरकिशन शिक्षण संस्थान में प्रदेश कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग

सीमा जागरण मंच का प्रदेश कार्यकर्ता दो दिवसीय अभ्यास वर्ग शाहिद हरकिशन शिक्षण संस्थान में आयोजित किया जा रहा है । जिसमें सीमा सुरक्षा, सीमांत क्षेत्रों के विकास और राष्ट्र निर्माण में समाज की भागीदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार विमर्श एवं कार्यकर्ता प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया है । अभ्यास वर्ग में तिब्बत नेपाल चीन बॉर्डर जिले खंडों के कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण रिवर्स पलायन, आत्मनिर्भर, सीमांत गांवों का निर्माण, सीमांत क्षेत्रों में ज्ञान प्रतियोगिता, भारत माता पूजन, तिरंगा यात्राएं आदि बैठक में प्रदेश संगठन मंत्री आशीष वाजपेयी ने प्रशिक्षण अभ्यास वर्ग में आने वाले कार्यकर्ताओं को भिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सीमा दर्शन सीमांत क्षेत्रों में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की रोकथाम में समाज की भूमिका, राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी, ग्राम सुरक्षा समितियों का गठन एवं सुदृढ़ीकरण, सुरक्षा प्रहरी की अवधारणा एवं कार्य, देश की सीमाएं सुरक्षित रहें इसके लिए सीमांत गांवों का मजबूत होना आवश्यक है । सीमांत क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनाकर ही पलायन को रोका जा सकता है। राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। इसके लिए समाज की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। 25 और 26 जुलाई को होने वाली बैठक में प्रांत कार्यकारिणी सदस्य गणेश जोशी ,नैनीताल विभाग कार्यवाह रमेश ओली जिला महामंत्री अमित सिंह बिष्ट कैलाश पांडे मोहन सिंह हिमांशु तिवारी ,गुरुदेव सिंह बाजवा ,घनश्याम अग्रवाल ,प्रेम प्रकाश आदि पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

सड़क हादसे में तीन लोग घायल एक की दर्दनाक मौत

खटीमा। मझोला बिजटी मार्ग पर दो बाइकों की भीषण भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि जोरदार भिड़ंत में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हादसे के बाद मौके चीख पुकार मच गई और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई सूचना पर पहुंची स्त्रहमील पुलिस ने घायलों को निजी वाहन से प्राइवेट अस्पताल भिजवाया जहां एक व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। बृहस्पतिवार दोपहर को मझोला बिजटी मार्ग पर भीषण हादसा हो गया जिसमें ग्राम सूनपहर निवासी गुरदेव सिंह पुत्र दर्शन सिंह आयु 55 अपने साथी इन्द्रजीत सिंह पुत्र ज्ञान सिंह आयु 57 प्लेटिना बाइक संख्या यूपी 26एएस3602 से मझोला बाजार से लौट रहे थे जैसे ही दोनों उलानी मोड़ के पास पहुंचे थे पीछे से आ रही बाइक यामाहा संख्या यूपी 26 एडब्लू 3309 ने पीछे से टक्कर मार दी हादसे में गुरदेव सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया जबकि इंद्रजीत सिंह की हालत चिंता जनक होने पर हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं जिला पीलीभीत थाना सुनगढ़ी गौहनिया निवासी सौरभ पुत्र जमन लाल आयु 19 व प्रिया पुत्री प्रदीप सिंह आयु 15 भी गम्भीर रूप से घायल हो सौरभ की हालत चिंता जनक होने पर बरेली रेफर कर दिया। हादसे के बाद पुलिस ने दोनों बाइकें हिरासत में ले लिया है। इस दौरान टीम में चौकी प्रभारी राकेश राय कांस्टेबल राजेंद्र प्रसाद जगदीश नगर कोटी आदि मौजूद रहे।

मृतक गुरदेव सिंह

मोहन पाठक के सितारगंज आगमन पर भव्य स्वागत, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी के प्रतिष्ठान पर हुआ अभिनंदन

जागरण मोर्चा कार्यालय

सितारगंजः उत्तराखंड राज्य स्तरीय खेल परिषद के उपाध्यक्ष एवं राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त मोहन पाठक के प्रथम बार सितारगंज आगमन पर उनका भव्य स्वागत किया गया। यह स्वागत कार्यक्रम भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी के मीना बाजार स्थित प्रतिष्ठान पर आयोजित किया गया, जहाँ कार्यकर्ताओं और गणमान्य लोगों ने उनका जोरदार अभिनंदन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने मोहन पाठक के लंबे संघर्ष और उत्तराखंड राज्य आंदोलन में उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया। राज्य आंदोलनकारी दिगम्बर सती ने विस्तार से उनके संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मोहन पाठक एक बेहद जुझारू और समर्पित आंदोलनकारी रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य निर्माण की मांग को लेकर मोहन पाठक ने संसद में पर्चे फेंके थे और यह संकल्प लिया था कि जब तक अलग उत्तराखंड राज्य का गठन नहीं हो जाता, वे अपने बाल और दाढ़ी नहीं कटवाएंगे। उनके इस त्याग और अदम्य साहस ने आंदोलन को एक नई दिशा दी थी। भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष रवि रस्तोगी ने उनका स्वागत करते हुए अपने बयान में कहा मोहन पाठक जी का जीवन संघर्ष, समर्पण और उत्तराखंड के प्रति अटूट निष्ठा का प्रतीक रहा है। संसद में पर्चे फेंककर राज्य आंदोलन की गूंज दिल्ली तक पहुँचाने वाले हमारे ऐसे प्रेरणास्रोत नेता का उपाध्यक्ष और राज्य मंत्री बनने के बाद प्रथम बार सितारगंज आना हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। उनके मार्गदर्शन से क्षेत्र में संगठन को और मजबूती मिलेगी।"

स्वागत से अभिभूत होकर मोहन पाठक ने अपने संबोधन में कहा, उत्तराखंड राज्य का निर्माण किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि राज्य के कोने-कोने से जुड़े हर एक आंदोलनकारी और जन-जन के संघर्ष का परिणाम है। सितारगंज की इस ऊर्जावान भूमि पर कार्यकर्ताओं और आप सभी का जो अभूतपूर्व स्नेह और स्वागत मुझे मिला है, वह अविस्मरणीय है। खेल परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में मेरी पूरी कोशिश रहेगी कि प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और उन्हें उचित मंच प्रदान करने में कोई कसर न छोड़ी जाए, ताकि हमारे युवा राज्य और देश का नाम रोशन कर सकें।" भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल और मंडल अध्यक्ष मुकेश सनवाल ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उनके ओजस्वी नेतृत्व की सराहना की। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंडल महामंत्री अमित रस्तोगी ने किया। इस दौरान स्वागत करने वालों और प्रमुख रूप से उपस्थित रहने वालों में जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा राजेश जायसवाल, मंडल महामंत्री भोला जोशी, मंडल अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा संदीप बाबा, मंडल उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा कलावती, उदय ठाकुर, सभासद सचिन गंगवार, चंदन श्रीवास्तव, साने आलम, पंकज गहतोड़ी, नितिन चौहान, जीत मौर्या, अमन रस्तोगी, अनवार सुहेल, मंडल अध्यक्ष किसान मोर्चा तरसेम सिंह, दक्षिणी सोसाइटी अध्यक्ष सौरभ अरोरा, श्रीपाल वर्मा और नीरज चौहान सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फ्लाईओवर निर्माण शुरू, कल से बदलेगी यातायात व्यवस्था

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे पर लगने वाले जाम से राहत दिलाने के लिए फ्लाईओवर निर्माण कार्य शुरू किया जा रहा है। इसके कारण 25 जुलाई से अगले आदेश तक इस क्षेत्र में अस्थायी यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। यातायात पुलिस ने वाहन चालकों से अतिरिक्त समय लेकर घर से निकलने और निर्धारित डायवर्जन का पालन करने की अपील की है। यह जानकारी डीसीपी यातायात रवीना त्यागी ने दी।

डीसीपी यातायात के मुताबिक मड़ियांव की ओर से आने वाले वाहन इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे से सर्विस रोड के रास्ते टेढ़ी पुलिया की ओर जाएंगे। इसके बाद सर्विस रोड से फ्लाईओवर पर चढ़कर खुर्रमनगर की दिशा में अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। इसी तरह राम-राम बैंक की ओर से आने वाले वाहन, जिन्हें जानकीपुरम या टेढ़ी पुलिया जाना है, वे चौराहे पर बाईं ओर मुड़कर फ्लाईओवर के नीचे बने यू-टर्न का उपयोग करेंगे और वहां से अपने गंतव्य की ओर जा सकेंगे। वहीं, जानकीपुरम से आने वाले वाहन इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहा नहीं पहुंचेंगे। उन्हें आकांक्षा परिसर के बगल वाले मार्ग और अन्य वैकल्पिक रास्तों से टेढ़ी पुलिया पहुंचना होगा। वहां से निर्धारित यू-टर्न लेकर वाहन राम-राम बैंक या सीतापुर रोड की ओर जा सकेंगे।

डीसीपी के मुताबिक डायवर्जन मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के साथ आवश्यक संकेतक लगाए जाएंगे, ताकि यातायात सुचारु बना रहे। निर्माण कार्य के दौरान एम्बुलेंस, शव वाहन, फायर ब्रिगेड और स्कूली वाहनों को आवश्यकता पड़ने पर प्रतिबंधित मार्ग से भी निकाला जाएगा। किसी भी आपात स्थिति में वाहन चालक ट्रैफिक कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

होमस्टे में 14 दिन ठहरा, 51.90 हजार का बिल चुकाए बिना फरार

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। इंदिरानगर स्थित एक होमस्टे संचालक के साथ धोखाधड़ी की गई। आरोप है कि एक अतिथि करीब दो सप्ताह तक होमस्टे में ठहरा, लेकिन कमरे का किराया और भोजन का 51,900 रुपये का बिल चुकाए बिना फरार हो गया। इतना ही नहीं, वह कमरे की चाबी भी अपने साथ ले गया। शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से गुहार लगाई, जिसके बाद गाजीपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई।

इंदिरानगर सेक्टर-25/4 स्थित राही होमस्टे बी एंड बी के संचालक द्विजेंद्र सिंह के अनुसार, मऊ के इंदारा निवासी राधेश्याम 18 मई को उनके गेस्ट हाउस में ठहरा था। उसने पहचान के लिए अपना आधार कार्ड भी जमा कराया था। जिसकी प्रति, अतिथि रजिस्टर की प्रविष्टि और सीसीटीवी फुटेज होमस्टे के पास सुरक्षित हैं। संचालक के मुताबिक, एक जून को राधेश्याम ने कॉल कर बताया कि उसके दो साथी हादसे में घायल हो गये हैं। इसलिए वह आगरा और बाद में हरिद्वार जा रहे हैं। वह बिना औपचारिक चेकआउट किए होमस्टे छोड़कर चला गया। उसने न तो अतिथि रजिस्टर में चेकआउट दर्ज कराया। न ही कमरे की चाबी लौटाई। कमरे का किराया और भोजन का भुगतान भी नहीं किया। 26 जून तक बकाया राशि 51,900 रुपये हो गई थी। उसी दिन आरोपी ने व्हाट्सएप पर वापस आने का संदेश भेजा, लेकिन इसके बाद न तो लौटा और न ही किसी प्रकार का भुगतान किया। संचालक ने कई बार फोन और व्हाट्सएप के जरिए संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

राज्य मंत्री मोहन पाठक का खटीमा में स्वागत

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा। उत्तराखंड खेल परिषद के उपाध्यक्ष मोहन पाठक का खटीमा पहुंचने पर भव्य स्वागत किया। इस दौरान दर्जा मंत्री पाठक ने शहीद स्थल पहुंचकर उत्तराखंड राज्य के शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी संगठन के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें राज्य आंदोलनकारी से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की।

उत्तराखंड खेल परिषद के उपाध्यक्ष पाठक के खटीमा पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं सहित आम जनता ने फूल माला पहनकर स्वागत किया। नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने उन्हें क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उत्तराखंड राज्य निर्माण सेनानी संगठन के पदाधिकारी ने अपने ज्ञापन में सभी चिन्हित राज्य निर्माण सेनानियों को स्वतंत्रता सेनानी एवं लोकतंत्र सेनानियों की तर्ज पर 20,000 प्रतिमाह पेंशन, सरकारी एवं निजी शिक्षण संस्थानों में दो बच्चों को निशुल्क शिक्षा, 10 लाख रुपए वार्षिक स्वास्थ्य बीमा तथा 20 लाख रुपए का निशुल्क जीवन बीमा दिलाने की मांग की । ज्ञापन में रिकवरी आदेश निरस्त करने, बिजली, पानी, ग्रह कर, टोल टैक्स माफ करने की मांग की। इस अवसर पर आलोक गोयल, अमित पांडे, हरिशंकर पांडे , महेश ओली, हरीश ओली, टीकाराम गहतोड़ी, प्रवीण गुप्ता, संदीप भारती, शुभम पटवा, प्रकाश तिवारी, शेर सिंह दिगारी, रामचंद्र नौटियाल, शांति ज्याला, भगवान जोशी, हरिश्चंद्र कॉलोनी, संतोष गौरव, सूरज धामी, आशीष सहित लोग मौजूद थे।

राज्य राज्य मंत्री मोहन पाठक को ज्ञापन सौंपते उत्तराखंड राज्य निर्माण संगठन के पदाधिकारी। –जागरण मोर्चा

आयोजन हरेला पखवाड़े के अंतर्गत सेवा संकल्प फाउंडेशन का हरित संकल्प

गीता धामी के निर्देशन में वृक्षारोपण एवं पौध वितरण कार्यक्रम आयोजित

जागरण मोर्चा कार्यालय

खटीमा। उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला पखवाड़े के अंतर्गत खटीमा के ग्राम खेलड़िया के राजकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर में सेवा संकल्प फाउंडेशन की ट्रस्टी गीता धामी के निर्देशन में पौध रोपण एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मनोज शाही ने पर्यावरण संरक्षण को प्रकृति का संरक्षण बताते हुए कहा कि हम सभी लोगों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी देखभाल करना भी आवश्यक है। जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, हरित और स्वस्थ वातावरण मिल सके। उन्होंने सेवा संकल्प फाउंडेशन एवं उसकी ट्रस्टी गीता धामी का आभार व्यक्त करते हुए सभी से कम से कम एक पौध लगाकर उसकी सुरक्षा का संकल्प लेने की अपील की।

कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय पंतनगर से आये डॉ अजय प्रभाकर ने कहा कि सेवा संकल्प फाउंडेशन प्रदेशभर में समाज सेवा, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और जरूरतमंदों के कल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और कहा कि हरेला पर्व पर आयोजित यह अभियान प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का सशक्त संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामवासियों ने विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। इस दौरान सैकड़ों लोगों को निःशुल्क पौधे वितरित किए गए। इस अवसर पर क्षेत्र पंचायत सदस्य सनकेशी, इंदु देवी, पूर्व ग्राम प्रधान हिर्दयानन्द, रामायण राम श्रीकांत, महेश जोशी,शंकर दत्त जोशी, रामदरस, राजू, सतीश, दयानन्द सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं जनता मौजूद रही।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय खेलड़िया परिसर में पौधरोपण करते ग्रामीण जनप्रतिनिधि।

साइबर जालसाजों का ट्रेनिंग सेंटर बना अहमदाबाद

लखनऊ। जुलाई की शुरूआत होते ही लखनऊ पुलिस, साइबर क्राइम थाना, क्राइम ब्रांच व साइबर क्राइम सेल ने ताबड़तोड़ तीन अंरराष्ट्रीय फर्जी कॉल सेंटर गिरोह का खुलासा किया। तीनों गिरोह के तार सीधे तौर पर गुजरात के अहमदाबाद से जुड़े मिले। पुलिस ने यह तीनों फर्जी कॉल सेंटर एक जुलाई को समिट बिल्डिंग, 16 जुलाई को ओमेक्स आर-2 और 22 जुलाई को साइबर हाइट्स में पकड़ा है। इन सभी गिरोह में दो के संचालक अहमदाबाद से नेटवर्क संचालित कर रहे थे। तो साइबर हाइट्स में पकड़े गये गिरोह के सरगना की ट्रेनिंग अहमदाबाद में हुई थी। वहीं से आकर उसने नेटवर्क खड़ा किया था। समिट बिल्डिंग में पकड़े गए काल सेंटर का मास्टरमाइंड चार्ल्स तक पुलिस नहीं पहुंच सकी है।

निर्माणाधीन अपार्टमेंट के सातवें तल से गिरे मजदूर, चार घायल

जागरण मोर्चा कार्यालय

लखनऊ। महानगर के विज्ञानपुरी कालोनी में शालीमार गैलेंट के निर्माणाधीन 16 मंजिला अपार्टमेंट की सातवीं मंजिल का पाढ़ टूटने से चार मजदूर नीचे गिर गये। हादसे में चारों गंभीर रुप से घायल हो गये। सभी को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक का पैर टूटा है जबकि दो मजदूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है। चौथे को मामूली चोट आई है। उसे प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया है। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस, प्रशासन व एलडीए के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण किया और घायलों की जानकारी हासिल की।

एसीपी महानगर अंकित कुमार के मुताबिक घायल मजदूरों में बिहार के समस्तीपुर निवासी छोटू कुमार (28), सुरेन्द्र कुमार (45), निक्कू (24) और मोनू (25) हैं। चारों विज्ञानपुरी में निर्माणाधीन अपार्टमेंट के सातवें तल पर प्लास्टर कर रहे थे। मजदूरों ने लोहे के पाइप की पाढ़ बना रखी थी। पाइप किनारे में खंभे और शटरिंग से बंधे थे। उसी पर चारों मजदूर खड़े होकर दीवार पर प्लास्टर कर रहे थे। इस बीच एकाएक पाइप टेढ़ा हुआ और पाढ़ टूट गई। चारों मजदूर नीचे गिर गए। गंभीर रूप से घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर दौड़े कर्मचारियों और व्यवस्थाधिकारियों ने शटरिंग के नीचे दबे हुए चारों मजदूरों को आनन फानन निकाला। उन्हें क्षेत्र स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं, एक सामान्य है। घटना की जानकारी पर महानगर पुलिस, जिलाप्रशासन और एलडीए के अफसर मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण किया और चले गए। एसीपी ने बताया कि घायलों का उपचार चल रहा है। एक का पैर टूटा है दो अन्य को भी चोट ज्यादा है। चौथे को कम लगी है।

एक नजर

चार बच्चों की मां कथित प्रेमी के साथ घर से गई

पूरनपुर। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में चार बच्चों की मां के कथित प्रेमी के साथ घर से चले जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। महिला का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। चार बच्चों को घर पर ही छोडने के साथ ही घर में रखी कुछ नकदी और जेवरात भी ले गई। महिला के घर से जाने के बाद उसके चारों बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारी परिवार के अन्य सदस्यों पर आ गई है। घटना को लेकर गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पड़ोसी और ग्रामीण भी मामले को लेकर अलग-अलग तरह की बातें कर रहे हैं, लेकिन पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले किसी निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा। घटना की जानकारी मिलने पर परिजनों ने पूरनपुर कोतवाली पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और महिला को सकुशल बरामद करने तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है और महिला की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर जानकारी जुटाई जा रही है।

मुख्य विकास अधिकारी का विकास भवन में औचक निरीक्षण

चार कर्मचारी अनुपस्थित मिले, स्पष्टीकरण तलब कर वेतन रोकने के दिए निर्देश

विकास भवन में औचक निरीक्षण करते मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्र। -जागरण मोर्चा

कार्यालयों के अभिलेख एवं व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते सीडीओ। -जागरण मोर्चा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते मुख्य विकास अधिकारी। -जागरण मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्र ने गुरुवार सुबह करीब 10:15 बजे विकास भवन का औचक निरीक्षण कर विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली और कार्यालय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान कई कार्यालयों में कर्मचारी अनुपस्थित मिलने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण लेने तथा अनुपस्थिति अवधि का वेतन रोकने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत राज कार्यालय, जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय, सहायक निदेशक (निबंधक) सहकारी समितियां, जिला विकास अधिकारी कार्यालय एवं उपायुक्त श्रम-रोजगार कार्यालय सहित अन्य विभागों का निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान समाज कल्याण कार्यालय में वरिष्ठ सहायक लता कुमारी, यूपीनेडा कार्यालय में वरिष्ठ सहायक अमित कुमार, अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में वरिष्ठ सहायक नदीम अहमद तथा जिला प्रोबेशन कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सुमित कुमार अनुपस्थित पाए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी अनुपस्थित कर्मचारियों का स्पष्टीकरण तलब करने और उनकी अनुपस्थिति अवधि का वेतन रोकने के निर्देश संबंधित विभागाध्यक्षों को दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यालयों में अभिलेखों के बेहतर रखरखाव पर भी जोर दिया। उन्होंने अलमारियों के ऊपर रखे अभिलेखों को व्यवस्थित रूप से अलमारियों के अंदर रखने, पुराने रिकॉर्ड की नियमानुसार वीडिंग कराने तथा प्रत्येक अलमारी पर संबंधित पटल सहायक के पदनाम की स्लिप लगाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने सभी कार्यालयों में नियमित साफ-सफाई बनाए रखने, अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण करने तथा कार्यालयीन कार्यों में अनुशासन और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिए।

कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन सख्त, एसपी-डीएम ने अफसरों को दिए सुरक्षा और यातायात के कड़े निर्देश

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। आगामी श्रावण माह में कांवड़ यात्रा और जलाभिषेक के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं निर्बाध यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पीलीभीत प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। गुरुवार को गांधी सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव और जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने संयुक्त रूप से अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा कर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अहम दिशा-निर्देश जारी किए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने, यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने, ओवरलोडिंग और ओवरस्पीडिंग पर सख्त कार्रवाई करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉट पर सुधारात्मक कार्य तेजी से कराए जाएं, जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। श्रावण माह के दौरान निकलने वाली कांवड़ यात्रा को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अधिकारियों को कांवड़ मार्गों का पूर्व निरीक्षण करने, संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, बैरिकेडिंग, पार्किंग और आवश्यकता पड़ने पर रूट डायवर्जन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही यातायात का सुचारु संचालन बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए।एसपी और डीएम ने स्पष्ट कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और सड़क सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। सभी संबंधित विभागों को संयुक्त कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए, ताकि कांवड़ यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक विक्रम दहिया, नताशा गोयल, क्षेत्राधिकारी यातायात आकृति पटेल सहित पुलिस, परिवहन, लोक निर्माण, स्वास्थ्य और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों से कहा गया कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क सुरक्षा, जनहित और श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

गांधी सभागार में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कांवड़ यात्रा एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव तथा अन्य अधिकारी। -जागरण मोर्चा

17 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप, मोबाइल और नकदी भी साथ ले गई

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत/बरखेड़ा। थाना बरखेड़ा क्षेत्र के गांव बस्थना निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पीड़ित ने मामले में नामजद युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। गांव बस्थना निवासी राम स्वरूप पुत्र राम प्रसाद के अनुसार बुधवार की सुबह करीब आठ बजे अपने खेत पर फसल देखने गए थे। इसी दौरान उनकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को आरोपी शिवनंदन, निवासी ग्राम महद खास दियोरिया कलां का निवासी अपने साथ बहला-फुसलाकर ले गया। आरोप है कि किशोरी अपने साथ पिता स्मार्टफोन तथा दो हजार रुपये नकद भी ले गई। पीड़ित ने बताया कि घटना के समय घर पर उसकी बड़ी विवाहित पुत्री पूनम देवी अपने 18 माह के बच्चे के साथ मौजूद थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी पहले भी मोबाइल से देर रात कई बार फोन कर उन्हें परेशान करता रहा है।पीड़ित ने थाना पुलिस को तहरीर देकर मामले में रिपोर्ट दर्ज कर नाबालिग पुत्री की सकुशल बरामदगी तथा आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि प्राप्त तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

किशोरी से दुष्कर्म के आरोप में चार लोग गिरफ्तार

न्यूरिया। पुलिस ने किशोरी को ले जाने व दुष्कर्म के मामले में वांछित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई को थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि ग्रामीण की नाबालिग पुत्री को मुख्य आरोपी जहानाबाद थाना क्षेत्र के गांव हरहरपुर निवासी मुन्ना अपने साथियों की मदद से ले गया था। किशोरी के साथ आरोपियों ने दुष्कर्म किया था। पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमें गठित की गई थीं। पुलिस ने 20 जुलाई को किशोरी को खोज लिया था। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर सुनगढ़ी थाना क्षेत्र स्थित टाइगर तिराहे से मामले में वांछित मुन्ना, कय्यूम, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद जाबिर को गिरफ्तार कर लिया गया।

घोषणापत्र की काली हकीकत! भाजपा पर बरसे शाने अली, बोले 90% वादे अधूरे, 2027 में जनता देगी जवाब

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। पूर्व कैबिनेट मंत्री हाजी रियाज अहमद के पुत्र तथा बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी शाने अली ने गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उसके चुनावी वादों, किसान नीति, शिक्षा व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को लेकर कई गंभीर आरोप लगाए। हाथ में वर्ष 2022 का भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र और बांह पर काली पट्टी बांधकर पहुंचे शाने अली ने कहा कि सरकार ने जनता से किए अधिकांश वादों को पूरा नहीं किया और चार वर्ष बीत जाने के बाद भी विकास केवल सरकारी दावों और विज्ञापनों तक सीमित है।उन्होंने दावा किया कि भाजपा के घोषणा पत्र का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा आज भी अधूरा है, जबकि केवल 10 प्रतिशत कार्य कागजों और सरकारी दावों तक सीमित दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय जनता को बड़े-बड़े सपने दिखाकर सत्ता हासिल की गई, लेकिन उन सपनों को साकार करने की कोई गंभीर कोशिश नहीं हुई। सरकार का पूरा कार्यकाल केवल प्रचार-प्रसार और घोषणाओं तक सिमट गया है। शाने अली ने किसानों की बदहाल स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि जिन किसानों के नाम पर वोट मांगे गए, आज वही किसान अपनी मेहनत की कमाई के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। उन्होंने गन्ना राज्य मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा मझोला चीनी मिल शुरू कराने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक मिल चालू नहीं हो सकी। इतना ही नहीं, पीलीभीत के किसानों का गन्ना भुगतान भी समय पर नहीं हो पा रहा, जिससे किसान आर्थिक संकट में फंसते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। शिक्षित युवा रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं, जबकि सरकार रोजगार सृजन के बजाय केवल आंकड़ों का खेल खेल रही है। शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है।दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्र आंदोलन का उल्लेख करते हुए शाने अली ने आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने वाले छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों, छात्राओं और महिलाओं के साथ पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई बेहद निंदनीय है और लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा, "मैं स्वयं एक शिक्षक हूं और विद्यालय संचालित करता हूं। मुझे पता है कि बच्चे अपने भविष्य के लिए कितनी मेहनत करते हैं। उनकी आवाज सुनने के बजाय उन पर लाठियां बरसाना किसी भी लोकतांत्रिक सरकार को शोभा नहीं देता।"उन्होंने कहा कि जनता अब सरकार के दावों और जमीनी हकीकत के बीच का अंतर समझ चुकी है। विकास के बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन रोजगार, शिक्षा, कृषि और उद्योग जैसे मूलभूत क्षेत्रों में अपेक्षित काम नहीं हुआ। किसानों को फसल का उचित मूल्य नहीं मिल रहा, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा और छात्र अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं। प्रेसवार्ता के दौरान शाने अली ने सरकार से मांग की कि चुनावी घोषणा पत्र में किए गए अधूरे वादों को तत्काल पूरा किया जाए, किसानों का बकाया गन्ना भुगतान बिना देरी के कराया जाए, मझोला चीनी मिल को शीघ्र चालू किया जाए तथा युवाओं और छात्रों के हित में ठोस एवं प्रभावी निर्णय लिए जाएं। आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर भी उन्होंने बड़ा राजनीतिक संकेत दिया। उन्होंने कहा कि वह लगातार जनता के बीच रहकर उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ेंगे और वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव पूरी मजबूती के साथ लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब फैसला जनता के हाथ में है और प्रदेश की राजनीति में बदलाव की शुरुआत भी जनता ही करेगी। साथ ही उन्होंने स्पष्ट कहा कि वह भाजपा की नीतियों का लगातार विरोध करते रहेंगे और जनता से जुड़े हर मुद्दे को मजबूती से उठाते रहेंगे।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते शाने अली।

तैयारी

फील्ड डायरेक्टर पीपी सिंह बोले टीम भावना, संवाद और आधुनिक तकनीक से वन संरक्षण होगा और मजबूत

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वन कर्मियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। पीलीभीत टाइगर रिजर्व मुख्यालय स्थित वन शहीद कुंदनलाल सभागार में दैनिक वेतनभोगी से न्यूनतम वेतनभोगी बने वन कर्मियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। विश्व प्रकृति निधि (WWF) के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में वन संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा, आधुनिक तकनीक और मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन से जुड़े विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए पीलीभीत टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर पीपी सिंह ने कहा कि टीम भावना के साथ एक परिवार की तरह कार्य करने से ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो पहचान मिली है, उसका सबसे बड़ा श्रेय ग्राउंड लेवल पर कार्य करने वाले वन कर्मियों को जाता है। उन्होंने कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं होती और इसे किसी भी व्यक्ति तथा किसी भी उम्र में सीखा जा सकता है। पीपी सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने स्वयं फॉरेस्ट गार्ड और वॉचरों से वन्यजीवों के बारे में बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि पदोन्नति के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ गई हैं, इसलिए कार्य के दौरान संवादहीनता की स्थिति नहीं बनने देनी चाहिए और वरिष्ठ अधिकारियों से निरंतर संपर्क बनाए रखना चाहिए, ताकि किसी भी चुनौतीपूर्ण स्थिति का समय रहते समाधान किया जा सके। तराई आर्क लैंडस्केप परियोजना के समन्वयक डॉ. मुदित गुप्ता ने कहा कि पीलीभीत टाइगर रिजर्व की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत बनाने की जिम्मेदारी अब फील्ड स्टाफ के कंधों पर है। उन्होंने प्रशिक्षण को केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक कार्यशाला के रूप में लेने का आह्वान किया, जिससे कर्मचारी 24 घंटे की ड्यूटी के साथ अपने व्यक्तिगत जीवन और वन सुरक्षा के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सकें। प्रभागीय वनाधिकारी (DFO) मनीष सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य वन कर्मियों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ते हुए वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए और अधिक दक्ष बनाना है। वहीं, वन एवं वन्यजीव प्रभाग के प्रभागीय निदेशक भरत कुमार डीके ने एम-एस्ट्राइप्स (M-STrIPES) पेट्रोलिंग, रेस्क्यू ऑपरेशन और स्थानीय ग्रामीणों के साथ बेहतर समन्वय में फील्ड स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। वन्यजीव जैव विविधता समिति के महासचिव डॉ. अमिताभ अग्निहोत्री ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य कर्मचारियों को उनकी नई जिम्मेदारियों के अनुरूप तैयार करना है, ताकि वे वन सुरक्षा के साथ-साथ मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी प्रभावी भूमिका निभा सकें। विश्व प्रकृति निधि (WWF) के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी नरेश कुमार ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में टाइगर रिजर्व के 270 वन कर्मियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान पूर्व वन अधिकारी विक्रम तोमर, रामशंकर मंडोला तथा WWF के दबीर हसन द्वारा वन्यजीव ट्रैकिंग, मॉनिटरिंग, मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन, कानून प्रवर्तन एवं फील्ड सुरक्षा जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करते पीलीभीत टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर पीपी सिंह एवं अन्य अधिकारी। -जागरण मोर्चा

प्रशिक्षण सत्र में मौजूद वन कर्मी एवं अधिकारियों को संबोधित करते विशेषज्ञ।

संक्षेप समाचार

गौरी शंकर मंदिर में श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया भगवान परशुराम विग्रह स्थापना दिवस

भगवान परशुराम का पंचामृत अभिषेक एवं पूजन-अर्चन करते ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी। -जागरण मोर्चा

पीलीभीत। शहर के प्रतिष्ठित श्री गौरी शंकर मंदिर में भगवान परशुराम विग्रह स्थापना दिवस एवं परशुराम अष्टमी का पावन पर्व मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा, पीलीभीत के तत्वावधान में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान परशुराम का पूजन-अर्चन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य विशेष मिश्रा के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ। महासभा के अध्यक्ष अशोक बाजपेई ने संकल्प लिया और अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद महासभा के महामंत्री दीपक शुक्ला, महिला जिलाध्यक्ष गीता बाजपेई सहित अन्य पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम का पंचामृत से विधिवत अभिषेक किया। मंदिर के महंत जयशंकर शर्मा 'लल्ला महंत' ने भगवान का शुद्धोदक स्नान कराकर नवीन वस्त्र एवं आभूषण अर्पित किए। इसके पश्चात पुष्पमाला, अक्षत, नैवेद्य और फल अर्पित कर सामूहिक पुष्पांजलि दी गई। भगवान के दिव्य श्रृंगार के बाद सामूहिक प्रार्थना एवं भव्य महाआरती संपन्न हुई। आरती के उपरांत भगवान को भोग अर्पित किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे एवं शरबत-प्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन के दौरान शिवम कश्यप एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत भजन संध्या ने पूरे मंदिर परिसर को भक्तिमय वातावरण से सराबोर कर दिया। देर रात तक श्रद्धालु भजनों की स्वर लहरियों पर भाव-विभोर होकर भगवान परशुराम का गुणगान करते रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा, पीलीभीत द्वारा किया गया। इस अवसर पर संरक्षक रमेशचंद्र पांडेय, अध्यक्ष अशोक बाजपेई, महामंत्री दीपक शुक्ला, कोषाध्यक्ष अवधेश पाठक, महिला जिलाध्यक्ष गीता बाजपेई, महिला जिला महामंत्री सूर्यवाला शर्मा, नगर अध्यक्ष रणवीर पाठक, नगर महामंत्री जयशंकर शर्मा 'लल्ला महंत', नगर उपाध्यक्ष राजीव राय, युवा जिलाध्यक्ष हर्षित अग्निहोत्री, नगर उपाध्यक्ष महेश मिश्रा, युवा नगर अध्यक्ष अमित अवस्थी सहित अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे। विशेष रूप से राजीव त्रिवेदी, धर्मेंद्र मिश्रा, श्रीराम शर्मा, अक्षय द्विवेदी, अथर्व वाजपेई, कुशाग्र मिश्रा, अमित दीक्षित, केशव दीक्षित, उज्ज्वल मिश्रा, रुद्र शर्मा, रुद्रांश मिश्रा, वंश मिश्रा, संतोष शर्मा, महेंद्र गुप्ता, दिवाकर मिश्रा, राजा मिश्रा, रेनू शर्मा, रज्जो मिश्रा, सूर्यांश, मुकेश शर्मा, नरेश द्विवेदी, संजीव मिश्रा, हरीश कुमार, अरुण शर्मा, भारत भूषण पांडे, प्रदीप तिवारी एवं अर्जुन दास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आयोजन में सहभागिता की।

पाइप के टुकड़े को लेकर विवाद, बुजुर्ग से मारपीट में टूटा दांत

पीलीभीत। कस्बा बरखेड़ा के कुंदनपुर गौटिया मोहल्ले में पाइप लाइन बिछाने के दौरान पड़े पाइप के एक टुकड़े को लेकर विवाद हो गया। बुजुर्ग ने आरोप लगाया है कि नाती को गाली देने का विरोध करने पर पड़ोसी ने अपने बेटे के साथ घर में घुसकर मारपीट की, जिससे उनका दांत टूट गया और शरीर पर चोटें आईं।वार्ड नंबर-1 निवासी धनीराम पुत्र भगवान दास ने थाना बरखेड़ा में दी गई तहरीर में बताया कि कस्बे में पानी की टंकी की पाइप लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। इसी दौरान उनका छह वर्षीय नाती शेखर बेकार पड़ा पाइप का एक टुकड़ा उठा लाया। आरोप है कि मोहल्ले के छदम्मी लाल ने बच्चे को गंदी गालियां देते हुए पाइप ले जाने पर आपत्ति जताई। जब धनीराम ने इसका विरोध किया तो छदम्मी लाल भी उनसे अभद्रता करने लगा।पीड़ित का आरोप है कि इसी बीच छदम्मी लाल का छोटा पुत्र छोटेलाल उनके घर में घुस आया और डंडे व थप्पड़ों से मारपीट कर दी। इस हमले में उनका एक दांत टूट गया तथा शरीर पर कई चोटें आईं। आरोप है कि मारपीट के बाद दोनों आरोपियों ने पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।पीड़ित ने थाना बरखेड़ा पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जहां मेहनत को मिला मंच, वहीं सपनों ने भरी सफलता की उड़ान"

बेन-हर पब्लिक स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मेधावी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को सम्मानित करते जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह।

पीलीभीत। प्रतिभा जब परिश्रम से मिलती है तो सफलता इतिहास रचती है। इसी सोच को साकार करते हुए बेन-हर पब्लिक स्कूल, पीलीभीत में गुरुवार को कक्षा 12 (सत्र 2025-26) के मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के सम्मान में भव्य "फेलिसिटेशन एवं कैश अवार्ड समारोह" आयोजित किया गया। समारोह केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह उन विद्यार्थियों की मेहनत, उनके अभिभावकों के त्याग और शिक्षकों की लगन को सार्वजनिक सम्मान देने का प्रेरणादायी अवसर बन गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह (आईएएस) ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। मां सरस्वती की वंदना के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। विद्यालय परिसर विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों की मौजूदगी से खचाखच भरा रहा और पूरा वातावरण उत्साह, गर्व तथा प्रेरणा से सराबोर दिखाई दिया। अपने संबोधन में जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए केवल अच्छे अंक पर्याप्त नहीं होते, बल्कि अनुशासन, समय का सम्मान, निरंतर अभ्यास और सकारात्मक सोच ही किसी भी विद्यार्थी को वास्तविक सफलता दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि जो छात्र आज मेहनत करना सीख लेते हैं, वही भविष्य में समाज और देश के नेतृत्व की जिम्मेदारी भी बेहतर ढंग से निभाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने अभिभावकों की भूमिका को भी बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि किसी भी छात्र की उपलब्धि के पीछे उसके माता-पिता का त्याग, धैर्य और विश्वास छिपा होता है। बच्चों की सफलता केवल उनकी नहीं बल्कि पूरे परिवार की उपलब्धि होती है, इसलिए अभिभावकों का सम्मान भी उतना ही आवश्यक है। समारोह का सबसे भावुक और गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब बोर्ड परीक्षा में 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले आठ मेधावी विद्यार्थियों को मंच पर बुलाकर 11,000-11,000 की नकद पुरस्कार राशि और सम्मान प्रदान किया गया। पूरे सभागार में तालियों की गूंज के बीच विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों के चेहरे गर्व से खिल उठे। इसी क्रम में 90 से 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 19 विद्यार्थियों को 5,100-5,100 की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि ऐसे सम्मान विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊर्जा देते हैं और उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में केवल शैक्षणिक उपलब्धियों को ही नहीं, बल्कि अनुशासन और नियमितता को भी विशेष महत्व दिया गया। पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान 100 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज करने वाले तीन विद्यार्थियों को विशेष सम्मान देकर यह संदेश दिया गया कि नियमित विद्यालय आना, समय का पालन करना और पढ़ाई के प्रति गंभीर रहना भी सफलता की मजबूत नींव है। विद्यालय प्रबंधन ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को जिम्मेदार, अनुशासित, संस्कारवान और नेतृत्व क्षमता से परिपूर्ण नागरिक बनाना भी है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय कई वर्षों से मेधावी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने की परंपरा निभाता आ रहा है। विद्यालय के शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पुरस्कार किसी मंजिल का अंत नहीं बल्कि नई जिम्मेदारियों की शुरुआत होते हैं।

अखिलेश यादव की हिरासत और सपा नेताओं की नजरबंदी पर भड़की समाजवादी पार्टी, सरकार पर लोकतंत्र कुचलने का आरोप

जनपद में जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा समेत कई नेताओं को घरों में किया गया नजरबंद छात्रों-युवाओं के आंदोलन के समर्थन में सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों एवं युवाओं के समर्थन में आयोजित आंदोलन में शामिल होने जा रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने तथा प्रदेशभर में समाजवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिल्ली जाने से रोकने के विरोध में समाजवादी पार्टी ने सरकार और प्रशासन की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की है। पार्टी ने इसे लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना पर हमला बताते हुए सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया।

समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि दिल्ली में आयोजित छात्र-युवा आंदोलन में शामिल होने के लिए जनपद से भी बड़ी संख्या में पार्टी नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता जाने की तैयारी कर रहे थे। लेकिन आंदोलन में शामिल होने से पहले ही प्रशासन ने जिले के कई प्रमुख नेताओं के घरों पर पुलिस बल तैनात कर उन्हें नजरबंद कर दिया। उन्होंने बताया कि स्वयं उनके अलावा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा, पूर्व जिला महासचिव युसूफ कादरी, अजय भारती, शैलेंद्र शर्मा, नावेद अली मंसूरी तथा एक दिन पूर्व पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा सहित पार्टी के दर्जनों नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को घरों से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई। कई स्थानों पर पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी गई और नेताओं की गतिविधियों पर नजर बनाए रखी गई।जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। विपक्षी नेताओं को घरों में कैद करना, उनकी आवाज को दबाना और छात्रों-युवाओं के समर्थन में जाने से रोकना सरकार की अलोकतांत्रिक एवं दमनकारी सोच को दर्शाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता के सवालों का जवाब देने के बजाय पुलिस और प्रशासन का सहारा लेकर लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन कर रही है।उन्होंने कहा कि आज प्रदेश और देश का छात्र एवं युवा वर्ग शिक्षा, रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता, पेपर लीक, भर्ती प्रक्रिया और अपने भविष्य से जुड़े गंभीर मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहा है। ऐसे समय में उनकी आवाज उठाने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को हिरासत में लेना और समाजवादी पार्टी के नेताओं को नजरबंद करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत कदम है। सपा जिला अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा छात्रों, युवाओं, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। सरकार चाहे जितना दमन कर ले, समाजवादी कार्यकर्ता अन्याय, तानाशाही और लोकतंत्र पर होने वाले हमलों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को समाप्त करने का प्रयास किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से मांग की कि विपक्षी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं पर दमनात्मक कार्रवाई तत्काल बंद की जाए, लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान किया जाए, शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन में बाधा डालने की प्रवृत्ति समाप्त की जाए तथा छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान संवाद और सकारात्मक पहल के माध्यम से किया जाए।अंत में जगदेव सिंह जग्गा ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता से बड़ी जनता की आवाज होती है। समाजवादी पार्टी हर परिस्थिति में जनता, छात्रों और युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी और किसी भी प्रकार के दबाव या दमन से पीछे हटने वाली नहीं है।

पुलिस द्वारा हिरासत में सपा जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा व सपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्र कट्टर। -जागरण मोर्चा

एक नजर

चालक को आई झपकी, अनियंत्रित वेन पोल से टकराई

पूरनपुर। गढ़वाखेड़ा क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। चालक को अचानक झपकी आने से तेज रफ्तार वैन अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बिजली के खंभे से जा टकराई। गुरुबार को कुछ लोग बेगनार से कंही जा रहे थे। तभी गढवाखेडा के पास चालक को अचानक झपकी आ गई, जिससे उसका वाहन पर नियंत्रण समाप्त हो गया। वैन सड़क से हटकर बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़ पड़े और वैन में सवार लोगों की मदद की। हादसे के बाद कुछ देर तक मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। हालांकि राहत की बात यह रही कि वैन में सवार सभी लोग बाल-बाल बच गए। दुर्घटना में वैन के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा। घटना के बाद परिवार के लोगों ने राहत की सांस ली कि बड़ा हादसा टल गया।

रबी सीजन के लिए प्रमाणित बीजों की ऑनलाइन बुकिंग शुरू, किसानों से समय रहते आवेदन करने की अपील

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। रबी फसल की बेहतर तैयारी के लिए कृषि विभाग ने किसानों को प्रमाणित बीज एवं निःशुल्क मिनीकिट उपलब्ध कराने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिला कृषि अधिकारी विनीत कुमार ने बताया कि किसान कृषि विभाग के पोर्टल पर स्वयं मोबाइल, कंप्यूटर या लैपटॉप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिन किसानों को ऑनलाइन आवेदन करने में परेशानी हो, वे अपने नजदीकी राजकीय कृषि बीज भंडार, तकनीकी सहायक, उप संभागीय कृषि प्रसार अधिकारी कार्यालय, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय अथवा उप कृषि निदेशक कार्यालय में जाकर भी निःशुल्क बुकिंग करा सकते हैं।जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि तोरिया फसल के लिए ऑनलाइन बुकिंग 2 जुलाई से 16 अगस्त तक चलेगी तथा 17 अगस्त को ई-लॉटरी के माध्यम से पात्र किसानों का चयन किया जाएगा। इसके अलावा चना, मटर, मसूर, राई, सरसों और अलसी जैसी दलहनी एवं तिलहनी फसलों के लिए बुकिंग 10 जुलाई से 10 सितंबर तक होगी, जबकि 11 सितंबर को ई-लॉटरी निकाली जाएगी। गेहूं और जौ के प्रमाणित बीजों के लिए ऑनलाइन आवेदन 10 जुलाई से 30 सितंबर तक किए जा सकेंगे और 1 अक्टूबर को ई-लॉटरी के जरिए चयनित किसानों की सूची जारी की जाएगी।उन्होंने बताया कि केवल ई-लॉटरी में चयनित किसानों को ही पीओएस मशीन के माध्यम से अनुदानित दरों पर प्रमाणित बीज वितरित किए जाएंगे। प्रथम चरण की बुकिंग पूरी होने के बाद दूसरे और तीसरे चरण की बुकिंग भी सात-सात दिन के अंतराल पर खोली जाएगी, ताकि अधिक से अधिक किसान योजना का लाभ उठा सकें।जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और समय रहते अपना ऑनलाइन आवेदन पूरा कर लें। उन्होंने बताया कि बुकिंग के लिए कृषि विभाग के पोर्टल पर किसान का पंजीकरण होना अनिवार्य है। इस वर्ष लक्ष्य जनपद स्तर पर निर्धारित किए गए हैं, इसलिए जिले का कोई भी पंजीकृत किसान किसी भी स्थान से ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। कृषि विभाग का उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों तक गुणवत्तायुक्त प्रमाणित बीज पहुंचाकर रबी फसलों का उत्पादन बढ़ाना और किसानों की आय में वृद्धि करना है।

स्मार्ट सिटी के दौर में 'हाथ और सीटी' के भरोसे पीलीभीत

पीलीभीत। एआई और सीसीटीवी निगरानी के दौर में भी शहर की यातायात व्यवस्था आज भी पुलिस कर्मियों के हाथ और सीटी के भरोसे ही चल रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, भीड़-भाड़ वाले बाजारों, स्कूल और अस्पताल के पास तैनात जवान वाहनों को नियंत्रित करने के साथ-साथ संदिग्ध गतिविधियों पर भी नजर रख रहे हैं। तकनीक के इस जमाने में जब दूसरे शहरों में स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम काम कर रहे हैं, तब यहां अब भी पुराने तरीके से ही जाम से जूझना पड़ रहा है। शहर की आबादी दो लाख से अधिक हो चुकी है और वाहनों की संख्या 30 हजार के पार पहुंच गई है, जिसमें करीब पांच हजार ई-रिक्शा शामिल हैं। इसके बावजूद अब तक किसी भी प्रमुख चौराहे पर स्वचालित ट्रैफिक सिग्नल नहीं लगाए जा सके हैं।

छह बर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। छह बर्षीय मासूम को युवक शौचालय में ले गया। जंहा मासूम के साथ बाल अपचारी ने छेंडछांड कर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। मासूम के शोर मचाने पर परिवार के लोग पहुंच गए। पुलिस ने किशोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। नगर के एक मोहल्ला निवासी एक महिला ने बताया कि उसकी छह वर्षीय पुत्री अपनी नानी के घर पडोसी गांव में गई थी। बुदवार की शाम बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे।इसी दौरान बालिका किसी काम से अपने घर से बाहर निकली। इसी दौरान गांव निवासी एक किशोर मौके पर पहुंचा,वह मासूम का मुंह दबाकर जबरन पास के एक शौचालय में ले गया। आरोप है कि किशोर ने बालिका के साथ छेड़छाड़ कर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। बालिका की चीख पुकार सुनकर पास में खेल रहा एक अन्य किशोर मौके पर पहुंचा। उसने साहस दिखाते हुए मासूम को आरोपी के चंगुल से छुडाया। इस दौरान सूचना पर परिवार में खलवली मच गई,और उन्होंने घटना पर नाराजगी जताई,मासूम के परिजन भी मौके पर पहुंच गए। तब तक किशोर भाग निकला। घटना को लेकर खलवली मच गई। कई लोग मौके पर एकत्र हो गए। परिवार ने कोतवाली पहुंच कर घटना की जानकारी पुलिस को दी।इसके बाद परिजनों ने मामले की तहरीर पुलिस को दी। पुलिस ने किशोर के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। घटना पर लोगों ने कडी नाराजगी जताई। कोतवाल पवन पांडे मामले की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

26 जुलाई को कासगंज-ऐशबाग एक्सप्रेस ट्रेन का होगा शुभारंभ

जागरण मोर्चा कार्यालय

पूरनपुर। तराई क्षेत्र के रेल यात्रियों का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। 26 जुलाई को कासगंज-ऐशबाग (लखनऊ) एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारंभ होगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री और पीलीभीत के सांसद जितिन प्रसाद पूरनपुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल होकर क्षेत्रवासियों को संबोधित करेंगे। नई ट्रेन के संचालन से न केवल पीलीभीत और पूरनपुर के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि बदायूं, कासगंज, बरेली, मैलानी, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और लखनऊ के बीच यात्रा पहले से कहीं अधिक आसान और सुविधाजनक हो जाएगी। रेलवे के इस फैसले को तराई क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। यह ट्रेन प्रतिदिन कासगंज से चलकर बदायूं, बरेली, इज्जतनगर, पीलीभीत, पूरनपुर, मैलानी, गोला गोकर्णनाथ, लखीमपुर, सीतापुर, सिधौली और मोहिबुल्लापुर होते हुए ऐशबाग (लखनऊ) पहुंचेगी। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और मध्य उत्तर प्रदेश के बीच सीधा रेल संपर्क और मजबूत होगा। इससे यात्रियों का सफर सुगम होगा। इसको लेकर लोगों में खुशी की लहर देखी जा रही है। कम दूरी तय कर यात्री अपने गत्वय तक पहुंच जाएंगे। लोगों केंद्रीय मंत्री के इस कार्य की सरहाना कर रहे है।

संगठन जितना मजबूत, व्यापारी उतना सुरक्षित: अर्जुन सिंह

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल (पंजीकृत) की गुरुवार को शहर के एक होटल में आयोजित बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों और व्यापारी हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पदाधिकारियों ने संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत बनाने के साथ ही व्यापारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह टहलानी ने की। मुख्य अतिथि के रूप में बरेली से आए मंडल प्रभारी समित अग्रवाल तथा युवा इकाई के मंडल अध्यक्ष शुभम अग्रवाल मौजूद रहे, जबकि युवा इकाई के मंडल कोषाध्यक्ष मुकुल मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मीटिंग के दौरान एकत्रित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य। -जागरण मोर्चा

बैठक में बरेली मंडल की युवा इकाई के गठन को लेकर संभावित नामों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अलावा अगले माह प्रस्तावित शपथ ग्रहण समारोह, व्यापारियों के लिए मेडिकल इंश्योरेंस योजना तथा संगठन के आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से मंथन किया गया।

मुख्य अतिथि समित अग्रवाल ने कहा कि संगठन की नींव जिन वरिष्ठ व्यापारिक नेताओं ने रखी थी, वह आज विशाल स्वरूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि संगठन की ताकत उसकी एकजुटता है और इसी शक्ति के बल पर व्यापारी समाज के हितों की प्रभावी ढंग से रक्षा की जा सकती है।

अध्यक्षीय संबोधन में जिलाध्यक्ष अर्जुन सिंह टहलानी ने कहा कि बदलते व्यापारिक परिवेश में संगठित रहना समय की आवश्यकता है। उन्होंने सभी व्यापारियों से संगठन को मजबूत बनाने और व्यापारी हितों की लड़ाई में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। बैठक में प्रांतीय संगठन मंत्री जितेंद्र गुप्ता, मंडल उपाध्यक्ष डालचंद सक्सेना, मंडल मंत्री रतन नाथ मिश्रा, जिला महामंत्री स्वतंत्र देवल एवं पीयूष अग्रवाल, युवा जिलाध्यक्ष नितेंद्र नाथ मिश्रा, युवा जिला महामंत्री शोभित गुप्ता, युवा नगर अध्यक्ष प्रतीक सक्सेना, युवा नगर महामंत्री सागर देवल, युवा नगर उपाध्यक्ष राहुल सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार गजवानी एवं जंगबहादुर सिंह, नौगवां इकाई के नगर महामंत्री राकेश गंगवार, नगर उपाध्यक्ष अनूप चौहान, नगर कोषाध्यक्ष अखिलेश गंगवार, संतोष सक्सेना सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने का संकल्प लिया गया।

संक्षेप समाचार

फरार वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

पूरनपुर। न्यायालय में लगातार हाजिर न होने पर कोर्ट द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। घुंघचाई थाना क्षेत्र के गांव नगरिया टांडा निवासी सुखदेव सिंह कोका दर्ज मुकदमे की सुनवाई न्यायालय में चल रही थी। इसके बावजूद वह लगातार पेशी पर अनुपस्थित रहा। कई बार तलब किए जाने के बाद भी न्यायालय में उपस्थित न होने पर कोर्ट ने उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया। वारंट जारी होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। गुरुवार को घुंघचाई पुलिस को आरोपी के क्षेत्र में मौजूद होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दबिश दी और नगरिया गांव से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे थाने लाकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी की गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि न्यायालय के वारंट पर फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी है। ऐसे सभी वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर न्यायिक प्रक्रिया का पालन कराया जा रहा है।

हटाए गए अर्दली के पूरनपुर में देखे जाने से चर्चाएं तेज

पूरनपुर। भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के आरोपों के चलते हटाए गए एक अर्दली की एक बार फिर पूरनपुर वापस आने की चर्चाएं क्षेत्र में तेज हो गई है। उसकी वापसी को लेकर लोगों के बीच तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। पूर्व उप जिलाधिकारी रहे अजीत प्रताप सिंह के कार्यकाल में रजत कुमार पर खनन माफियाओं और राइस मिलरों से बसूली करने सहित कई आरोप लगे थे। तत्कालीन जिलाधिकारी संजय कुमार ने तहसील से हटाने के निर्देश दिए थे। वसूली के आरोपों के बाद उसको पूरनपुर से हटा दिया गया था। उस समय मामले ने खूब तूल पकडा था। शिकायतों के आधार पर जांच कि गई थी। जांच में मामला पाया गया था। जिस पर कार्रवाई की गई थी। और उसको हटा दिया गया था।तत्कालीन उपजिलाधिकारी अजीत प्रताप सिंह के जाने के बाद मंयक गोस्वामी ने कार्यभार ग्रहण किया। कुछ ही दिन बाद अर्दली रजतकुमार कि पूरनपुर तहसील में दोबारा मौजूदगी की जानकारी सामने आई है। अब उसकी दोबारा पूरनपुर में वापसी देखे जाने के बाद क्षेत्र में यह मामला फिर चर्चा का विषय बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ पहले शिकायतें सामने आई थीं, तो उसकी वापसी से पहले उन मामलों की स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। उनका मानना है कि सरकारी कार्यालयों में पारदर्शिता और निष्पक्ष कार्यप्रणाली बनाए रखने के लिए शिकायतों का गंभीरता से परीक्षण होना आवश्यक है। उपजिलाधिकारी के अनुसार रजत कुमार की स्थाई तैनाती नही है। इस समय जो अर्दली है वह अवकाश पर है। इस लिए केवल अस्थाई रुप से लगाया गया है।

अवकाश के पांच दिन बाद भी नहीं लौटे पैरामेडिकल छात्र

पीलीभीत। जिला अस्पताल के सीटी स्कैन कक्ष में 14 जुलाई को पैरामेडिकल छात्रा कशिश की हत्या के बाद मेडिकल कॉलेज के पैरामेडिकल छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियां अब तक पटरी पर नहीं लौट सकी हैं। घटना के बाद घोषित अवकाश समाप्त हुए करीब पांच दिन बीत चुके हैं, लेकिन पैरामेडिकल के छात्र-छात्राएं अब भी कक्षाओं और प्रशिक्षण पर नहीं लौटे हैं। 14 जुलाई की घटना के बाद छात्रों ने जिला अस्पताल में प्रदर्शन कर सुरक्षा, आवास और आने-जाने के लिए वाहन की व्यवस्था की मांग उठाई थी। तत्कालीन प्राचार्य ने वार्ता के बाद पहले तीन दिन और फिर तीन दिन का अतिरिक्त अवकाश घोषित किया था, लेकिन अब तक प्रशासन और छात्रों के बीच औपचारिक वार्ता नहीं हो सकी है। मेडिकल कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी लेकर छात्रों से बातचीत की जाएगी। छात्र-छात्राएं जल्द ही फिर से अपनी पढ़ाई जारी रखेंगे।

शारदा के जलस्तर में गिरावट से ग्रामीणों में राहत

माधोटांडा। बारिश के चलते तीन दिन तक बढ़ा शारदा नदी का जलस्तर बुधवार को कम हो गया। इससे नदी किनारे रहने वाले लोगों ने राहत महसूस की है। तीन दिन पूर्व से हो रही बारिश के चलते वनबसा बैराज से शारदा नदी में 1.40 लाख क्यूसेक तक पास किया गया था। इससे नदी के उफनाने से सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों की बैचैनी बढ़ गई थी, लेकिन बुधवार को जलस्तर में काफी गिरावट दर्ज की गई। बाढ़ खंड के अधिकारियों के अनुसार बुधवार को नदी का जलस्तर घटकर 70 हजार क्यूसेक पहुंच गया। नदी पर स्थिति सामान्य है।

पीलीभीत में घर में घुसकर युवक पर हमला, मामूली कहासुनी पर हुआ विवाद

पीलीभीत। मामूली कहासुनी के बाद मुस्लिम समुदाय के लोगों ने युवक के घर में घुसकर मारपीट कर दी। हमले में युवक घायल हो गया। घटना के बाद मुहल्ले में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर पांच लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी लिखकर आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। न्यूरिया के मुहल्ला खेड़ा पीपल के पास निवासी अनिल का पड़ोस में रहने वाले कुछ लोगों से रविवार को छोटी-मोटी कहासुनी हो गई थी। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते देर शाम वसीम, कामिल, छोटे, सोहिल, अकील खां और अकील का एक अन्य नाबालिग बेटा अनिल के घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपितों ने अनिल पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों में से एक ने चाकू से उसके हाथ पर वार कर दिया, इससे वह लहूलुहान हो गया। आरोपितों ने उसे और परिवार को जान से मारने और मुहल्ले से भगाने की धमकी भी दी। सूचना पर डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए भेजा। थाना प्रभारी दिगंबर सिंह ने बताया कि अनिल शिकायती पत्र के आधार पर पांच नामजद और एक अज्ञात के विरुद्ध मारपीट, धमकी की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए दबिश देना शुरू कर दी है। वहीं, मामले की सूचना पर सीओ नताशा गोयल मौके पर पहुंची, उन्होंने आसपास के लोगों से विवाद को लेकर पूछताछ की। मामला दो समुदाय का होने के कारण पुलिस बल को तैनात दिया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपितों पर शिकायत के आधार पर प्राथमिकी पंजीकृत की गई है। मामले की जांच चल रही है, जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

आयोजन युवा टीम का भी हुआ दमदार गठन, व्यापारियों ने एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने का लिया संकल्प

पूरनपुर में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की नई कार्यकारिणी गठित

जागरण मोर्चा कार्यालय

पीलीभीत। तहसील पूरनपुर के एक होटल में रविवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल, पूरनपुर की नई नगर कार्यकारिणी तथा युवा व्यापार मंडल की कार्यकारिणी का गठन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लेकर संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जिले से पहुंचे संगठन के संरक्षक संजीव मोहन अग्रवाल एवं जिला अध्यक्ष अनूप अग्रवाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र, पटका एवं माल्यार्पण कर सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा व्यापारी हितों के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष देवेश बंसल एवं प्रदेश मंत्री अश्विनी अग्रवाल ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में व्यापारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। नई नगर कार्यकारिणी संरक्षक के रूप में महेंद्र मिश्रा एवं आलोक गुप्ता, नगर अध्यक्ष नितिश अग्रवाल, महामंत्री विकास गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास अग्रवाल, अनुज गुप्ता, सुधीर अग्रवाल एवं मेराज अली खान, उपाध्यक्ष मोहम्मद सलीम, डॉ. रोहित सिंह, सूर्यांश वर्मा, सिकंदर एवं दीपक मनचंदा, मंत्री राहुल अग्रवाल, राजू गुप्ता, अवनीश गुप्ता, अनूप गुप्ता एवं अंतरिक्ष देवल, कोषाध्यक्ष ऋषभ अग्रवाल, मीडिया प्रभारी आशीष गुप्ता, मंत्री हरिओम पांडे तथा उपाध्यक्ष शिवशंकर अग्निहोत्री एवं अंकित अग्रवाल को जिम्मेदारी सौंपी गई। युवा व्यापार मंडल की नई टीम युवा नगर अध्यक्ष संजीव यादव, महामंत्री सुभाष गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि वर्मा, दीपक कुमार एवं सुमित कुशवाहा, उपाध्यक्ष हरिशंकर पांडे, संदीप मनचंदा, विपिन पांडे, गोपाल जोशी एवं पंकज सक्सेना, मंत्री राहुल गुप्ता एवं मोहम्मद अहमद, तथा कोषाध्यक्ष मारूत चावला को मनोनयन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने व्यापारियों के हितों की रक्षा, संगठन को मजबूत बनाने और व्यापारी एकता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र व माल्यार्पण कर सम्मानित करते संगठन के प्रदेश व जिला पदाधिकारी। -जागरण मोर्चा

दर्ज केस में समझोता ना लेने पर दी जा रही धमकी

जागरण मोर्चा कार्यालय

कलीनगर/पूरनपुर। दीवार गिरने के मामले में दर्ज मुकदमे में समझौता ना करने पर पीडित पक्ष को फोन पर धमकी दी जा रही। यंहा तक कि झूठे केस में फंसाने की धमकी दी जा रही है। शिकायत एसपी से की गई है। पीलीभीत सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला वाग गुलशेर खां निवासी रामकुमार यादव ने बताया कि उसकी पत्नी शांति देवी के नाम कलीनगर में गाटा संख्या 512 रक्वा 0.806 हैक्टेयर सहखातेदारी में दर्ज है। उसका से खातेदारों से रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था। इसके निस्तारण के लिए सात जुलाई को उप जिलाधिकारी कलीनगर के द्वारा टीम गठित कर नाप कराई थी। उसके बाद उसने अपने हिस्से पर दीवार वनाई थी। 18 जुलाई को कलीनगर के वार्ड नंबर 7 निवासी विनोद, नरेश कुमार,प्रताप यादव,शीशपाल, प्रियंका यादव व लीलावती ने मिलकर उसकी दीवार गिरा दी थी। जब विरोध किया तो गाली गलौज देते हुए मारपीट करने पर आमादा हो गए थे। शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी थी। वमुश्किल विवाद शात कराया गया। पीड़ित ने माधोटांडा पहुंच कर पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस ने आधा दर्जन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। आरोप है कि अब आरोपी पक्ष मामले में पीडित पक्ष पर समझौता करने का दवाव वनाया जा रहा है। केस वापस न लेने पर दुष्कर्म के झूंठे केस में फंसाने की धमकी दी जा रही है। अज्ञात नम्वर से वाटशाप काल कर धमकी दी जा रही है।

वनडे रैंकिंग

डेरिल मिशेल के करीब पहुंचे गिल

जो रूट की टॉप-10 में एंट्री

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा बुधवार को जारी वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में भारतीय कप्तान शुभमन गिल नंबर वन बल्लेबाज बनने के काफी करीब आ गए हैं। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट को भी काफी फायदा हुआ है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड के दिग्गज बल्लेबाज डेरिल मिशेल 802 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं। शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं। गिल और मिशेल की रेटिंग में सिर्फ एक अंक का अंतर है। विराट कोहली तीसरे स्थान पर हैं, जबकि लॉर्ड्स में हाल ही में 138 रन की पारी खेलने वाले रोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें स्थान पर हैं। पाकिस्तान के बाबर आजम और आयरलैंड के हैरी टैक्टर को 1-1 स्थान का फायदा हुआ है। दोनों क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर हैं। भारत के खिलाफ संपन्न वनडे सीरीज में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे इंग्लैंड के जो रूट को 4 स्थान का फायदा हुआ है। रूट शीर्ष 10 खिलाड़ियों में वापस आ गए हैं और आठवें नंबर पर हैं। वेस्टइंडीज के शे होप को तीन स्थान का घाटा हुआ है, वे नौवें नंबर पर हैं। श्रीलंका के चरिथ असलांका एक अंक के नुकसान के बावजूद दसवें स्थान पर हैं। वनडे फॉर्मेट के शीर्ष दस गेंदबाजों की बात करें तो अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर को एक स्थान का फायदा हुआ है, वह तीसरे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर को तीन स्थान का फायदा हुआ है। सेंटनर चौथे स्थान पर हैं। दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और श्रीलंका के महिश तिक्षाणा क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर हैं। दोनों को एक-एक स्थान का नुकसान हुआ है। पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी दो स्थान के फायदे के साथ सातवें और बांग्लादेश के मेहदी हसन दो स्थान के फायदे के साथ आठवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के आदिल रशीद तीन स्थान के नुकसान के साथ नौवें और वेस्टइंडीज के गुडाकेश मोती 7 स्थान की छलांग लगाकर दसवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ

शुभमन गिल-मोसाद्देक हुसैन को पछाड़कर नाथन स्मिथ ने जीता जून माह का खिताब

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज नाथन स्मिथ 'जून 2026' के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 2-1 से टेस्ट सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कीवी खिलाड़ी ने भारतीय कप्तान शुभमन गिल और बांग्लादेशी ऑलराउंडर मोसाद्देक हुसैन जैसे दावेदारों को पीछे छोड़ते हुए यह प्रतिष्ठित सम्मान हासिल किया है। 27 वर्षीय स्मिथ ने इंग्लैंड में खेली गई 3 मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 23 की औसत से सर्वाधिक 16 विकेट चटकाए थे।

न्यूजीलैंड के कई मुख्य तेज गेंदबाजों के चोट के कारण बाहर होने के बाद स्मिथ ने जिम्मेदारी संभालते हुए दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन किया। नाथन स्मिथ ने सोमवार को 'आईसीसी' के एक बयान में कहा, 'यह वाकई बहुत खास है। टीम के लिए इंग्लैंड का दौरा शानदार रहा और यह बहुत अच्छी बात है। मैं आमतौर पर व्यक्तिगत अवॉर्ड के लिए नहीं खेलता, लेकिन यह पहचान मिलना अच्छा लगता है और इससे भी जरूरी बात यह है कि मैंने सीरीज जीतने में योगदान दिया। व्यक्तिगत रूप से, जीत में योगदान देना बहुत संतोषजनक रहा। न्यूजीलैंड के लिए मैं बस यही करना चाहता हूं- पूरी कोशिश करना और जिस भी तरह से हो सके, योगदान देना। दुर्भाग्य से, सीरीज के दौरान कुछ खिलाड़ी चोटिल हो गए थे, इसलिए मुझे आगे आकर नई गेंद से बॉलिंग की शुरुआत करनी पड़ी।

WWE के सबसे बड़े मेगा इवेंट का ऐलान

ब्रॉक लैसनर बनाम ओबा फेमी से रोमन रेंस बनाम सैथ रॉलिंस तक

नई दिल्ली। नई दिल्ली। WWE के सबसे बड़े मेगा इवेंट में से एक समरस्लैम 2026 को लेकर सुर्खियां तेज हैं। इस इवेंट के मैच कार्ड भी लगभग तय हो चुके हैं। कई

मुकाबलों का ऐलान हो चुका है, जिसमें ब्रॉक लैसनर की भिड़ंत ओबा फेमी और रोमन रेंस की भिड़ंत सैथ रॉलिंस से तय है। इस मेगा इवेंट का आयोजन अमेरिका के मिनेसोटा राज्य के शहर मिनियापोलिस में होगा। समरस्लैम के छह बड़े मैचों का कार्ड फाइनल हो चुका है। वहीं फैंस बिल्कुल ही इन सभी मैचों के शेड्यूल, समय, वेन्यू और तारीखों की जानकारी चाहते होंगे। वैसे तो इस मेगा इवेंट का आयोजन दो दिन होगा। 1 अगस्त और 2 अगस्त 2026 की रात में समरस्लैम के मुकाबले होंगे। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होने वाला है ब्रॉक लैसनर और ओबा फेमी का हेल इन ए सेल मैच, जिसमें

दोनों रेसलर पिंजड़े में भिड़ते नजर आएंगे। ब्रॉक लैसनर और ओबा फेमी के बीच विवाद रेसलमेनिया 2026 के पहले से चल रहा है। रेसलमेनिया में लैसनर को हार मिली थी। फिर क्लैश इन इटली में उन्होंने बदला लिया था। इसके बाद भी विवाद नहीं थमा और अब समरस्लैम में दोनों रेसलर्स आमने-सामने होंगे।

कब और कहां आयोजित होंगे समरस्लैम 2026 के मैच?

समरस्लैम 2026 के मुकाबले 1 और 2 अगस्त को मिनियापोलिस स्थित यूएस बैंक स्टेडियम में आयोजित होंगे। इस इवेंट की शुरुआत दोनों दिन (1 और 2 अगस्त को) ब्रिटिश समय के मुताबिक रात 11 बजे से होगी। यानी भारत में फैंस शाम 6.30 बजे से WWE समरस्लैम का लुत्फ उठा सकते हैं। सोनी टेन भारत में इसका ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर होगा। इसके अलावा ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर इसकी लाइव स्ट्रीमिंग फैंस देख सकते हैं।

कुलदीप यादव यॉर्कशायर से जुड़े, 'वन-डे कप' और 'काउंटी चैंपियनशिप' खेलते नजर आएंगे

लीड्स, । बाएं हाथ के रिस्ट-स्पिनर कुलदीप यादव ने मौजूदा घरेलू सीजन के लिए इंग्लिश काउंटी टीम यॉर्कशायर के साथ करार किया है। क्लब ने बुधवार को भारत के प्रमुख खिलाड़ी के जुड़ने की घोषणा की। इस समझौते के तहत, कुलदीप सितंबर में यॉर्कशायर के आखिरी चार काउंटी चैंपियनशिप मुकाबलों में से तीन खेलने के लिए हेडिंग्ले लौटने से पहले पांच वन-डे कप मैचों में हिस्सा लेंगे। उनका यह कार्यकाल शुक्रवार को नीथ में ग्लैमॉर्गन के खिलाफ 50 ओवरों के मैच से शुरू होगा। कुलदीप यादव इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज

का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें एक भी मुकाबला खेलने का मौका नहीं मिल सका। इस फैसले ने फैंस को हैरान किया। कुलदीप ने क्लब की तरफ से जारी बयान में कहा, 'मैं यॉर्कशायर से जुड़कर बहुत खुश हूं और इस मौके के लिए आभारी हूं। यॉर्कशायर के शानदार इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी। मुझे हमेशा इंग्लिश परिस्थितियों में खेलने की चुनौती पसंद है। मैनेजमेंट से बात करने के बाद, मैं टीम से जुड़ने के लिए बहुत उत्साहित हो गया और हेडिंग्ले में अपने समय के दौरान सकारात्मक योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।'

31 वर्षीय कुलदीप यादव ने 18 टेस्ट मुकाबलों में 22.35 की औसत के साथ 79 विकेट हासिल किए हैं। इस दौरान साल 2024 में इंग्लैंड के विरुद्ध पांच मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में 19 विकेट हासिल किए थे। वनडे फॉर्मेट में कुलदीप ने 121 मुकाबलों में 194 विकेट निकाले हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25/6 रहा है। कुलदीप ने भारत की तरफ से 54 टी20 मुकाबले खेले, जिसमें 13.74 की औसत के साथ 95 विकेट चटकाए। यॉर्कशायर के क्रिकेट महाप्रबंधक गैविन हैमिल्टन ने कहा कि कुलदीप के आने से सीजन के अहम आखिरी चरण में उनकी गेंदबाजी को मजबूती मिलेगी। हैमिल्टन ने कहा, 'कुलदीप एक बेहतरीन, अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी हैं जो इन मैचों के दौरान हमारी टीम को बहुत मजबूती देंगे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ बस 11 छक्के और बन जाएंगे T20 में नंबर 1

वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय टीम आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में हार के बाद अब जिम्बाब्वे के दौरे पर गई है। इस दौरे पर टीम इंडिया को श्रेयस अय्यर की कप्तानी में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाएगा। इस सीरीज में पहली बार वैभव सूर्यवंशी बतौर प्रमुख ओपनर बनकर गए हैं। इंग्लैंड में वैभव का प्रदर्शन खास नहीं था लेकिन अब जिम्बाब्वे सीरीज में उनके पास मौका है अपनी जगह पक्की करने का।

जिम्बाब्वे दौरे पर वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर टी20 क्रिकेट का खास वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। वह तीन मैचों की सीरीज में अगर 11 छक्के लगा देते हैं तो टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 150 छक्के पूरे करने वाले नंबर 1 बल्लेबाज बन जाएंगे। वैभव के नाम अभी तक 37 पारियों में 139 छक्के टी20 क्रिकेट में दर्ज हैं।

हालांकि, इस मामले में नंबर 1 पर काबिज खिलाड़ी ने 66 पारियों में यह कारनामा किया था। नंबर 1 पर नाम है यूएई के मोहम्मद वसीम का। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के एविन लुईस और तीसरे नंबर पर क्रिस गेल हैं। अगर वैभव ने यह कारनामा किया तो वह तीनों खिलाड़ियों को पीछे छोड़ नंबर 1 बन जाएंगे।

टी20 में सबसे तेज 150 छक्के

- मोहम्मद वसीम (UAE): 66 पारी
- एविन लुईस (WI): 70 पारी
- क्रिस गेल (WI): 72 पारी

- **सूर्यकुमार यादव को भी पीछे छोड़ सकते हैं वैभव-** वैभव सूर्यवंशी ने 37 पारियों में 139 छक्के टी20 क्रिकेट में अभी तक लगाए हैं। वह 11 छक्के और लगाते ही भारत समेत पूरी दुनिया में नंबर 1 बन जाएंगे। उनके नाम टी20 में सबसे तेज 150 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज हो सकता है। भारत के लिए यह रिकॉर्ड 86 पारियों में सूर्यकुमार यादव ने बनाया था। यानी वैभव सूर्या को भी पीछे छोड़ सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी का इंग्लैंड में कैसा रहा था प्रदर्शन?

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड सीरीज में तीन पारियों में 42 रन ही बनाए थे। उन्होंने 27 गेंद का सामना किया था जिसमें 5 छक्के और सिर्फ एक चौका उनके बल्ले से निकला था। उन्होंने तीन मैचों में 12 गेंद पर 14 रन, 5 गेंद पर 13 रन और 10 गेंद पर 15 रन बनाए थे।

रोहित नंबर 1

कोहली-गिल-श्रेयस सब पीछे

वनडे में चेज करते हुए इस दशक में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-9 भारतीय

नई दिल्ली। रोहित शर्मा की बल्लेबाजी पर सवाल उठ रहे थे, बात उनके रिटायरमेंट की भी हो रही थी, लेकिन इन सारी बातों को बीच इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में वनडे प्रारूप में उन्होंने वो कमाल कर दिखाया जो किसी भी भारतीय बल्लेबाज ने इससे पहले नहीं किया था। रोहित ने बताया कि वो अभी चूके नहीं हैं और वर्ल्ड कप 2027 में खेलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। रोहित ने लॉर्ड्स में जो 138 रन की पारी खेली थी उसके दम पर उन्होंने कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम किए।

विराट कोहली को बेशक चेज मास्टर कहा जाता हो, लेकिन इस दशक में वनडे प्रारूप में अगर चेज करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की बात करें तो इसमें रोहित शर्मा पहले नंबर पर हैं जो बताता है कि उन्होंने कितनी शानदार बल्लेबाज इस दशक में अब तक यानी साल 2020 से की है।

इस दशक में वनडे में चेज करते हुए रोहित के नाम सबसे ज्यादा रन

रोहित शर्मा इस दशक में यानी साल 2020 से लेकर अब तक भारत की तरफ से वनडे में चेज करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। रोहित ने अब तक इस दशक में वनडे में 61 की औसत और 115 की स्ट्राइक रेट के साथ चेज करते हुए कुल 1819 रन बनाए हैं जबकि दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं जिन्होंने 54 की औसत और 92 की स्ट्राइक रेट के साथ 1564 रन वनडे में चेज करते हुए बनाए हैं। शुभमन गिल लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं जिन्होंने इस दशक में वनडे में चेज करते हुए 57 की औसत और 92 की स्ट्राइक रेट के साथ 1481 रन बनाए हैं जबकि श्रेयस अय्यर ने 41 की औसत के साथ कुल 1200 रन बनाए हैं।

30 साल पुराने इनसाइडर आशीष कुमार दास संभालेंगे इंफोसिस की कमान, सलील पारेख की लेंगे जगह

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय आईटी जगत की दिग्गज कंपनी इंफोसिस में एक बड़े नेतृत्व परिवर्तन का बिगुल बज चुका है। कंपनी ने अपने तीन दशक यानी 30 साल से भी अधिक समय से जुड़े सबसे भरोसेमंद लीडर्स में से एक आशीष कुमार दास को नया 'सीईओ डेजिग्नेट' नियुक्त कर दिया है। वह 1 अप्रैल 2027 को मौजूदा सीईओ सलिल पारेख की जगह लेंगे, जो करीब 9 साल से अधिक का अपना दूसरा सफल कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं। जब पूरी आईटी इंडस्ट्री बड़े तकनीकी और आर्थिक बदलावों के दौर से गुजर रही है, तब इंफोसिस ने बाहर से किसी नए चेहरे को लाने के बजाय अपने ही घर के अनुभवी 'इनसाइडर' पर दांव खेला है।

आशीष कुमार डैश कंपनी के लिए कोई नया चेहरा नहीं हैं, बल्कि उन्होंने इंफोसिस में अपने जीवन के 30 से ज्यादा साल समर्पित किए हैं। वर्तमान में वे कंपनी के एक बेहद विशाल और विविध बिजनेस पोर्टफोलियो के ग्लोबल हेड हैं, जिसमें कई महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल वर्टिकल्स शामिल हैं। इसके साथ ही वे पूरी कंपनी के लिए सस्टेनेबिलिटी (सस्टेनेबल बिजनेस) विंग की कमान भी संभाल रहे हैं। इंफोसिस में अपने इस लंबे सफर के दौरान उन्होंने ग्राहक केंद्रित व्यवसायों, डिलीवरी और दुनिया के अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में ग्लोबल ऑपरेशंस जैसी कई बड़ी नेतृत्व भूमिकाएं निभाई हैं। कंपनी का मानना है कि उन्होंने लगातार मजबूत बिजनेस प्रदर्शन दिया है और ग्राहकों को जटिल तकनीकी बदलावों से निकलने में मदद की है।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
जागरण मोर्चा
क्लासीफाइड
विज्ञापन दर
रू. 500/*- Size 40 Sqcm (Colour)
*नियम एवं शर्तें लागू
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
7579849555, 9627739857, 9997745413

सोना 400 रुपये टूटा, 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम; चांदी 300 रुपये फिसली

एजेंसी न्यूज

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ती अनिश्चितताओं के कारण दिल्ली में सोने की कीमतों में 400 रुपये की गिरावट आई, जिससे यह 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। चांदी भी 300 रुपये गिरकर 2.30 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुझानों की वजह से गुरुवार को सोने की कीमत 400 रुपये टूटकर 1,49,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इससे पिछले सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,49,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। अखिल भारतीय सरार्फा संघ के अनुसार, चांदी की कीमतों में भी गिरावट आई और यह बुधवार के 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) के बंद स्तर से 300 रुपये टूटकर 2,29,700 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई।

कारोबारियों ने कहा कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और इस चिंता के बीच सरार्फा में मुनाफावसूली देखी गई कि लगातार महंगाई के कारण केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति में ढील देने में देरी कर सकते हैं।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं, जिससे महंगाई की चिंताएं बढ़ गईं और इस उम्मीद को बल मिला कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व लंबे समय तक सख्त मौद्रिक नीति रुख बनाए रख सकता है या इस साल के आखिर में ब्याज दरें बढ़ा सकता है, जिससे सरार्फा कीमतों पर दबाव पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना 38.92 डॉलर या एक प्रतिशत टूटकर 4,091.17 डॉलर प्रति औंस रह गया और चांदी लगभग दो प्रतिशत टूटकर 58.65 डॉलर प्रति औंस रह गई।मिराए एसेट शेयरखान में जिंस प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा कि हाजिर सोना टूटकर लगभग 4,093 डॉलर प्रति औंस रह गया, क्योंकि यमन के हूतियों द्वारा महीनों में पहली बार लाल सागर में एक जहाज को निशाना बनाए जाने के बाद कच्चे तेल में तेज उछाल ने निवेशकों की कारोबारी धारणा को प्रभावित किया।

जागरण मोर्चा राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वामी, किरन दीक्षित के लिए प्रकाशक, मुद्रक, मनोज कुमार दीक्षित द्वारा लक्ष्य प्रिन्टर्स 158/4 भानमती चौराह मॉडल हाउस हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र0) से मुद्रित एवं मीडिया हाउस 20ए शिवाजी मार्ग हुसैनगंज लखनऊ, (उ0प्र) से प्रकाशित। सम्पादक योगेश कुमार वर्मा मो0-7579849555, 9627739857 E-mail: www.jagranmorchadaily@gmail.com RNI No.-UPHIN/2022/82743 समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।